सोमवार, 12 मई 2025

मौसम

तापमान	39 – 29
आर्द्रता	70%
सूर्योदय: 4:58	सूर्यास्त: 18:08

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

www.samagya.in

समाज्ञा

स्थानीय खबरें पृष्ठ तीन, चार और पांच पर

कोलकाता, वैशाख शुक्लपक्ष पूर्णिमा, वि.स. 2082, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये

सुविचार : अपने शब्दों को निर्मल और पवित्र रखें क्योंकि संभव है कल इन्हें आपको वापिस लेना पड़े।

पाकिस्तान के रावलपिंडी में भी भारतीय सेना की ताकत महसूस की गई : राजनाथ पृष्ठ 7

RED-X
B.W.P. PLY, BOARDS& DOORS
'X' Factor that Makes A Difference
Stockist :
GULAB CHAND LAL CHAND& Co.
9831114555
9874415555

सीजफायर फिर से तोड़ा तो तगड़ा जवाब देंगे...

सेना ने पाकिस्तान को दी खुली चेतावनी

ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान के 40 जवान मारे गए

लक्ष्य हासिल लेकिन अब भी जारी है ऑपरेशन सिंदूर

नयी दिल्ली : भारत ने पाकिस्तान को साफ शब्दों में चेतावनी दी है कि अगर उसने दोबारा से सीजफायर का उल्लंघन किया, तो उसे बख्शा नहीं जाएगा। यह चेतावनी खुद डीजीएमओ लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान दी। उन्होंने बताया कि पाकिस्तान ने 10 मई की दोपहर 3:35 बजे खुद फोन कर सीजफायर की बात की और शाम 5 बजे से युद्धविराम लागू करने पर सहमति बनी। मगर, कुछ ही घंटे बाद पाकिस्तान ने ड्रोन के जरिए भारत की सीमा में घुसपैठ की कोशिश की, जिससे उनकी मंशा पर सवाल उठने लगे।

सीजफायर तोड़ा तो तगड़ा जवाब देंगे

डीजीएमओ ने आगे कहा कि सेना प्रमुख ने अब सीमा पर तैनात सैन्य अधिकारियों को पूरी तरह से जवाबी कार्रवाई की छूट दे दी है। 10 से 11 मई की रात को पाकिस्तान की तरफ से सीजफायर तोड़ने की कोशिश की गई थी, जिसके बाद आर्मी चीफ ने पश्चिमी सीमा पर सुरक्षा की स्थिति का जायजा लिया और सेना को खुली छूट दे दी। साफ शब्दों में कहें तो अब अगर पाकिस्तान कोई गलत हरकत की, तो भारत की जवाबी कार्रवाई और भी सख्त होगी।

ऑपरेशन सिंदूर में बड़े आतंकियों का सफाया

राजीव घई ने ये भी बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत ने आतंक के कई ठिकानों को तबाह किया और 100 से ज्यादा आतंकवादियों को मार गिराया। इनमें यूसुफ अजहर, अब्दुल मलिक रऊफ और मुदस्सिर अहमद जैसे आतंकी भी शामिल थे, जो पुराने आतंकी हमलों में शामिल रहे हैं। उन्होंने बताया कि 4 से 10 मई के बीच पाकिस्तान की ओर से बार-बार सीजफायर तोड़ा गया, जिसका जवाब देते हुए भारत ने उनकी सेना को भी भारी नुकसान पहुंचाया और लगभग 35 से 40 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए।

भारतीय सेना का स्पष्ट संदेश, शिव तांडव स्तोत्र के संगीत से दृढ़ मानसिकता दिखाई

तीनों सेनाओं के अधिकारी जब प्रेस ब्रीफिंग करने पहुंचे तो ऑडियो-वीडियो प्रस्तुति चलाई गई। इसके माध्यम से भी भारतीय सेना ने स्पष्ट संदेश दिया। ऐसा इसलिए क्योंकि जिस बैकग्राउंड संगीत का इस्तेमाल किया गया वह- शिव तांडव स्तोत्र का है। एयरमार्शल एके भारती, लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई, वाइस एडमिरल एएन प्रमोद और मेजर जनरल एसएस शारदा ने भारतीय सेना की कार्रवाई पर जानकारी दी।

सरहद के इस पार और उस पार करेंगे कार्रवाई- राजनाथ सिंह

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, 'भारतीय सेनाओं ने ऑपरेशन सिंदूर को पाकिस्तान में मौजूद आतंकी ढांचा ढहाने के उद्देश्य से लॉन्च किया था। हमने उनके आम नागरिकों को कभी निशाना नहीं बनाया था। मगर पाकिस्तान ने न केवल भारत के नागरिक इलाकों को निशाना बनाया बल्कि मंदिर, गुरुद्वारा और गिरिजाघर पर भी हमले करने का प्रयास किया। भारतीय सेना ने शौर्य और पराक्रम के साथ-साथ संयम का भी परिचय देते हुए पाकिस्तान के अनेक सैन्य ठिकानों पर प्रहार करके करारा जवाब दिया है। हमने केवल सीमा से सटे सैन्य ठिकानों पर ही नहीं कार्रवाई की बल्कि भारत की सेनाओं की धमक उस रावलपिंडी तक सुनी गई जहां पाकिस्तानी फौज का हेडक्वार्टर मौजूद है। आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर चलते हुए हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट कर दिया है कि यह नया भारत है जो आतंकवाद के खिलाफ सरहद के इस पार और उस पार दोनों तरफ प्रभावी कारवाई करेगा'।

पाकिस्तान के इन ठिकानों पर हमले किए

एयर मार्शल एके भारती ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान के कई ठिकानों पर हमले किए। उन्होंने भारत के सैन्य अभियानों के असर की विस्तृत वीडियो भी दिखाई। जिन ठिकानों पर हमले किए, उनके नाम पर एक नजर:

- पसरूर एयर डिफेंस रडार
- चुनियन एयर डिफेंस रडार
- आरिफवाला एयर डिफेंस रडार
- सरगोधा एयरफील्ड
- रहमियार खान एयरफील्ड
- कलाला एयरफील्ड (नूर खान)
- सुक्कुर एयरफील्ड
- भोलारी एयरफील्ड
- जैकोबाबाद एयरफील्ड

यूएनएससी में पाकिस्तान के खिलाफ सबूत पेश करेगा भारत

नयी दिल्ली : भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की 1267 प्रतिबंध समिति की आगामी बैठक में पाकिस्तान की आतंकवाद में संलिप्तता के नवीनतम सबूत प्रस्तुत करने की योजना बनाई है। यह बैठक अगले सप्ताह होने वाली है, जिसमें भारत की एक उच्च स्तरीय टीम भाग लेगी। इसका उद्देश्य पाकिस्तान स्थित आतंकवादी संगठनों जैसे जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा की गतिविधियों पर अंतरराष्ट्रीय ध्यान आकर्षित करना है, जो भारत में कई आतंकवादी हमलों के लिए जिम्मेदार रहे हैं।भारत ने पहले भी पाकिस्तान को आतंकवाद का वैश्विक केंद्र बताया है, जो 20 से अधिक संयुक्त राष्ट्र सूचीबद्ध आतंकवादी संस्थाओं को पनाह देता है और सीमा पार आतंकवाद का समर्थन करता है। भारत के स्थायी प्रतिनिधि ने संयुक्त राष्ट्र में कहा कि पाकिस्तान की आतंकवाद में संलिप्तता को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

भारत और पाकिस्तान के लिए आज है 'बड़ा दिन', 12 बजे दोनों देश के डीजीएमओ करेंगे बात

अब भारत और पाकिस्तान दोनों देश के साथ तनाव के बीच दोनों देशों के डीजीएमओ ऑफिस के बीच सोमवार को अहम वार्ता होगी जिसमें दोनों ही अपनी बात रखेंगे। इससे पहले सीजफायर को लेकर दो बार वार्ता हो चुकी है और इसमें भारत ने पाकिस्तान से छोटे हथियारों की फायरिंग का मुद्दा उठाया था। भारत ने पाकिस्तान को लगातार सीमा पार फायरिंग रोकने को भी कहा था। पाकिस्तान के डीजीएमओ मेजर जनरल कासिफ अब्दुल्ला ने भारत के डीजीएमओ को शनिवार को तीन बजकर 35 मिनट पर कॉल किया था फिर शाम 5 बजे से दोनों देशों ने सीजफायर का ऐलान कर दिया था।

प्रधानमंत्री मोदी का निर्देश-वहां से गोली चलेगी, तो यहां से गोला चलेगा

भारत और पाकिस्तान में सैन्य टकराव रोकने के लिए बनी सहमति के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सशस्त्र बलों को निर्देश दिया है कि पाकिस्तान की हर कार्रवाई का अधिक सख्ती से जवाब दिया जाना चाहिए और अगर वहां (पाकिस्तान) से गोली चलेगी, तो यहां (भारत) से गोला चलेगा। सरकारी सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' अभी खत्म नहीं हुआ है और सीमा पार से आतंकवाद के खिलाफ भारत का अब ऐसा ही कठोर रुख रहेगा। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को सीमा पार आतंकवाद की अब और भी अधिक भारी कीमत चुकानी पड़ेगी और इस्लामाबाद आतंकवाद को समर्थन जारी रखते हुए अपने पसंद के क्षेत्रों में सहयोग की उम्मीद नहीं कर सकता। सूत्रों ने कहा कि भारत कश्मीर मुद्दे पर कभी भी मध्यस्थता स्वीकार नहीं करेगा और चर्चा का एकमात्र मुद्दा यह है कि पाकिस्तान अपने अवैध कब्जे वाले क्षेत्र को वापस करे।

यह इंदिरा गांधी के साहसी नेतृत्व को याद करने का समय: कांग्रेस

नयी दिल्ली : कांग्रेस ने 1971 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की ओर से उठाए गए कदम का हवाला देते हुए रविवार को कहा कि यह उनके साहसी नेतृत्व को याद करने का समय है। इंदिरा बंगाल की खाड़ी में परमाणु ऊर्जा से संचालित नौसैनिक कार्यबल भेजने की अमेरिकी चेतावनी के बावजूद अपने फैसले पर अडिग रही थीं, जिसके चलते बाद में बांग्लादेश एक राष्ट्र के रूप में अस्तित्व में आया। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश और सचिन पायलट ने 1971 की घटना का हवाला देते हुए दावा किया कि बांग्लादेश में कुछ भी न करने के निर्देश दिए जाने के बावजूद इंदिरा ने राष्ट्रीय हित में उचित कदम उठाया। रमेश ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, अब समय है कि दिसंबर 1971 के दूसरे सप्ताह की उस ऐतिहासिक घटना को भी याद किया जाए, जिसे दस्तावेजों में स्पष्ट रूप से दर्ज किया गया है। निक्सन-किसिंजर की जोड़ी ने अमेरिकी नौसेना के सातवें बेड़े के एक परमाणु-संचालित और परमाणु हथियारों से लैस कार्य बल को बंगाल की खाड़ी में भेजा, जिसका नेतृत्व विमानवाहक पोत यूएसएस एंटरप्राइज कर रहा था। लेकिन इंदिरा गांधी इससे भी नहीं डरीं और पाकिस्तान ने 16 दिसंबर 1971 को आत्मसमर्पण कर दिया।

कांग्रेस ने पूछा, क्या सरकार ने कश्मीर पर अमेरिका की मध्यस्थता स्वीकार ली है?

कांग्रेस ने सैन्य टकराव रोकने के संबंध में अमेरिका द्वारा भारत और पाकिस्तान की ओर से घोषणा किए जाने के बाद रविवार को सरकार से जवाब मांगा कि क्या उसने कश्मीर पर तीसरे पक्ष की मध्यस्थता स्वीकार कर ली है? कांग्रेस ने इस मुद्दे का ''अंतरराष्ट्रीयकरण'' करने के प्रयास की भी आलोचना की। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच ''संघर्ष विराम'' की घोषणा करने का अमेरिका का कदम ''अभूतपूर्व'' है और इससे कई सवाल उठते हैं।

राहुल, खरगे ने पहलगाम हमले, 'ऑपरेशन सिंदूर' पर चर्चा के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग की

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर पहलगाम आतंकवादी हमले, 'ऑपरेशन सिंदूर' और सीमा पार से गोलीबारी के मामले में ताजा घटनाक्रम पर चर्चा के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग की है। राहुल और खरगे ने प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में आतंकवाद के खिलाफ सामूहिक संकल्प प्रदर्शित करने के लिए संसद के दोनों सदनों का विशेष सत्र बुलाने की अपनी मांग दोहराई है।

राजस्थान के सीमावर्ती बाड़मेर व जैसलमेर जिले में रहा 'ब्लैकआउट'

जयपुर : पाकिस्तान की तरफ से शनिवार रात संघर्षविराम का उल्लंघन किए जाने के बाद राजस्थान के जैसलमेर और बाड़मेर जिले में रविवार रात को भी एहतियातन 'ब्लैकआउट' रहा। बाड़मेर में रात के समय ड्रोन आने की गतिविधि दिखने का अलर्ट भी जारी किया गया। बाड़मेर में 'ब्लैकआउट' रविवार रात आठ बजे शुरू हुआ जबकि जैसलमेर में शाम साढ़े सात ही यह लागू कर दिया गया। बाड़मेर में ब्लैकआउट के कुछ समय बाद ही लगभग पौने नौ बजे प्रशासन ने ड्रोन आने की गतिविधि दर्ज होने का अलर्ट जारी किया और लोगों से घरों में रहने की अपील की। हालांकि इसके बाद कुछ नहीं हुआ और इलाके में सुरक्षा बल सतर्क हैं। राजस्थान की पाकिस्तान से लगते जिलों में दिन में हालात जहां सामान्य हो रहे हैं वहीं जैसलमेर व बाड़मेर में प्रशासन ने रविवार की रात भी एहतियातन 'ब्लैकआउट' रखने की घोषणा की। जैसलमेर जिला प्रशासन की ओर से जारी सूचना में बताया गया, एहतियात के तौर पर रविवार को शाम साढ़े सात बजे से अगली सुबह छह बजे तक 'ब्लैकआउट' घोषित किया जाता है। सभी अपने घरों और आसपास की लाइटों को बंद रखें। वहीं बाड़मेर जिला प्रशासन ने कहा, बाड़मेर जिले में वर्तमान परिस्थितियों के मद्देनजर रविवार को रात्रि आठ से सोमवार सुबह छह बजे तक 'ब्लैकआउट' घोषित किया जाता है।

जो कभी पत्थर फेंकते थे, वो आज भाजपा में हैं: नितिन गडकरी

नागपुर : केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने शनिवार को एक कार्यक्रम में अपने राजनीतिक सफर की पुरानी बातें साझा कीं। उन्होंने कहा कि जब उन्होंने राजनीति की शुरुआत की थी, तब कुछ लोग उनके घर पर रोज़ पत्थर फेंकते थे, लेकिन समय बदला और आज वही लोग भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए हैं। गडकरी स्थानीय भाजपा नेता रामदास आंबटकर को श्रद्धांजलि देने पहुंचे थे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि कठिन समय में भी भाजपा कार्यकर्ताओं की निष्ठा और मेहनत पार्टी की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने आरएसएस के पूर्व सरसंघचालक बालासाहेब देवरस के एक भाषण का हवाला दिया, जिसमें उन्होंने कहा था, दुर्लभ कार्यकर्ता ही संगठन की सबसे बड़ी शक्ति होता है।'' गडकरी ने कहा कि आरएसएस में बड़ी संख्या में ऐसे समर्पित कार्यकर्ता हैं, जिनकी बदौलत संगठन ने सफलतापूर्वक लगभग 100 वर्ष पूरे किए हैं। उन्होंने कहा कि ये कार्यकर्ता हमेशा अपनी विचारधारा और राष्ट्र को सर्वोपरि रखते हैं। गडकरी ने राजनीति में अपने शुरुआती दिनों को भी याद किया। उन्होंने कहा कि 1975 में जब मैं नागपुर क्षेत्र में भाजपा के लिए काम कर रहा था, तो मेरे इलाके के कुछ लोग अक्सर मेरे घर पर पत्थर फेंकते थे। गडकरी ने कहा कि समय के साथ वही लोग आरएसएस मुख्यालय, डॉ. हेडगेवार स्मृति मंदिर और उनके घर आने लगे तथा उनमें से एक तो बाद में भाजपा का वार्ड अध्यक्ष भी बना।

छत्तीसगढ़ में भीषण सड़क हादसा, माजदा और ट्रेलर में टक्कर से 17 लोगों की मौत, कई घायल

रायपुर : छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से लगे खरोरा में एक भीषण सड़क हादसा हुआ है। रोड पर माजदा और ट्रेलर में जोरदार टक्कर हो गया, जिससे वाहन में सवार 17 से अधिक ग्रामीणों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना से इलाके में सनसनी फैल गई है। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंचकर बचाव कार्य में जुट गई है। मिली जानकारी के अनुसार, यह घटना खरोरा रोड के बंगोली गांव की है, माजदा वाहन में 50 से ज्यादा लोग सवार थे। सभी ग्रामीण शादी कार्यक्रम से लौट रहे थे। इसी बीच वाहन खरोरा रोड पर ट्रेलर से टकरा गई, जिससे दर्जनों से अधिक लोगों की मौत हो गई है, जबकि कई घायल बताए जा रहे हैं। पुलिस और प्रशासन की टीम राहत और बचाव कार्य में जुट गई है। घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया जा रहा है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया। वरिष्ठ अधिकारी भी तत्काल मौके पर पहुंच गए हैं। रायपुर रेंज के आईजी, एसपी, एडिशनल एसपी समेत कई पुलिस अधिकारी घटना स्थल की ओर रवाना हो चुके हैं। हादसे की वजह का अब तक पता नहीं चल पाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। वही इस घटना में मृतकों की संख्या बढ़ाने की संभावना है।

पुरी मंदिर के सेवक को 30 दिन के लिए निलंबित किया गया

पुरी/कोलकाता : श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) ने रविवार को पुरी मंदिर के वरिष्ठ सेवक रामकृष्ण दासमोहनपात्र को 30 दिन के लिए निलंबित कर दिया। यह कार्रवाई उन्हें पश्चिम बंगाल के दिगा जगन्नाथ मंदिर में एक कार्यक्रम में भाग लेने और अनुशासनहीनता के आरोप में की गई है। एसजेटीए के मुख्य प्रशासक अरविंद पाढ़ी द्वारा जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि दासमोहनपात्र को मंदिर के सभी कर्तव्यों से निलंबित कर दिया गया है तथा एक महीने के लिए पुरी जगन्नाथ मंदिर में उनके अनुष्ठान करने पर रोक लगा दी गई है। इससे पहले, एसजेटीए ने दासमोहनपात्र को दो नोटिस भेजे थे। पहला नोटिस चार मई को जारी किया गया था, जिसमें उन्हें यह बताने के लिए कहा गया था कि उन्होंने 2015 के नबकलेबरा महोत्सव के दौरान एकत्रित पवित्र लकड़ी से दिगा जगन्नाथ मंदिर के लिए मूर्तियां क्यों बनाई। दूसरे नोटिस में पूछा गया कि वह पुरी सेवक होते हुए दिगा मंदिर के समारोह में क्यों गए। एसजेटीए ने कहा कि यह कदम मंदिर की परंपराओं और अनुशासन को बनाए रखने के लिए उठाया गया है। पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्षी नेता शुभेंदु अधिकारी ने दासमोहनपात्र के निलंबन का समर्थन करते हुए कहा कि दासमो-हनपात्र ने पुरी की परंपराओं को नुकसान पहुंचाया। उन्होंने कहा कि यह निलंबन एक संदेश है कि पुरी जगन्नाथ धाम की पवित्रता की रक्षा की जानी चाहिए।

उचित मूल्य में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की नी-रिप्लेसमेंट सर्जरी

सलाह दे रहे हैं विख्यात ऑर्थोपेडिक एवं जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जन

DR. SANTOSH KUMAR
Consultant Orthopaedic & Joint Replacement Surgeon
Head, Institute of Computer Assisted
Joint Replacement Surgery, BELLE VUE CLINIC & WOODLANDS HOSPITAL

हमारे समाज में, विशेषकर व्यस्क व्यक्तियों के चलने-फिरने की समस्या का प्रमुख कारण है नी-आरथ्राइटिस। इस प्रकार की समस्याओं को प्राथमिक स्तर पर औषधियों और फिजियोथेरापी से ठीक करना मुमकिन तो है, पर समस्या जटिल होने पर **घुटने का प्रत्यारोपण या नी-रिप्लेसमेंट** ही एकमात्र निश्चित समाधान है।

मेरे तत्वावधान में नी-रिप्लेसमेंट पद्धति बिल्कुल पूर्वनिर्धारित (प्रेडिक्टेबल) है। सबसे पहले हम हर प्रकार के प्रिऑपरेटिव इन्वेस्टिगेशन करते हैं जैसे कि विभिन्न प्रकार के ब्लड टेस्ट, यूरिन टेस्ट, ईसीजी, इकोकार्डियोग्राफ इत्यादि। मेरे यहाँ रोगियों की सुरक्षा को सबसे अधिक प्राथमिकता दी जाती है। हमारे साथ हैं अनुभवी मेडिसिन चिकित्सक, कार्डियोलॉजिस्ट से सम्मिलित एक पूर्ण समर्पित टीम। सर्जरी के पहले, सर्जरी के दौरान और सर्जरी के बाद भी चिकित्सा से जुड़ी सभी जरूरतों का पूरा ख्या रखना ही हमारी टीम वर्क की सफलता सुनिश्चित करता है।

सम्पूर्ण उपयुक्त (प्रिसिशनल) सर्जरी और इसके बाद रोगी के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ के उद्देश्य से मैं कम्प्यूटर एसिस्टेड मिनिमली इनवेसिव सर्जरी करता हूँ। रोगी अपनी सम्पूर्ण चिकित्सा में एक दर्दरहित अनुभव का एहसास कर पाएं, मैं इसका पूरा ख्याल रहता हूँ। सर्जरी के बाद रोगी घुटने को मोड़ पाएं और जमीन पर बैठ पाएं, इसके लिए में 'Rotation Platform High Flexion Knees' का इस्तेमाल करता हूँ। सर्जरी के दूसरे दिन से ही रोगी चल-फिर सकते हैं और तीन दिनों में घर वापस जा सकते हैं। मैं हर श्रेणी और हर प्रकार की बीमा कराए व्यक्तियों की सर्जरी करता हूँ और वे सभी व्यक्ति जो किसी बीमा संस्था के दायरे में नहीं आते हैं, उनकी सर्जरी भी बहुत उचित मूल्य में करता हूँ। किसी रोगी की आर्थिक समस्या के बारे में पता चलने पर, मैं उसकी समस्या का भी समाधान करने के लिए हमेशा प्रयासरत रहता हूँ।

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:

DR. SANTOSH KUMAR KNEE FOUNDATION
Chamber : Plot No 332, Laketown Block A, Kolkata-700 089
✆ : 98319 11584 / 98312 66632

e-mail : santdr@gmail.com
www.mykneemylife.org
www.momentumorthocare.com

Four Square by Basu Hotel

ENJOY A JOYFULL EXPERIENCE

A Fresh Reason to Return...!

- Specious Room with Beautiful Ambiance
- Wi-Fi Connectivity Rooms
- Swimming Pool/ Kids Pool/ Pool Party
- Office Functions & Party Space Available
- Dining Area
- In House Restaurants
- Non-Smoking Rooms
- Kids Play Zone
- Travel Desk
- Led TV with Exhaustive Channel List
- STD/ISD Calling Facility
- Lavatories
- 24 Hrs Bell Desk/ Room Service
- 24 Hrs Security/ CCTV
- Wake-up Call Facility
- Coffee Corner Round the Clock

2 Minutes Away from NEW DIGHA RAILWAY STATION

PICKUP & DROP FACILITY AVAILABLE

Four Square by Basu Hotel

PLOT NO-79, N 2 SECTOR, NEW DIGHA
For Booking call Mr. Tamal Das : M.: 90 8325 0083/ 82 9653 8545
For Enquiry call Mr. Uday Shaw : M.: 98300 17241

THIS HOTEL BELONGS TO SHAW GROUP OF HOTELS

इतिहास के पन्नों से वर्तमान तक का सबक

इतिहास की गलती: पृथ्वीराज चौहान ने 1191 में तराइन की पहली लड़ाई में मोहम्मद गौरी को हराया और जीवनदान दिया। लेकिन 1192 में, गौरी ने फिर हमला किया और चौहान को हराकर पूरे भारतीय उपमहाद्वीप का भूगोल बदल दिया। क्या हम भी आज बार-बार माफ़ी देकर वही भूल दोहरा रहे हैं?

इतिहास अपने आप में एक जीवंत कथा है, जो समय-समय पर हमें चेतावनी देता है। इसे नज़रअंदाज़ करने की भूल, एक सभ्यता के पतन की सबसे बड़ी वजह बनती है। पृथ्वीराज चौहान का उदाहरण इसका एक सटीक प्रमाण है। बार-बार की गई माफ़ी और शत्रु पर दया दिखाने की भूल ने एक साम्राज्य को समाप्त कर दिया। यह केवल मध्यकालीन भारत की गाथा नहीं है, बल्कि आज के दौर में भी यह संदर्भ उतना ही प्रासंगिक है।

पृथ्वीराज चौहान: एक वीर राजा की भूलइतिहासकार मानते हैं कि पृथ्वीराज चौहान, अपनी वीरता और अदम्य साहस के लिए प्रसिद्ध थे। उन्होंने कई युद्धों में अद्वितीय पराक्रम दिखाया, लेकिन जब बात मोहम्मद गौरी की आई, तो उनकी माफ़ी देने की प्रवृत्ति ने उन्हें भारी नुकसान पहुँचाया। 1191 में तराइन की पहली लड़ाई में चौहान ने गौरी को पराजित किया और जीवनदान देकर एक गंभीर भूल की। अगले ही वर्ष, 1192 में गौरी ने फिर हमला किया और इस बार चौहान को हराने में सफल रहा। यह वह पल था जिसने भारतीय उपमहाद्वीप के इतिहास को हमेशा के लिए बदल दिया।

इतिहास की पुनरावृत्ति: क्या हम फिर से वही भूल कर रहे हैं?अगर हम अपने वर्तमान हालात पर नज़र डालें, तो क्या हम भी उसी भूल की ओर बढ़ रहे हैं? बार-बार की माफ़ी, नरमी और गलतियों से सबक न लेने की आदत हमें कमजोर बना रही है। चाहे वह सीमा सुरक्षा का मामला हो, या फिर आंतरिक सुरक्षा की चुनौती, हर बार की चुप्पी, समझौते और क्षमादान हमें कमजोर बना रहे हैं।

क्या पाकिस्तान के साथ भी हम वही भूल दोहरा रहे हैं?आज का भारत भी बार-बार पाकिस्तान के साथ उसी भूल का शिकार होता नज़र आ रहा है। बार-बार की गई शांति वार्ताएँ, संघर्षविराम समझौते, और आतंकवाद के हर वार को क्षमा करना क्या हमें फिर से एक कमजोर राष्ट्र की छवि नहीं दे रहा?

पाकिस्तान, जो बार-बार हमारी सीमाओं पर हमला करता है, हमारे सैनिकों पर कायराना हमले करता है, और हमारे नागरिकों के खिलाफ आतंकी गतिविधियाँ प्रायोजित करता है, क्या उसे बार-बार माफ़ करना उचित है? क्या हमें इस बात का अहसास नहीं है कि जैसे गौरी ने चौहान की सहिष्णुता का गलत फायदा उठाया, वैसे ही पाकिस्तान भी हमारी हर माफ़ी और नरमी को कमजोरी समझ सकता है?

यह केवल सीमा पर गोलीबारी या आतंकी हमलों तक सीमित नहीं है, बल्कि कूटनीतिक मंचों पर भी हम बार-बार शांति और समझौते की बात करते हैं, जबकि दूसरी ओर से विश्वासघात और आक्रमण की नीति जारी रहती है। यह हमारी सहनशीलता और शांति की भावना का अपमान है, जिसे बार-बार नज़रअंदाज़ करना एक गंभीर भूल हो सकती है।

अमेरिका की छाया में खड़ा पाकिस्तानअमेरिका का रुख भी इस संदर्भ में महत्वपूर्ण है। इतिहास गवाह है कि कैसे अमेरिका ने पाकिस्तान को हर मोर्चे पर समर्थन दिया, चाहे वह सैन्य सहायता हो या वित्तीय मदद। अमेरिका ने कई बार पाकिस्तान को अपने भू-राजनीतिक हितों के लिए इस्तेमाल किया, जबकि पाकिस्तान ने उस समर्थन का उपयोग भारत विरोधी गतिविधियों के लिए किया। यह हमें एक बार फिर सोचने पर मजबूर करता है- क्या हमें बार-बार माफ़ करने की नीति पर पुनर्विचार नहीं करना चाहिए?

पाकिस्तान, जो आतंकवाद का सबसे बड़ा निर्यातक है, उसकी सैन्य और आर्थिक सहायता करने वाला अमेरिका, क्या भारत के रणनीतिक हितों के खिलाफ नहीं है? क्या यह समय नहीं आ गया है कि हम अपनी विदेश नीति को और अधिक सशक्त और आत्मनिर्भर बनाएं, ताकि हमें किसी बाहरी शक्ति पर निर्भर न रहना पड़े?

इतिहास हमें सिखाता है कि अगर हम अपने शत्रुओं की मंशा को बार-बार नज़रअंदाज़ करेंगे, तो हमें फिर से उसी त्रासदी का सामना करना पड़ेगा जो पृथ्वीराज चौहान ने की थी। माफ़ी की आदत हमें वीर से विवश बना सकती है, और समझौते की कमजोरी हमारे गौरव को मिटा सकती है। समय आ गया है कि हम अपने इतिहास से सबक लें और अपनी सुरक्षा को सर्वोपरि मानें। माफ़ी एक आदर्श हो सकती है, लेकिन जब बात राष्ट्रीय सम्मान और स्वाभिमान की हो, तब हमें पाषाण की तरह अडिग और लोहे की तरह कठोर होना पड़ेगा। यही संदेश इस कविता में छिपा है - माफ़ी की जगह पराक्रम, और समझौते की जगह संकल्प।

अमेरिका ने पाकिस्तान को कई बार समर्थन दिया है, जबकि पाकिस्तान ने इस समर्थन का उपयोग भारत विरोधी गतिविधियों में किया। यह एक और उदाहरण है कि कैसे बाहरी शक्ति हमारे राष्ट्रीय हितों के खिलाफ काम कर सकती है, और हमें अपनी नीति को मजबूत बनाने की आवश्यकता है। भारत को अपनी सुरक्षा को प्राथमिकता देनी चाहिए और शत्रु के सामने कठोर और अडिग रहना चाहिए। माफ़ी की जगह पराक्रम और समझौते की जगह संकल्प हो, ताकि हम भविष्य में ऐसे ही संकटों से बच सकें।

-प्रियंका सौरभ

विश्व में शांति के प्रतीक गौतम बुद्ध

संदीप सृजन

बुद्ध जयंती विशेष (12 मई 2025)

गौतम बुद्ध, जिन्हें विश्व में शांति, करुणा और अहिंसा के प्रतीक के रूप में जाना जाता है, उनने अपने जीवन और शिक्षाओं के माध्यम से मानवता को एक ऐसा मार्ग दिखाया जो हिंसा और युद्ध से परे है। बुद्ध का दर्शन न केवल व्यक्तिगत शांति और आत्म-जागृति पर केंद्रित है, बल्कि सामाजिक और सामूहिक स्तर पर भी शांति स्थापित करने की दिशा में प्रेरित करता हैं। युद्ध, जो मानव इतिहास में विनाश, दुख और विभाजन का कारण रहा है, बुद्ध के दर्शन में कहीं भी स्वीकार्य नहीं है। बुद्ध ने अपने उपदेशों में चार आर्य सत्य और अष्टांगिक मार्ग को प्रतिपादित किया, जो उनके दर्शन का आधार बने। इन सिद्धांतों में हिंसा और युद्ध का कोई स्थान नहीं था। बुद्ध का मानना था कि सभी प्राणी सुख की खोज में हैं और दुख से मुक्ति चाहते हैं। युद्ध, जो हिंसा और विनाश का प्रतीक है, इस खोज को न केवल बाधित करता है, बल्कि दुख को और बढ़ाता है।

बुद्ध के दर्शन का मूल आधार अहिंसा है। अहिंसा का अर्थ केवल शारीरिक हिंसा से बचना ही नहीं है, बल्कि मन, वचन और कर्म से किसी भी प्राणी को हानि न पहुंचाना है। बुद्ध ने अपने उपदेशों में बार-बार इस बात पर जोर दिया कि हिंसा से केवल और हिंसा जन्म लेती है। एक प्रसिद्ध धम्मपद श्लोक में बुद्ध कहते हैं:

न हि वेरेन वेरानि, सम्मन्तीध कुदाचनं।
अवेरेन च सम्मन्ति, एस धम्मो सनन्तनो।

अर्थात्, नफरत से नफरत कभी शांत नहीं होती; नफरत को केवल प्रेम और करुणा से शांत किया जा सकता है। यह शाश्वत नियम है। यह श्लोक बुद्ध के युद्ध के प्रति दृष्टिकोण को स्पष्ट करता है। युद्ध, जो घृणा, क्रोध और लोभ से प्रेरित होता है, कभी भी शांति और सौहार्द का कारण नहीं बन सकता। बुद्ध ने यह भी सिखाया कि प्रत्येक प्राणी के भीतर बुद्धत्व की संभावना है, और इसलिए प्रत्येक जीवन मूल्यवान है। युद्ध में होने वाली हत्याएं और विनाश इस मूल्य को नष्ट करते हैं और मानवता को उसके उच्चतम लक्ष्य निरंतर शांति और जागृति से दूर ले जाते हैं।

बुद्ध ने युद्ध के कारणों को मानव मन की तृष्णा (लोभ), क्रोध और अज्ञानता में देखा। उनके अनुसार, ये तीन विष (लोभ, द्वेष, मोह) मानव दुख के मूल कारण हैं। युद्ध अक्सर क्षेत्रीय विस्तार, धन, शक्ति या वैचारिक मतभेदों के कारण होते हैं, जो सभी तृष्णा और अज्ञानता से उत्पन्न होते हैं। बुद्ध ने अपने उपदेशों में इन मूल कारणों को समझने और उन्हें समाप्त करने पर जोर दिया।

बुद्ध के समय में कई छोटे-छोटे राज्यों के बीच युद्ध और संघर्ष आम थे। बुद्ध ने इन युद्धों को रोकने के लिए कई बार मध्यस्थता की। एक प्रसिद्ध घटना में, शाक्य और कोलिय जनजातियों के बीच रोहिणी नदी के जल विभाजन को लेकर विवाद हो गया था, जो युद्ध का रूप लेने वाला था। बुद्ध ने दोनों पक्षों को समझाया कि जल के लिए युद्ध करने से होने वाली हानि जो मानव जीवन और रिश्तों के नुकसान के रूप में होगी उस जल के मूल्य से कहीं अधिक होगी। उनकी

मध्यस्थता से दोनों पक्षों ने शांति स्थापित की। यह घटना दर्शाती है कि बुद्ध युद्ध को केवल हिंसा के रूप में नहीं देखते थे, बल्कि इसे मानवता के लिए एक अनावश्यक दुख के रूप में समझते थे। उनका दृष्टिकोण यह था कि युद्ध के बजाय संवाद, समझ और करुणा के माध्यम से समस्याओं का समाधान संभव है।

बुद्ध का दर्शन केवल व्यक्तिगत शांति तक सीमित नहीं था; वे सामाजिक और सामूहिक शांति के भी पक्षधर थे। उन्होंने राजाओं और शासकों को भी उपदेश दिए कि शासन का आधार धर्म (नैतिकता), करुणा और न्याय होना चाहिए। बुद्ध ने चक्रवर्ती राजा (आदर्श शासक) की अवधारणा को प्रस्तुत किया, जो बिना हिंसा और युद्ध के, धर्म के आधार पर शासन करता है। बुद्ध ने यह भी सिखाया कि शांति तभी संभव है जब समाज में समानता, न्याय और करुणा हो। युद्ध अक्सर सामाजिक असमानता, अन्याय और शक्ति के दुरुपयोग से उत्पन्न होते हैं। बुद्ध ने अपने अनुयायियों को सिखाया कि वे अपने कर्मों से समाज में शांति और सौहार्द को बढ़ावा दें।

बौद्ध धर्म में युद्ध की नैतिकता का कोई स्थान नहीं है। कुछ अन्य धर्मों या दर्शनों में न्यायपूर्ण युद्ध की अवधारणा हो सकती है, लेकिन बुद्ध के लिए कोई भी युद्ध न्यायपूर्ण नहीं हो सकता, क्योंकि युद्ध का परिणाम हमेशा दुख और विनाश होता है। बुद्ध ने यह सिखाया कि हिंसा का जवाब हिंसा से देना केवल दुख को बढ़ाता है। इसके बजाय, उन्होंने करुणा, क्षमा और समझ के मार्ग को अपनाने की सलाह दी। बुद्ध के समय में, कई योद्धा और सैनिक उनके पास आकर यह प्रश्न करते थे कि युद्ध में भाग लेना उनके कर्तव्य का हिस्सा है, तो क्या यह गलत है? बुद्ध ने उन्हें समझाया कि हिंसा में भाग लेना, भले ही वह कर्तव्य के नाम पर हो, कर्म के नियमों से मुक्त नहीं है। हिंसा करने वाला व्यक्ति न केवल दूसरों को दुख देता है, बल्कि अपने लिए भी दुख का कारण बनता है। बुद्ध ने सैनिकों को सलाह दी कि वे अपने मन को शुद्ध करें और हिंसा के बजाय शांति के मार्ग को चुनें।

आज के युग में, जब विश्व युद्ध, आतंकवाद और हिंसा की चुनौतियों से जूझ रहा है, बुद्ध की शिक्षाएं और भी प्रासंगिक हो जाती हैं। बुद्ध का अहिंसा और करुणा का संदेश न केवल व्यक्तिगत जीवन में शांति ला सकता है, बल्कि सामाजिक और वैश्विक स्तर पर भी शांति स्थापित करने में सहायक हो सकता है।आधुनिक विश्व में, कई संगठन और नेता बुद्ध के सिद्धांतों से प्रेरित होकर शांति के लिए कार्य कर रहे हैं। उदाहरण के लिए, दलाई लामा, जो बौद्ध धर्म के एक प्रमुख नेता हैं, ने बार-बार विश्व शांति के लिए अहिंसा और करुणा के महत्व पर जोर दिया है। बुद्ध की शिक्षाएं हमें यह सिखाती हैं कि युद्ध और हिंसा से कोई स्थायी समाधान नहीं निकल सकता। इसके बजाय, संवाद, सहानुभूति और आपसी समझ के माध्यम से ही शांति संभव है।

गौतम बुद्ध ने युद्ध का समर्थन इसलिए नहीं किया क्योंकि उनके दर्शन का मूल आधार अहिंसा, करुणा और सभी प्राणियों के प्रति समानता का भाव था। युद्ध, जो मानव मन की तृष्णा, क्रोध और अज्ञानता से उत्पन्न होता है, बुद्ध के लिए केवल दुख और विनाश का कारण था। उन्होंने अपने जीवन और शिक्षाओं के माध्यम से यह दिखाया कि शांति का मार्ग हिंसा से नहीं, बल्कि प्रेम, करुणा और समझ से होकर गुजरता है। बुद्ध की शिक्षाएं आज भी हमें प्रेरित करती हैं कि हम अपने जीवन में और समाज में शांति को बढ़ावा दें। युद्ध और हिंसा के इस युग में, बुद्ध का संदेश एक प्रकाशस्तंभ की तरह है, जो हमें यह सिखाता है कि सच्ची शांति तभी संभव है जब हम अपने मन को शुद्ध करें और सभी प्राणियों के प्रति करुणा का भाव रखें। बुद्ध का यह दर्शन न केवल उनके समय में, बल्कि आज और भविष्य में भी मानवता के लिए एक अमूल्य मार्गदर्शन है। (लेखक स्वतंत्र पत्रकार और स्तम्भकार हैं)

लगे हाथ एक गणना इनकी भी हो जाए

सुशील कुमार 'नवीन'

पहलगाम हादसे के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच अघोषित युद्ध की शुरुआत हो चुकी है। इसका परिणाम क्या रहेगा? यह अभी भविष्य के गर्भ में है। इस गंभीर माहौल की जहां अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक चिंतन हो रहा है वहीं कुछ कुचक्रिय तत्व अभी भी सक्रिय है। जातीय जनगणना तो जब होगी सो होगी, इससे पहले ऐसे लोगों की गणना बहुत जरूरी है। जो भारत में रहते हैं और भारतीय नहीं है। जो इसी मिट्टी में जन्मे हैं और इसी के विखंडन का स्वप्न देखते हैं। जो यही कमाते हैं और इसका प्रयोग इसी के खिलाफ करते हैं। युद्ध अपने तरीके से चलता रहेगा, युद्ध के साथ-साथ राष्ट्रीय स्तर पर ऐसे लोगों की पहचान आज इस घड़ी में करना बेहद जरूरी है। जयचंदों की फौज जिस तरह से बढ़ रही है वो भविष्य के लिए अच्छा संकेत नहीं है। चाणक्य नीति में साफ लिखा गया है कि -

परोक्षे कार्यहन्तारं प्रत्यक्षे प्रियवादिनम्।
वर्जयेत्तादृशं मित्रं विषकुम्भ पयोमुखम्।।

इसका सीधा सा भाव है कि पीठ पीछे काम बिगाड़ने वाले और सामने मीठा बोलने वालों को उसी प्रकार त्याग देना चाहिए, जिस प्रकार मुख पर दूध तथा भीतर विष से भरे घड़े को त्याग दिया जाता है।

एक सच्चे देशभक्त का इस समय कर्तव्य बनता है कि आपदा आने के समय वो आपसी गिले शिकवे भूल एकमत से राष्ट्रहित में ली गई प्रत्येक कार्रवाई का समर्थन करे। उसमें यथोचित सहयोग करें, उसका संबल बनें। किसी तरफ की छींटाकशी,मीनमेख निकाल दूसरे पक्ष के लिए उदाहरण बनना राष्ट्रविरोधी से कमतर नहीं है। देश आज जिस संकट से गुजर रहा है वह हमारे द्वारा पैदा नहीं किया गया है। गीता का प्रसिद्ध श्लोक यहां सार्थक सिद्ध है। इसके अनुसार कहा गया है -

कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन।
मा कर्मफलहेतुर्भूर्मा ते सङ्गोऽस्त्वकर्मणि।।

युद्ध से इनकार किए जाने पर श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण अर्जुन से कहते हैं - तुम्हारा अधिकार केवल कर्म करना है। कर्म के फल पर तुम्हारा अधिकार नहीं है। इसलिए तुम केवल निरन्तर कर्म करो। कर्म के फल पर मनन मत करो और अकर्मण्य भी मत बनो।

संसार का कोई भी ऐसा देश नहीं है। जहां राष्ट्र विरोधी ताकतें मुंह बाए न खड़ी हो। दुश्मन राष्ट्र से ज्यादा खतरा राष्ट्र के अंदर छिपी पड़ी इन कुचक्रियों से होता है। वक्त बेवक्त इनका सिर्फ एक उद्देश्य होता है कि किसी भी तरह से अपनी विचारधारा को ज्यादा से ज्यादा प्रसारित किया जाए। इन्हें इस बात से मतलब नहीं कि देश किस स्थिति से गुजर रहा है। उन्हें सिर्फ अपनी विचारधारा को अग्रसर रखना होता है, चाहे वो विचारधारा राष्ट्रविरोधी ही क्यों न हो।

आज के समय को ही ले लीजिए। पक्ष-विपक्ष आज सरकार के साथ खड़ा है। फिर भी कुछ लोगों की जुबान नहीं रुक रही है। इसी का फायदा सोशल मीडिया के माध्यम से पाकिस्तान द्वारा उठाया गया है हमारे ही लोगों द्वारा की गई बयानबाजी का प्रयोग हमारे ही खिलाफ उनके द्वारा खूब किया गया है। कन्हैयालाल मिस्र का एक निबंध मै और मेरा देश पढ़ा हो तो उसकी एक पंक्ति आज के समय में अपनी सार्थकता को पूर्ण सिद्ध करती है कि युद्ध में जय बोलने वालों का बड़ा महत्व है। भाव यह है कि युद्ध करना हर किसी के सामर्थ्य में नहीं है। लेकिन अपने साथियों का उत्साह बढ़ाना तो हमारे हाथ में है। लेकिन हम है कि अभी भी बाज नहीं आ रहे। आलोचना या समीक्षा का अभी वक्त थोड़े ही है। अभी तो जो हो रहा है उसे होने दें। वो चाहे अच्छा है या बुरा। हमारा पहला फर्ज बनता है कि उसमें सहयोग करें। लोकतंत्र में सबको बोलने का अधिकार है, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता है। एक छोटी सी चिनगारी की उपेक्षा से दावानल की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

प्राचीन भारत के महान अर्थशास्त्री, राजनीतिज्ञ और दार्शनिक आचार्य चाणक्य के विचार आज भी प्रासंगिक हैं। उनके द्वारा प्रस्तुत किए गए जीवन सिद्धांत और रणनीतियां न केवल राजनीति, बल्कि व्यक्तिगत जीवन में भी सफलता प्राप्त करने के लिए मार्गदर्शन प्रदान करने का कार्य करते हैं। उनके द्वारा बताये गए नियमों में जीवन की कठिनाइयों का सामना करने और सही दिशा में आगे बढ़ने के उपाय दिए गए हैं। ये न केवल आत्मनिर्भर बनाते हैं, बल्कि जीवन में बड़े लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए भी प्रेरित करते हैं।

आचार्य चाणक्य के अनुसार यदि आपका कोई शत्रु है तो कमजोरियों का पता लगाकर कमजोर करो। शत्रु को नष्ट करने से पहले उसे हराना बहुत जरूरी है। चाणक्य का कहना था कि सच्चाई अक्सर कड़वी होती है, लेकिन यह हमेशा सही होती है, यदि हम सच्चाई को अपनाते हैं, तो जीवन में हमें कोई पछतावा नहीं होगा। आचार्य चाणक्य राष्ट्र शब्द को परिभाषित करते हुए कहते हैं कि राष्ट्र केवल किसी भूखंड मात्र नहीं होता। राष्ट्र संस्कृति, सभ्यता, परंपरा, भाषा, इतिहास इन पांचों विषयों का बोध होता है। उनके अनुसार देश में जन्मे प्रत्येक व्यक्ति को राष्ट्र निर्माण के प्रति समर्पण का भाव रखना ही सच्ची राष्ट्र सेवा है। अपने नीति सूत्रों के माध्यम से आचार्य चाणक्य ने तत्कालीन सुप्त जनमानस के पटल पर राष्ट्रीय स्वाभिमान एवं आत्मगौरव की भावना को जाग्रत किया। देश के आत्मगौरव और आत्मस्वाभिमान को सुदृढ़ एवं अखंड रखने के लिए अनिवार्य है राष्ट्र की एकता एवं संगठन। चाणक्य का विचार था कि 'राष्ट्रीय एकता राष्ट्र रूपी शरीर में आत्मा के समान है। जिस प्रकार आत्मा से हीन शरीर प्रयोजनहीन हो जाता है, उसी प्रकार राष्ट्र भी एकता एवं संगठन के अभाव में टूट जाता है।

ऐसे में आज हम सब का भी दायित्व बनता है कि समाज एवं राष्ट्र स्तर पर कहीं भी कुछ ऐसा घटित हो रहा है जो राष्ट्रहित में नहीं है तो एक सजग भारतीय की तरह उस पर मुखर हो। गलत देखकर चुप रह जाना भी किसी अपराध से कम नहीं होता। राष्ट्र-विरोध की स्थितियों से संघर्ष करना समय की जरूरत है। उनसे पलायन करने से राष्ट्रीयता सशक्त मजबूत नहीं हो सकती। महाभारत के शान्तिपर्व में लिखा गया है -

दुर्जनः परिहर्तव्यः विध्ययालंकृतोऽपि सन् ।
मणिना भूषितः सर्पः किमसो न भयंकरः।।

दुर्जन व्यक्ति यदि विद्या से भी अलंकृत हो फ़िर भी उसका छोड़ देना चाहिए। मणि से भूषित सांप क्या भयंकर नही होते?

-लेखक वरिष्ठ पत्रकार और स्तंभकार है। दो बार अकादमी सम्मान से भी सम्मानित हैं

आज का पंचांग

कोलकाता : 12 मई, सोमवार, 2025, विक्रम सम्वत् 2082, वैशाख शुक्लपक्ष पूर्णिमा, 22:25 तक, नक्षत्र : स्वाति, 06:10 तक, योग : वरीघा, 29:46 तक, सूर्योदय: 4:58, सूर्यास्त: 18:08, चन्द्रोदय : 17:58, चन्द्रास्त: 04:21, शक सम्वतः 1945 सुभाकृतु, सूर्य राशि : मेष, चन्द्र राशि : तुला, राहू काल : 06:39 से 08:17

राशिफल

मेष : कुल मिलाकर दिन: कल आपका दिन शानदार रहेगा। आपकी परिस्थितियां पहले से अनुकूल रहेंगी। व्यापारिक क्षेत्र में मेहनत से कल अधिक लाभ होगा। कोई महत्वपूर्ण काम पूरा होने के योग है।

वृष : कुल मिलाकर दिन: कल आपका दिन लाभदायक रहेगा। आपका कोई छुपा टैलेंट लोगों को पता चलेगी। आध्यात्मिक गतिविधियों में कुछ समय बीतने से मानसिक सुकून मिलेगा।

मिथुन : कुल मिलाकर दिन: कल आपका दिन उत्तम रहने वाला है। बिजनेस में काम करने के तरीको में बदलाव संबंधी नीतियों पर गंभीरता से विचार करेंगे। नई कार्य प्रणाली संबंधी योजनाएं सफल रहेंगी।

कर्क : कुल मिलाकर दिन: कल आपका दिन बढ़िया रहने वाला है। अधूरे कामों पर ज्यादा ध्यान देंगे। कार्यक्षेत्र में बदलाव करने की सोच रहे हैं तो वास्तु के नियमों का ध्यान रखेंगे।

सिंह : कुल मिलाकर दिन: कल आपका दिन मिला-जुला रहने वाला है। कार्यस्थल की अंदरूनी व्यवस्था को और बेहतर बनाने की जरूरत है। इससे काम करने के तरीको में सुधार होगा।

कन्या : कुल मिलाकर दिन: कल आपका दिन बेहतरीन रहेगा। किसी भी फोन कॉल को नजरअंदाज न करें। कोई विशेष सूचना मिल सकती है। करीबी इंसान की मदद करके आपको खुशी मिलेगी।

तुला : कुल मिलाकर दिन: कल आपका दिन अच्छा रहने वाला है। अपनी योजनाओं को व्यवस्थित करेंगे। इससे उन पर काम करने में मदद मिलेगी। कोई उपलब्धि भी मिल सकती है।

वृश्चिक : कुल मिलाकर दिन: कल आपका दिन अनुकूल रहने वाला है। बिजनेस के काम करने के तरीके का जिक्र दूसरे से न करें। नौकरी और बिजनेस में कोई भी महत्वपूर्ण फैसला आज न लें।

धनु : कुल मिलाकर दिन: कल आप महत्वपूर्ण कार्यों में व्यस्त रहेंगे। आज बातचीत करते समय ऐसे शब्दों का इस्तेमाल न करें जिससे बाद में पछताना पड़े। सोंचे हुए कार्यों में उनका इस्तेमाल करेंगे।

मकर : कुल मिलाकर दिन: कल आपका दिन बढ़िया रहेगा। बिजनेस में आसपास के लोगों से चल रही प्रतिस्पर्धा में सफलता के लिए और मेहनत की जरूरत है।

कुम्भ : कुल मिलाकर दिन: कल आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आपके काम समय मुताबिक पूरे होते जाएंगे। पूरे आत्मविश्वास से कोशिश करते रहें। वाहन खरीदने की योजना है तो दिन शुभ है।

मीन : कुल मिलाकर दिन: कल आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। फैशन डिजाइनर्स का दिन बेहतर रहेगा। कल कहीं रुका हुआ पैसा वापस मिलने से आर्थिक स्थिति बेहतर होगी।

विदेश की खबरें

शहबाज को ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका के साथ द्विपक्षीय संबंधों में फिर से मजबूती आने की उम्मीद

इस्लामाबाद : प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने रविवार को कहा कि पाकिस्तान को द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी को फिर से मजबूत करने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के रूप में एक नया नेता मिल गया है।

शहबाज ने कहा कि वह 'राष्ट्रपति ट्रंप के मार्गदर्शक नेतृत्व और वैश्विक शांति के प्रति उनकी प्रतिबद्धता तथा दक्षिण एशिया में स्थायी शांति लाने में बड़ी भूमिका निभाने के उनके बहुमूल्य प्रस्ताव के लिए अत्यंत आभारी हैं।' उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब कुछ घंटे पहले ही ट्रंप ने रविवार को 'संघर्षविराम' पर पहुंचने के लिए भारत और पाकिस्तान के 'मजबूत' नेतृत्व की प्रशंसा की थी और कश्मीर मुद्दे पर 'समाधान' के लिए उनके साथ मिलकर काम करने की पेशकश की। भारत ने हमेशा यह कहा है कि कश्मीर मुद्दा द्विपक्षीय मामला है और इसमें किसी तीसरे पक्ष के लिए कोई जगह नहीं है। शहबाज ने कहा कि पाकिस्तान और अमेरिका दशकों से साझेदार रहे हैं, जिन्होंने आपसी हितों की रक्षा और इन्हें बढ़ावा देने के साथ-साथ दुनिया के महत्वपूर्ण हिस्सों में शांति एवं सुरक्षा के लिए मिलकर काम किया है। शहबाज ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'मुझे विश्वास है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के रूप में, पाकिस्तान को एक बेहतरीन साझेदार मिला है जो हमारी रणनीतिक साझेदारी को फिर से मजबूत कर सकता है और न केवल व्यापार और निवेश में बल्कि सहयोग के अन्य सभी क्षेत्रों में पाकिस्तान-अमेरिका संबंधों को मजबूत कर सकता है।'

पुतिन ने यूक्रेन के सामने प्रत्यक्ष शांति वार्ताओं का प्रस्ताव रखा

मास्को/कीव : रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन के सामने 15 मई को तुर्किये के इस्तांबुल शहर में बिना किसी पूर्व शर्त के प्रत्यक्ष रूप से शांति वार्ता करने की पेशकश की, जिसका यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने स्वागत किया। हालांकि जेलेंस्की ने जोर देकर कहा कि रूस को पहले युद्ध विराम करना होगा। पुतिन ने कहा कि वार्ताओं का उद्देश्य संघर्ष की मूल जड़ को खत्म करना और दीर्घकालिक व टिकाऊ शांति कायम करने पर पहुंचना होगा। पुतिन ने एक संबोधन में कहा, हम तुरन्त वार्ता शुरू करना चाहेंगे, अगले बृहस्पतिवार, 15 मई को, इस्तांबुल में, जहां पहले वार्ताएं आयोजित की गई थीं और जहां उन्हें बाधित किया गया था। उन्होंने कहा कि बातचीत बिना किसी पूर्व शर्त के होनी चाहिए। पुतिन ने यह बात जर्मनी, फ्रांस, ब्रिटेन और पोलैंड के नेताओं के कीव में जेलेंस्की के साथ खड़े होने के कुछ ही घंटों बाद कही है। इन नेताओं ने पुतिन से सोमवार से शुरू होने वाले 30-दिवसीय युद्धविराम पर सहमत होने का आग्रह किया और ऐसा न करने पर बड़े प्रतिबंधों का सामना करने की चेतावनी दी। खबरों के अनुसार संघर्ष की मूल जड़ से पुतिन का मतलब रूस की विभिन्न शिकायतों से है, जिनमें उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) का विस्तार और यूक्रेन सेना शामिल है। पुतिन ने याद दिलाया कि यूक्रेन में रूस के विशेष सैन्य अभियान (एसएमओ) की शुरुआत के बाद, रूस और यूक्रेन के प्रतिनिधियों ने बेलारूस में कई दौर की वार्ता की थी और तुर्की की मदद से इस्तांबुल में आगे की वार्ता के बाद, उन्होंने 2022 में एक संयुक्त समझौते को अंतिम रूप दिया था। हालांकि, ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन की यात्रा के बाद, इस मसौदे को खारिज कर दिया गया। पुतिन ने इस बीच, 30 दिन के युद्धविराम की यूक्रेन की मांग को स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया है।

वर्ग पहेली नं. 3089

1			2	■	3		4	■	5
	■	■	6	7		■	8		
9		10	■	11		12	■	■	
	■	13			■		■	14	
15	16		■	■	17		18		■
■		■	19			■	20		21
22		23		■	24	25		■	
	■	26		27	■		■	28	
29			■	30			■	31	

बायें से दायें:- 1) करते की विद्या; तजरबा, 3) सामान्य, 6) मामूली, 8) आँख का कीचड़, 9) चित्ताकर्षक, 11) ध्वजा, 13) नहीं तो, 14) बिना तने का पौधा, 15) वंश; संतति, 17) रोशन होना, 19) अफ़गानिस्तान की राजधानी, 20) निकट, 22) लेखाजोखा, 24) एक पक्षी, 26) राई, 28) ऊँचा बना स्थान *(सभा के लिए)*, 29) उच्छिष्ट आहार, 30) झाँसा देना, 31) रस्सी *(संदर्भ: कृष्ण एक नाम)*; क़ीमत.

ऊपर से नीचे:- 1) सहमति; सिफ़ारिश; समर्थन, 2) चरबी, 3) प्रतिष्ठा; सम्मान; न्याययुक्तता, 4) एक फल, 5) चक्का जाम; कामबंदी, 7) आँकना; नापने का काम, 10) कौर, 12) स्थिर, 14) गुमनामी, 16) परिस्थिति; उत्कर्ष काल; अवधि, 17) प्रभुत्व, 18) न्यूनता, 19) बुज़दिल; डरपोक, 21) झंडा, 22) इच्छा, 23) बुरी आदत, 25) रुष्ट होना; फैलना, 27) सूखा अदरक, 28) धुँधला; धीमा.

(उत्तरः अगले अंक में)

पिछली पहेली का उत्तर

अ	न	मे	ल	■	सू	ति	का	गृ	ह
■	■	म	ट	क	ना	■	फ़ी	■	क
ह	टा	ना	■	ल	■	नि	■	ठे	ला
नु	■	■	उ	प	सं	हा	र	■	ह
मा	ह	ता	ब	■	त	य	■	त	ट
न	या	■	ल	स्सी	■	त	स	ल्ली	■
■	त	न	ना	■	क	■	प	न	स
दु	■	वी	■	स	ठि	या	ना	■	हे
आ	दा	न	प्र	दा	न	■	■	गो	ली

सुडोकू-पहेली-3046

							7	
9				5	4			
				2			8	
		5		4				
2		8			6			1
		3			8	6		
	4		1			8		6
	7						4	
6								3

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरना आवश्यक है। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।

••••

आड़ी और खड़ी में एवं 3-3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका ध्यान जरूर रखें।

सूडोकू पहेली - 3045 का उत्तर

2	5	6	3	4	9	7	8	1
7	4	3	1	5	8	9	2	6
1	9	8	6	7	2	3	4	5
4	3	5	2	8	7	1	6	9
8	1	9	5	6	3	4	7	2
6	2	7	4	9	1	8	5	3
3	6	4	8	1	5	2	9	7
9	8	2	7	3	6	5	1	4
5	7	1	9	2	4	6	3	8

भारत-पाक तनाव के बीच मुख्य सचिव ने नवान्न में की उच्च स्तरीय बैठक

बैठक में डीजी के अलावा डीएम, एसपी और पुलिस आयुक्त रहे उपस्थित, दिए कई निर्देश

कोलकाता, समाज्ञा : भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम चल रहा है। फिर भी युद्ध की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता। देश हर तरह से तैयार है। रविवार को पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव मनोज पंत ने जिला मजिस्ट्रेट, पुलिस अधीक्षक और पुलिस आयुक्तों के साथ बैठक की। बैठक में राज्य पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार उपस्थित थे। उन्होंने निर्देश दिए कि सीमावर्ती जिलों को सतर्क रखा जाए। प्राप्त होने वाली किसी भी सूचना को तत्काल डीजी कंट्रोल रूम को भेजा जाना चाहिए। क्लबों के माध्यम से अधिक संचार प्रणालियाँ विकसित करें। ताकि अधिक जानकारी हम तक पहुंच सके। सीमावर्ती जिलों से आने वाली सूचनाएं कई मामलों में झूठी भी हो सकती हैं। इस बारे में सावधान रहें। रविवार की बैठक में सीमावर्ती जिलों के जिलाधिकारियों को निगरानी बनाए रखने को कहा गया। आपदाओं से निपटने के लिए सभी प्रकार के उपाय किए जाने चाहिए। मुख्य सचिव ने रविवार सुबह 9 बजे से करीब एक घंटे तक यह बैठक की। बैठक में निर्णय लिया गया कि शीघ्र ही प्रत्येक जिले में लम्बी दूरी के सायरन तथा छोटी दूरी के सायरन लगाए जाएंगे। यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि प्रत्येक जिले में स्थापित नियंत्रण कक्षों में केवल प्रशिक्षित कर्मचारी ही काम करें। जिला मजिस्ट्रेट मुख्यालय के अलावा, कहां-कहां सायरन लगाए जाएंगे, इसका अध्ययन अंतिम चरण में है।बैठक में जिलाधिकारियों से कहा गया कि वे यह सुनिश्चित करें कि उनके पास तीन महीने का खाद्यान्न भंडार उपलब्ध रहे। बताया जा रहा है कि विभिन्न जिलों में सिविल डिफेंस कर्मियों को संख्या में तैनात रखा जाएगा। हमें सभी के साथ समन्वय बनाकर काम करना होगा।

मुख्यमंत्री ममता ने मातृ दिवस पर दी बधाई

कोलकाता, समाज्ञा : मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को सभी माताओं को मातृ दिवस की बधाई दी। उन्होंने कहा कि मां प्रेरणा, प्यार की मूर्त रही है और वह हमारे अस्तित्व में मौजूद है। अपनी दिवंगत मां के बेहद करीब रहीं ममता बनर्जी ने उन्हें याद किया श्रद्धांजलि दी। इस दिन, उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि मातृ दिवस पर मैं सभी माताओं को तहे दिल से सलाम करती हूं। उन्होंने कहा कि मां-दुनिया का सबसे प्यारा नाम। चाहे वह जन्म देने वाली मां हो या मातृभूमि- वह हमारी प्रेरणा, हमारा प्यार, हमारी अभिलाषा जुनून है। वह हमारे पूरे अस्तित्व में मौजूद है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैंने अपनी कई परियोजनाओं में अपनी मां को याद किया और उन्हें श्रद्धांजलि दी। मां-धरती-मानुष' की शुरुआत मेरी मां से हुई है। ममता बनर्जी ने कहा कि उन्होंने अपने लिखे कई गीतों और कविताओं में माताओं का सम्मान किया है। मुख्यमंत्री ने अपने पोस्ट में ऐसे ही एक गीत की कुछ पंक्तियां साझा कीं।

सुप्रीम कोर्ट में डीए मामले की सुनवाई के लिए फिर बदली बेंच, बुधवार को सुनवाई

कोलकाता, समाज्ञा : डीए मामले में फिर बेंच बदली गई। सुप्रीम कोर्ट में इस मामले की बेंच बदल दी गई है। इस बार मामला जस्टिस संजय करोल और मनोज मिश्रा की बेंच के पास गया। मामले की सुनवाई न्यायाधीश विक्रम नाथ, न्यायाधीश संजय करोल और न्यायाधीश संदीप मेहता की पीठ द्वारा की जानी थी। सुप्रीम कोर्ट में इस मामले की सुनवाई 14 मई को होगी। यह मामला नवंबर 2022 से 30 महीने से लंबित है। राज्य को सैट और हाईकोर्ट के फैसले के अनुपालन में लगभग 41,000 करोड़ रुपए का भुगतान करना होगा। पिछले दो वर्षों में इस राशि में और वृद्धि होने की उम्मीद है। इस पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होगी। डीए मामले पर सुप्रीम कोर्ट में सात मई को सुनवाई होनी थी। लेकिन राज्य सरकार के कर्मचारियों के महंगाई भत्ते (डीए) मामले की सुनवाई टल गई है। अगली सुनवाई 14 मई को है। स्वाभाविक रूप से, सुनवाई स्थगित होने से श्रमिक निराश थे। 7 मई को राज्य के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने न्यायाधीश विक्रम नाथ की पीठ से कहा कि एक अन्य मामले में उनकी उपस्थिति बहुत जरूरी है। इसलिए सुनवाई स्थगित कर दी जानी चाहिए। उन्होंने जुलाई में सुनवाई की मांग की। प्रदर्शनकारियों के वकील विकास रंजन भट्टाचार्य ने इस आवेदन का कड़ा विरोध किया। उनका दावा है कि इस मामले की सुनवाई 16 बार स्थगित हो चुकी है। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद सुनवाई 14 मई तक स्थगित कर दी गई।

स्वरूपनगर में जूट खेत में महिला से दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा : जूट का काम कर रही महिला को अकेली पाकर उसका दुष्कर्म किया गया। शारीरिक दुर्व्यवहार के कारण बीमार पड़ने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना बशीरहाट के स्वरूपनगर थाना क्षेत्र में घटी। पुलिस थाने में शिकायत दर्ज करा दी गई है। परिवार ने आरोपियों को सजा देने की मांग की है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, 32 वर्षीय पीड़िता शनिवार सुबह जूट की कटाई के लिए काम पर गई थी। वह जूट प्रेसिंग का काम कर रहा था। आरोपी 43 वर्षीय अमीरुल गाजी उस समय जमीन पर मौजूद था। आरोपी पेशे से किसान है। कथित तौर पर, अमीरुल ने काम करते समय महिला को अकेला पाया और उसे जूट के खेत के अंदर ले गया। आरोप है कि वहां महिला के साथ बलात्कार किया गया। आरोपी पीड़िता को खेत में छोड़कर भाग गए। पीड़िता किसी तरह वहां से घर लौटी और बीमार पड़ गई। फिर उसने अपने पिता को इसके बारे में बताया। इसके बाद उन्हें बशीरहाट अस्प-ताल ले जाया गया। स्वरूपनगर पुलिस स्टेशन में अमीरुल के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस ने शिकायत मिलने के बाद जांच शुरू की। पुलिस ने आरोपी अमीरुल गाजी को रात में उसके गृह क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस रविवार को अमीरुल को अदालत में पेश करेगी और उसकी हिरासत की मांग करेगी। घटना की जांच शुरू कर दी गई है।

चीनी दवाओं पर 'मेक इन इंडिया' का टैग! फेडरेशन ने केंद्र पर साधा निशाना

कोलकाता, समाज्ञा : विभिन्न दवा कंपनियों के अधिकांश 'सक्रिय उत्पाद' भारत में निर्मित किए जा रहे हैं, कथित तौर पर जिसे केंद्र सरकार 'मेक इन इंडिया' के रूप में बढ़ावा दे रही है। आरोप लगाया जा चीनी दवाओं पर 'मेक इन इंडिया' का टैग लगाया जा रहा है। यह आरोप फेडरेशन ऑफ मेडिकल एंड सेल्स रिप्रेजेंटेटिव्स एसोसिएशन के महासचिव पार्थ रक्षित ने पश्चिम बंगाल मेडिकल एंड सेल्स रिप्रेजेंटेटिव्स यूनियन की बैठक में उठाया। इसके अलावा, 748 आवश्यक दवाओं की कीमत वृद्धि पर भी चिंता व्यक्त की गई है। इस मूल्य वृद्धि को केंद्र सरकार की एजेंसी, राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण द्वारा मंजूरी दे दी गई है।

इससे आम लोगों को खतरा पैदा हो गया है, खासकर तब जब बाजार पर कोई प्रभावी नियंत्रण नहीं है। पश्चिम बंगाल मेडिकल एवं सेल्स रिप्रेजेंटेटिव्स यूनियन के सदस्यों ने आरोप लगाया है कि केंद्र सरकार की कॉरपोरेट-हितैषी नीतियों के कारण सरकारी दवा कंपनियां कमजोर हो गई हैं। उदाहरण के लिए, बंगाल केमिकल अब केवल नेफ़थलीन और फिनाइल बनाती है। कोविड के बाद से निजी कंपनियों ने दवा बाजार में एकाधिकार बना लिया है। यहां तक कि केंद्र सरकार ने निजी कंपनियों को दवाओं की कीमतें बढ़ाने की अनुमति दे दी है। दूसरी ओर, सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद डॉक्टरों से केवल जेनेरिक दवाएं लिखने को कहा जा रहा है, जिनके सस्ती होने का वादा किया जाता है। हालांकि, केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन द्वारा प्रकाशित गुणवत्ता परीक्षणों में विफल रहीं अधिकांश दवाएं जेनेरिक हैं, जिससे गुणवत्ता पर सवाल उठते हैं। यह भी आरोप लगाए गए हैं कि भारतीय औषधि एवं चिकित्सा उपकरण ब्यूरो एक के बाद एक घटिया गुणवत्ता वाली दवाएं बनाने वाली कंपनियों को ठेके दे रहा है।

टेंगरा की युवती की नशा मुक्ति केंद्र में रहस्यमयी मौत से मचा हड़कंप

कोलकाता/हुगली, समाज्ञा : हुगली जिले के उत्तरपाड़ा में एक नशा मुक्ति केंद्र में कोलकाता के टेंगरा निवासी एक युवती की रहस्यमयी मौत से हड़कंप मच गया है। मामले पर पुलिस ने बताया कि फिलहाल मृत युवती सलोनी राणा (19) के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। मामले की पुलिस जांच कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार, उत्तरपाड़ा के मखला इलाके के वार्ड 21, साहेब बागान में एक नशा मुक्ति केंद्र है। शुक्रवार को वहां एक उक्त युवती की मौत हो गई। मृतका सलोनी राणा को एक वर्ष पूर्व इस नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती कराया गया था। युवती के परिवार का आरोप है कि शुक्रवार को उन्हें फोन आया कि खाना खाते समय गले में खाना फंस जाने से उनकी बेटी की मौत हो गई है। मृतका के परिजनों का आरोप है कि होम्योपैथिक डॉक्टर को बुलाकर पुलिस को सूचित किए बिना ही मृत्यु प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया। खबर मिलते ही पुलिस में हड़कंप मच गया। पुलिस अधिकारी तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि युवती के शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा। मामले पर रविवार को उत्त-रपाड़ा नगरपालिका के चेयरमैन दिलीप यादव ने कहा कि किसी भी अप्राकृतिक मौत के मामले में प्रशासनिक नियमों के अनुसार शव परीक्षण किया जाएगा। नगरपालिका किसी भी व्यसन मुक्ति केन्द्र को मंजूरी नहीं दी है। उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य में ऐसी शिकायत मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

चिलचिलाती गर्मी के कारण शहर कोलकाता में लोगों का हाल बेहाल

सोनारपुर में सहकारिता चुनाव में तृणमूल की निर्विरोध जीत, विपक्ष मैदान से नदारद

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य में आगामी वर्ष होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले दक्षिण 24 परगना के सोनारपुर उत्तर विधानसभा क्षेत्र में तृणमूल कांग्रेस ने सहकारिता चुनाव में बड़ी सफलता दर्ज की है। इस क्षेत्र के तीन सहकारी बैंकों में से दो- बोड़ाल को-ऑपरेटिव बैंक और गड़िया स्थित संहति को-ऑपरेटिव क्रेडिट सोसाइटी लिमिटेड-में तृणमूल के सभी उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए। इन दोनों संस्थानों पर पूर्व में वामपंथी दलों का प्रभाव था, किंतु इस बार विपक्ष, यहां तक कि वामपंथी भी नामांकन दाखिल नहीं कर सके। रविवार को संहति को-ऑपरेटिव सोसाइटी में 79 पदों के लिए मतदान प्रस्तावित था, लेकिन एक भी विरोधी उम्मीदवार न होने के कारण चुनाव की आवश्यकता ही नहीं पड़ी। अब आगामी 40 दिनों के भीतर इस संस्था में नया बोर्ड गठित किया जाएगा, जिसमें दो महिलाओं सहित कुल 15 सदस्य होंगे। विजयी उम्मीदवारों को आज औपचारिक रूप से प्रमाण पत्र सौंपे गए। इस अवसर पर राजपुर-सोनारपुर नगर निगम के वार्ड 1 से 6 तक के पार्षद, चेयरमैन काउंसिल नजरुल अली मंडल और जिला सहकारिता विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी उप-स्थित रहे।

हिरासत में लिए गए बीएसएफ कांस्टेबल की पत्नी ने मुख्यमंत्री ममता से मुलाकात की मांग की

कोलकाता/हुगली, समाज्ञा : पाकिस्तान रेंजर्स द्वारा पकड़े गए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) कांस्टेबल पूर्णम कुमार साहू की पत्नी रजनी साहू ने रविवार को कहा कि उन्होंने पति की रिहाई में हस्तक्षेप की अपील करने के लिए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से मुलाकात की मांग की है। रजनी ने उम्मीद जताई कि ममता के इसमें शामिल होने से प्रक्रिया में तेजी आ सकती है। इस दिन, रजनी ने एक स्थानीय समाचार चैनल से कहा कि मैंने ममता बनर्जी से एक संक्षिप्त मुलाकात की मांग की है। वह मुख्यमंत्री और एक प्रभावशाली नेता हैं, इसलिए उनके हस्तक्षेप से मामला तेजी से सुलझ सकता है। उन्होंने कहा कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच जमीन, हवा और समुद्र पर सभी तरह की गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई रोकने के लिए बनी सहमति के बाद बीएसएफ अधिकारियों से बात की थी, लेकिन उन्हें कोई ठोस जानकारी नहीं मिली। रजनी ने कहा कि उन्होंने (बीएसएफ अधिकारियों ने) मुझे आश्वासन दिया, लेकिन उनके जवाब में कुछ भी नया नहीं है। बीएसएफ जवान की पत्नी ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि उनके पति को एक पाकिस्तानी रेंजर के साथ संभावित अदला-बदली के जरिए वापस लाया जा सकता है जिसे तीन मई को राजस्थान में भारतीय बलों ने पकड़ा था।

युद्धविराम के बाद बीएसएफ जवान की वापसी के लिए कल्याण बनर्जी ने केंद्र से दबाव डालने का किया आग्रह

हुगली, समाज्ञा : भारत-पाकिस्तान सीमा पर दोनों देशों में युद्धविराम के बाद अब तृणमूल कांग्रेस के लोकसभा सांसद कल्याण बनर्जी ने पाक रेंजर्स के कब्जे में फंसे हुगली जिला निवासी बीएसएफ जवान पूर्णम कुमार साव की शीघ्र वापसी की मांग करते हुए केंद्र से पड़ोसी देश पर दबाव बनाने का अनुरोध किया है। शनिवार की शाम दोनों देशों में युद्धविराम की घोषणा के तुरंत बाद एक फेसबुक पोस्ट में हुगली के श्रीरामपुर से वरिष्ठ सांसद व वकील कल्याण बनर्जी ने स्पष्ट कहा कि अब कोई विचार या योजना नहीं सुनी जाएगी। अब हमें हमारा जवान वापस चाहिए। उन्होंने मांग की कि केंद्र सरकार पाकिस्तान पर इसके लिए दबाव बनाए, ताकि जवान की शीघ्र वापसी सुनिश्चित हो।

तीन दिन से लापता युवक का शव ईंट भट्ठे से बरामद, हत्या की आशंका

हावड़ा, समाज्ञा : हावड़ा जिले के उलुबेड़िया थानांतर्गत इलाके में तीन दिन से लापता एक युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गयी। युवक का शव रविवार की सुबह एक ईंट के भट्ठे से बरामद किया गया। मृतक की पहचान प्रदीप मंडल (25) के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार, प्रदीप मंडल तीन दिन पहले से लापता था। उसकी मां का पहले ही निधन हो चुका है और पिता मानसिक रूप से अस्वस्थ हैं, जिसके कारण परिवार की ओर से गुमशुदगी की कोई रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई गई थी। प्रदीप पास के ही एक ईंट भट्ठे में काम करता था, लेकिन वहां भी वह पिछले कुछ दिनों से नहीं दिखा। रविवार को गरचुमुक फाड़ी के अंतर्गत एक अन्य ईंट भट्ठे में काम कर रहे मजदूरों ने देखा कि एक कुत्ता

किसी चीज को खींचने की कोशिश कर रहा है। पास जाकर देखने पर मिट्टी के नीचे से एक मानव का पैर बाहर निकला हुआ मिला। श्यामपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मिट्टी हटाकर शव को बाहर निकाला। शव काफी सड़ चुका था, जिससे पुलिस को आशंका है कि उसकी मौत कई दिन पहले ही हो चुकी थी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल, सभी पहलुओं से जांच जारी है।

कैनिंग में मध्यस्थता बैठक में मिर्ची पाउडर से हमला, सात घायल

कोलकाता, समाज्ञा : एक पालतू बकरी द्वारा पेड़ की पत्तियां खा लेने की मामूली घटना ने दो पक्षों के बीच इतनी तीखी तकरार पैदा कर दी कि पंचायत में बुलाई गई बैठक हिंसक झड़प में बदल गई। यह मामला कैनिंग थाना क्षेत्र के डाढ़ियार रोनिया गांव का है, जहां शनिवार रात विवाद के निपटारे के लिए आयोजित सालिश सभा (स्थानीय पंचायत) में जमकर मारपीट हुई। आरोप है कि इस दौरान एक पक्ष ने दूसरे पक्ष के लोगों की आंखों में मिर्ची पाउडर झोंक दिया, जिससे दोनों तरफ के सात लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, विवाद की शुरुआत तब हुई जब एक परिवार की बकरी पड़ोसी

के खेत में लगे जामरूल के एक नवोदित पेड़ को खा गई। इस पर शुरू हुआ विवाद जल्द ही गरमा गया और दोनों पक्षों ने पंचायत की मदद से समाधान की कोशिश की। लेकिन पंचायत बैठक के दौरान आरोप-प्रत्यारोप बढ़ते चले गए और मामला हाथापाई में बदल गया। झगड़े के दौरान सौरभ, सुल्तान, अब्दुल्ला, हाफिजुल माली, याजुद्दीन माली और सुजाउद्दीन माली को गंभीर चोटें आईं। कुछ लोगों पर मिर्ची पाउडर आंखों में डालने का आरोप है, वहीं दूसरे पक्ष का दावा है कि उन्हें लोहे की रॉड और लाठी से पीटा गया। स्थानीय निवासियों ने हस्तक्षेप कर किसी तरह विवाद को शांत किया और सभी घायलों को कैनिंग महकमा अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। कुछ घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है। दोनों पक्षों ने थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है और पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। इस घटना ने स्थानीय प्रशासन और पुलिस की भूमिका पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

भारत-पाक के तनावपूर्ण माहौल के बीच सोशल मीडिया पर उकसाने वाला पोस्ट, युवक गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा : भारत-पाक तनावपूर्ण हालात के बीच सोशल मीडिया पर उकसाने वाला पोस्ट करना एक युवक को महंगा पड़ गया। यह घटना उत्तर 24 परगना जिले के आमडांगा थाना क्षेत्र की है, जहां खेड़िया गांव निवासी युवक ने भारत-पाक संघर्ष से जुड़े संवेदनशील मुद्दों पर सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट किए। आरोप है कि युवक ने पाकिस्तान के विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से तस्वीरें और वीडियो एकत्र कर अपने प्रोफाइल पर साझा किए, जिससे क्षेत्र में असामाजिक तनाव फैलने की आशंका थी। जब स्थानीय लोगों और परिचितों ने उसे चेताया, तो उसने किसी की बात नहीं मानी।

मामले की गंभीरता को देखते हुए आमडांगा पुलिस ने स्वतः संज्ञान लेते हुए कार्रवाई शुरू की और शनिवार रात विभिन्न इलाकों में तलाशी अभियान चलाकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। युवक का मोबाइल जब्त कर लिया गया है और उस पर डिजिटल साक्ष्यों की जांच की जा रही है। रविवार को आरोपी को बारासात न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस मामले की विस्तृत जांच में जुटी हुई है।

चुंचुड़ा में पति ने पत्नी की बेरहमी से हत्या, पति गिरफ्तार

हुगली, समाज्ञा : देश भर में चल रहे भारत पकिस्तान तनाव के बीच चुंचुड़ा में हत्या का दिल दहला देने वाला एक मामला सामने आया है। आरोप है कि काम पर गई पत्नी को पति ने फोन कर घर बुलाया फिर उसकी बेदर्दी से हत्या कर दी। मौत से पहले पत्नी ने अपने बेटे को हत्या का राज बताया। यह सनसनीखेज घटना कोडालिया ग्राम पंचायत क्रमांक 1 के प्रियनगर दक्षिण इलाके में घटी। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, मृतका का नाम झरना घोष (58) है। आरोपी पति की दूसरी पत्नी है। हत्यारोपी पति का नाम उज्ज्वल शील (65) है। इस घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। पारिवारिक एवं स्थानीय सूत्रों के अनुसार, झरना देवी अपने पति के साथ करीब तीन साल से किराए के मकान में रह रही

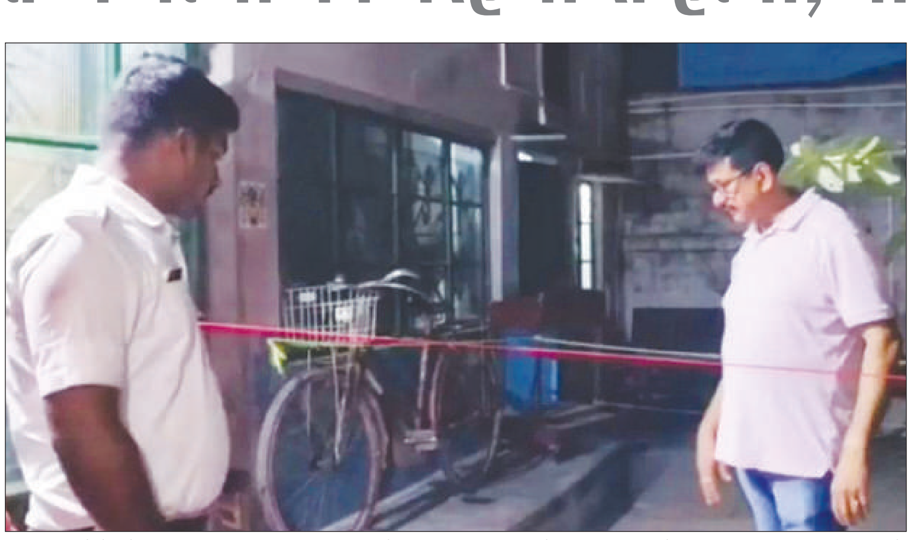

थी। वह पेशे से आया का काम करती थी। परिवार चलाने के लिए उन्होंने आया का काम किया। मकान मालिक ने बताया कि रात में जब उज्ज्वल शील की अचानक तबियत खराब हुई तो उन्होंने झरना देवी को मामले की जानकारी दी। काम से लौटने के बाद वह अपने पति को ढूंढने के लिए घर में घुसी। कथित तौर पर, उज्ज्वल ने तुरंत एक धारदार हथियार लेकर उस पर हमला कर दिया। इसके बाद, वह लगातार उसपर वार करते गया। लहूलुहान हालत में झरना देवी ने अपने पूर्व पति के बेटे को फोन पर बताया कि उनके दूसरे पति ने चाकू मार दिया। इसके बाद, परिजन घटनास्थल पर पहुंचे तो भयावह दृश्य देखा स्तब्ध रह गए। तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी। चुंचुड़ा थाने की पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और झरना देवी को गंभीर हालत में चुंचुड़ा सदर इमामबाड़ा अस्पताल ले गई, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। इस घटना से क्षेत्र में अत्यधिक भय और शोक का माहौल व्याप्त हो गया है।

www.samagya.in
समाज्ञा
NEWS PAPER ADVERTISING SOLUTION
• MATRIMONIAL • EDUCATION • OBITUARY
• PROPERTY • NAME CHANGE • REMEMBRANCE
• RECRUITMENT • PUBLIC NOTICE • DISPLAY
TO AD IN SAMAGYA PLEASE CONTACT
samagyaadvt@gmail.com | samagya.in
81, Chintamani Dey Road, Howrah 711 101, Mobile: 70444 44522

तृणमूल शिक्षक संगठन की सदस्यता हुई दोगुनी, वेबकूपा की भी बढ़ी शक्ति

कोलकाता, समाज्ञा : तृणमूल शिक्षक संगठन के सदस्यों की संख्या में अचानक भारी वृद्धि हो गई। पिछले वर्ष की तुलना में 60 से 120 प्रतिशत हो गई। यह वृद्धि न केवल प्राथमिक और माध्यमिक स्तर के संगठनों में है, बल्कि प्राध्यापकीय संगठनों में भी है। प्रोफेसर संगठन वेबकूपर के पिछले वर्ष 4,834 सदस्य थे, जबकि इस वर्ष इसकी संख्या 7,500 से अधिक है। यानि 60 प्रतिशत से भी अधिक। दो वर्ष पहले माध्यमिक शिक्षक संगठन में 26,000 से अधिक सदस्य थे, और अब इनकी संख्या 50,000 हो गयी है। इस समय प्राथमिक शिक्षक संगठन के सदस्यों की संख्या 36,000 से कुछ अधिक है। दावा किया गया है कि पिछले वर्ष यह संख्या दोगुनी से भी अधिक हो गई। यानी इस मामले में 120 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है। जो कि आंक को लुभाने वाला है। जमीनी स्तर के शिक्षक संगठन के नेता स्वाभाविक रूप से इस जानकारी से खुश हैं।

शिक्षा मंत्री ब्रात्य तृणमूल शिक्षा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष भी हैं। उनके नेतृत्व में वेबकूपर की नवनिर्वाचित राज्य समिति के अंतर्गत 35 जिला समितियां तथा 22 विश्वविद्यालय समितियां पहले ही गठित की जा चुकी हैं। वेबकूपा के प्रदेश अध्यक्षों में से एक प्रोफेसर सलीम बॉक्स मंडल ने बताया कि नव निर्वाचित समिति के गठन के बाद वेबकूपर के सदस्यों की संख्या पहाड़ से लेकर समुद्र तक बढ़ गई है। अप्रैल में संगठन की वेबसाइट के उद्घाटन के बाद से सदस्यों की संख्या में तेजी से वृद्धि हो रही है। राज्य के हर कॉलेज और विश्वविद्यालय से शिक्षक वेबकूपर से जुड़ रहे हैं। दो-तीन जिलों को छोड़कर सभी जिलों में सदस्यता बढ़ रही है। सदस्यों के नवीनीकरण का काम अभी भी जारी है। उनका दावा है कि काम पूरा होने के बाद वेबकूपर के सदस्यों की संख्या में और वृद्धि होगी।

साथ ही, जमीनी स्तर के माध्यमिक और प्राथमिक स्तर के शिक्षक संगठनों की सदस्यता में भी वृद्धि हुई है। बीरभूम, पूर्वी बर्दवान, मालदा और जलपाईगुड़ी सहित कई जिलों से सदस्यों की संख्या बढ़ रही है। राज्य तृणमूल माध्यमिक शिक्षक संघ का दावा है कि वर्तमान में उसके लगभग 50,000 सदस्य हैं। दो साल पहले यह संख्या 26,000 से थोड़ी अधिक थी। इस बीच, पश्चिम बंगाल तृणमूल प्राथमिक शिक्षक संघ की वर्तमान सदस्यता लगभग 80,000 होने का दावा किया जाता है।

मुर्शिदाबाद में दिखा रहस्यमयी ड्रोन, बीएसएफ ने किया जब्त

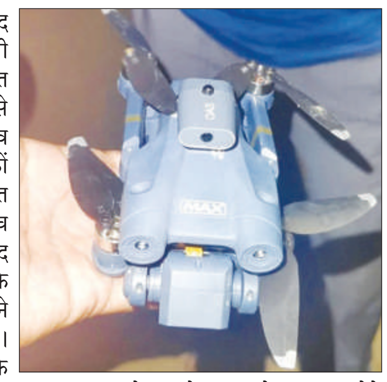

मुर्शिदाबाद : मुर्शिदाबाद के आसमान में रहस्यमयी ड्रोन! यह ड्रोन शनिवार रात भारत-बांग्लादेश सीमा से सटे दुर्गापुर-बरोजडीही गांव में मिला। इसे सीमा रक्षकों ने जब्त कर लिया। भारत और पाकिस्तान के बीच अशांति के बीच, मुर्शिदाबाद में भारत-बांग्लादेश सीमा के पास एक गांव में ड्रोन मिलने से हड़कम्प मचा हुआ है। स्थानीय व पुलिस सूत्रों के अनुसार, शनिवार की रात शमशेरगंज थाना अंतर्गत निमटीटा ग्राम पंचायत के दुर्गापुर-बरोजडीही गांव में एक खेत के पास कुछ युवक बैठकर बातचीत कर रहे थे। उसी समय पलाश नाम के एक व्यक्ति ने मकई के खेत के पास एक ड्रोन देखा। मालिक न मिलने पर पलाश उसे अपने घर ले गया। ड्रोन बरामद होने की खबर फैलते ही इलाके में उत्साह फैल गया। खबर मिलते ही पुलिस, बीएसएफ और स्थानीय पंचायत सदस्य घटनास्थल पर पहुंचे। बीएसएफ अधिकारी शिविर से आए और ड्रोन को परीक्षण के लिए ले गए।

पानी की पाइपलाइन बिछाने को लेकर झगड़ा, 12 लोग पहुंचे अस्पताल

बर्दवान : 'सजोलधारा परियोजना' पाइपलाइन बिछाने को लेकर दो पड़ोसियों के बीच हुए विवाद में 12 लोग घायल हो गए। दोनों पक्षों के 12 लोगों को लहूलुहान हालत में जमालपुर अस्पताल लाया गया। यह घटना पूर्वी बर्दवान के जमालपुर के परतोल 2 ग्राम पंचायत के श्रीमानपुर से सटे इलाके में घटी। रविवार की सुबह 'सजल धारा परियोजना' के लिए पाइपलाइन हटाने को लेकर दो पड़ोसी परिवारों के बीच झगड़ा हो गया। इसमें दो परिवारों के 12 सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें बाद में शामिल थे। घटना के बाद घायलों को पहले जमालपुर प्रखंड प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। दोनों पक्षों ने कहा कि जमालपुर अस्पताल में इलाज कराने के बाद वे जमालपुर थाने में जाकर शिकायत दर्ज कराएंगे।

विवाद सुलझाने पहुंचे तृणमूल पंचायत सदस्य पर हमला, शिकायत दर्ज

कोलकाता, समाज्ञा : चावल सुखाने को लेकर दो परिवारों के बीच विवाद हो गया। कथित तौर पर, विवाद को रोकने की कोशिश करते समय तृणमूल पंचायत सदस्यों पर हमला किया गया। कथित तौर पर, उसे बुरी तरह पीटा गया और यौन उत्पीड़न किया गया। पीड़ित पंचायत सदस्य ने थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। सनसनीखेज घटना उत्तर 24 परगना के बनगांव के गाईघाटा इलाके में घटी। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि रविवार सुबह गायघाटा में दो परिवारों के बीच चावल सुखाने को लेकर विवाद हो गया। निखिल पाल, शुभंकर पाल और दीपांकर पाल तीन भाइयों के बीच विवाद था। स्थानीय तृणमूल पंचायत सदस्य विवाद सुलझाने गए। कथित तौर पर, तीनों भाइयों ने आपस में बहस करना बंद कर दिया और उसकी ओर दौड़ पड़े। इतना ही नहीं, आरोप है कि महिला को जमीन पर पटककर उसके बालों की लटों से बुरी तरह पीटा गया। यह भी आरोप है कि छेड़छाड़ की गई। स्थानीय लोगों ने वहां जाकर महिला को बचाया। इस घटना से हड़कंप मच गया है। आरोपी के खिलाफ गायघाटा थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई गई है। इस संबंध में स्थानीय पंचायत में भी शिकायत दर्ज कराई गई है। हालांकि, आरोपियों ने हमले से इनकार किया है। प्रतिवाद यह है कि पंचायत सदस्यों ने उनकी पिटाई की। तीनों भाइयों ने भी पंचायत में इसी तरह की शिकायत दर्ज कराई।

मल्लारपुर में खेत पर लटके हाईटेंशन तार की चपेट में आकर दो लोगों की मौत, भड़के स्थानीय लोग

बीरभूम : दो व्यक्ति चावल काटने की मशीन लेकर खेत पर जा रहे थे। उस खेत के ऊपर से 11,000 वोल्ट का हाई-टेंशन तार गुजर रहा था। वे अनजाने में बिजली लाइन के संपर्क में आ गए। एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। दूसरे की अस्पताल में मृत्यु हो गई। यह दुखद घटना बीरभूम के मल्लारपुर थाना अंतर्गत रुकुनपुर इलाके में घटी। इस घटना से क्षेत्र में शोक की छाया छा गई है। बताया जा रहा है कि रविवार को सुबह करीब साढ़े दस बजे धान की कटाई के लिए एक हार्वेस्टिंग मशीन खेत में लाई गई थी। मशीन को एक ट्रैक्टर से जोड़कर सड़क से ज़मीन पर उतारा जा रहा था। उस मशीन पर एक व्यक्ति बैठा था। उस खेत के ऊपर से 11,000 वोल्ट का हाईटेंशन तार गुजरा था। किसी तरह मशीन लटकते तार के संपर्क में आ गई। वह व्यक्ति तुरंत बिजली के झटके से मर गया। जलने के बाद पूरा शरीर काला पड़ गया था। उस आदमी की मौके पर ही मौत हो गई। उसे बचाने की कोशिश में चालक भी बिजली के झटके से झुलस गया। जैसे ही घटना की जानकारी मिली, स्थानीय लोग वहां उमड़ पड़े। वह मशीन, यानि ट्रैक्टर, हाई-टेंशन तारों के संपर्क में है। परिणामस्वरूप, वहां कोई भी आगे नहीं बढ़ सका। बिजली विभाग, पुलिस और अग्निशमन विभाग को सूचित किया गया। मल्लारपुर पुलिस स्टेशन से पुलिस और अग्निशमन कर्मी तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। स्थानीय लोगों की शिकायत है कि बिजली विभाग के कर्मचारी देर से आते हैं। बाद में शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। दूसरे व्यक्ति को बचा लिया गया और अस्पताल भेज दिया गया। बताया गया कि बाद में उनकी भी मृत्यु हो गई। आज दोपहर तक दोनों व्यक्तियों की पहचान ज्ञात नहीं हो सकी थी। वह तार इतने लंबे समय से खतरनाक तरीके से क्यों लटक रहा है? यह प्रश्न भी उठ खड़ा हुआ है।

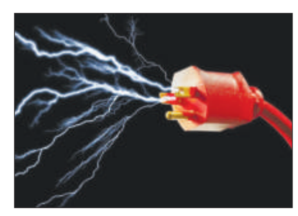

कलकत्ता ब्वॉयज स्कूल में तीन दिवसीय त्रिभाषीय उत्सव 'लिंगुआ फिएस्टा-2025' सम्पन्न

✒ कविता-पाठ, वाद-विवाद, भाषण, प्रश्नोत्तरी इत्यादि प्रतियोगिताओं का आयोजन

कोलकाता, समाज्ञा : कलकत्ता ब्वॉयज स्कूल में विगत 7, 8, 9 मई को 'लिंगुआ फिएस्टा' नाम से तीन दिवसीय भाषा उत्त्सव मनाया गया। अंग्रेजी, हिंदी एवं बांग्ला भाषा में कविता-पाठ, वाद-विवाद, भाषण,प्रश्नोत्तरी इत्यादि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें स्कूल के चार सदन(थोबर्न,वार्न, हेंडर्सन एवं लेडलॉ) के सदस्यों ने 'लिंगुआ फिएस्टा' ट्रॉफी के लिए साहित्यिक कार्यक्रमों में बढ़-चढ़ कर अंश ग्रहण किये। इन प्रतियोगिताओं के मूल्यांकन हेतु निर्णायक मंडली में राज्य के जानेमाने शिक्षक ,लेखक ,कवि, उद्घोषक,प्रोफेसर, सह साहित्यिक जगत के अन्य हस्तियों की मौजूदगी से यह उत्त्सव, महोत्त्सव में परिणित हो गया। मुख्य अथिति के तौर पर जोगेश चन्द्र चौधरी कॉलेज की हिंदी विभागाध्यक्षा प्रो. डॉ. एकता हेला उपस्थित थीं। उन्होंने त्रिभाषा सूत्र की महत्ता को प्रतिपादित करते हुए विद्यार्थियों की प्रस्तुति को काफी सराहा। अंग्रेजी काव्य पाठ एवं वाद विवाद प्रतियोगिता के लिए अनीता रॉय एवं एस. विश्वास , बांग्ला काव्य पाठ एवं वाद विवाद प्रतियोगिता के लिए प्रसून दास,तापस चौधरी,हिंदी काव्य पाठ एवं संभाषण प्रतियोगिता के लिए कविता कोठारी, संदीप सिंह, लिली मिश्रा, जगतानंद पांडेय उपस्थित थे।

सन 2007 से 'लिंगुआ फिएस्टा' अर्थात भाषा उत्त्सव अपने संस्थापक, संरक्षक एवं कलकत्ता ब्वॉयज स्कूल के प्रधानाचार्य एवं सचिव राजा मैगी के कुशल नेतृत्व में नित नए कीर्तिमान स्थापित करता हुआ त्रिभाषा सूत्र की महत्ता को स्वर्णाक्षरों में अंकित कर रहा है। पूरे राज्य भर में ये अपने आप में विद्यालयी स्तर पर एक अनूठा त्रिभाषीय कार्यक्रम है। इस उत्त्सव का मूल उद्धेश्य शिक्षार्थियों में त्रिभाषा के प्रति प्रेम एवं महत्ता को प्रतिपादित करने के साथ-साथ भाषा के चार कौशल(श्रवण, वाचन ,पठन एवं लेखन)की बारीकियों से अवगत कराना भी है। आज का समय खिचड़ी भाषा एवं वाट्सअप्पिया भाषा का है। ऐसे समय में इस प्रकार के कार्यक्रमों की महत्ता बढ़ जाती है। जहाँ शुद्ध,सुनने ,बोलने ,लिखने एवं पढ़ने पर जोर दिया जाता है। इस भाषा उत्त्सव 'लिंगुआ फिएस्टा' के मंच से एक ही सन्देश समाज को जाता है कि हमें त्रिभाषा सूत्र को भूलना नहीं चाहिए साथ ही हमें तीनों भाषाओं में दक्षता हासिल करनी होगी।

9 मई को कवि गुरु रबींद्र नाथ ठाकुर की जयंती भी मनाई मनाई गई। इस अवसर पर कलकत्ता ब्वॉयज स्कूल के प्रधानाचार्य एवं सचिव राजा मैगी ने कवि गुरु रवींद्रनाथ ठाकुर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कवि गुरु से हमें यह सीख मिलती है कि हमें अपने भीतर की शक्ति एवं प्रतिभा को पहचान कर उसे निखारना चाहिए। भाषा उत्त्सव 'लिंगुआ फिएस्टा-2025' की कामयाबी का श्रेय कलकत्ता बॉयज स्कूल के तीनों विभाग (अंग्रेज़ी, हिंदी एवं बंगला) के शिक्षकों के साथ-साथ विद्यालय से जुड़े सभी सदस्यों को जाता है। प्रतियोगिता के फल कुछ इस प्रकार हैं चतुर्थ स्थान पर हेंडरसन हाउस, द्वितीय स्थान पर थाबर्न एवं वॉर्न हाउस, प्रथम स्थान लेडलॉ हाउस।

पूरे ने शुरू किया गहन टिकट जांच

अप्रैल में हावड़ा डिवीजन में प्रतिदिन पकड़ाए 2200 बेटिकट यात्री

कोलकाता, समाज्ञा : बिना वैध यात्रा टिकट के रेलगाड़ी में यात्रा करने के जुर्म में पूर्व रेलवे ने गहन जांच पड़ताल शुरुआत की है। अप्रेल महीने में प्रतिदिन 2000 यात्री पकड़ाए। पूर्व रेलवे ने समय-समय पर सोशल मीडिया, पारंपरिक मीडिया और प्रत्यक्ष संचार के माध्यम से रेल यात्रा से पहले वैध यात्रा टिकट खरीदने के लिए कई अभियान चलाए हैं। हालांकि कुछ लोग अभी भी बिना टिकट यात्रा करने की आदत नहीं छोड़ रहे हैं। पूर्व रेलवे ने हाल ही में टिकट जांच अभियान तेज कर दिया है। सिर्फ हावड़ा डिवीजन में अप्रैल 2025 के महीने में 66,130 जुर्माने के मामले पकड़े गए। हावड़ा डिवीजन में जुर्माना मामलों की यह आशंका पिछले वर्ष के आंकड़े, अप्रैल 2024 में पकड़े गए 59,550 जुर्माना मामलों की तुलना में 11% अधिक है। अप्रैल, 2025 के दौरान हावड़ा मंडल में प्रतिदिन औसतन लगभग 2200 व्यक्तियों को यात्रा टिकट नहीं खरीदने के कारण पकड़ा गया। अप्रैल 2025 में बिना बुक किए गए सामान के पकड़े जाने के मामले भी बढ़कर 21,310 हो गए हैं, जबकि अप्रैल 2024 के दौरान हावड़ा मंडल में बिना बुक किए गए सामान के 17,450 मामले पकड़े गए थे। इस प्रकार चालू वर्ष में अप्रैल महीने के दौरान बिना बुक किए गए सामान के पकड़े जाने के मामलों में 22% से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई है। पूर्व रेलवे ने एक बार फिर सभी वर्ग के यात्रियों से अपील की है कि वे वैध यात्रा टिकट और/या उचित तरीके से बुक किए गए सामान के साथ ट्रेन में यात्रा करें।

बांकुड़ा में पेड़ से लटकी मिली सड़ी-गली लाश

बांकुड़ा : तीन दिनों तक लापता रहने के बाद आखिरकार संदीप पाल नामक ग्रामीण का क्षत-विक्षत शव बरामद किया गया। बांकुड़ा सदर थाना अंतर्गत केलेबला गांव के लोगों ने गांव से काफी दूर एक पेड़ से शव लटका हुआ पाया। स्थानीय लोगों ने इस आरोप की उचित जांच की मांग की है कि भूमि विवाद के चलते व्यक्ति की हत्या कर उसे पेड़ से लटका दिया गया। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, बांकुड़ा सदर थाना क्षेत्र के केलेबला गांव में कुछ समय से जमीन विवाद चल रहा था। हाल ही में इस मामले को लेकर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई थी। केलेबला गांव निवासी 52 वर्षीय संदीप पाल तीन दिन पहले पुलिस थाने में शिकायत दर्ज होने के बाद लापता हो गए थे। काफी खोजबीन के बाद भी ग्रामीण उसे नहीं ढूंढ पाए। आज दोपहर स्थानीय लोगों ने गांव के निकट एक ईंट भट्टे के पास पेड़ से लटकता हुआ शव देखा। घटना की सूचना तुरंत बांकुड़ा सदर पुलिस स्टेशन को दी गई। बाद में पुलिस मौके पर पहुंची और क्षत-विक्षत शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए बांकुड़ा सम्मिलानी मेडिकल कॉलेज भेज दिया। स्थानीय लोगों का दावा है कि भूमि विवाद के चलते संदीप पाल की हत्या कर शव को पेड़ से लटका दिया गया। केलाबला गांव के लोगों ने घटना की उचित जांच और दोषियों की गिरफ्तारी की मांग की है।

मालदह में अस्पताल से गुम हुआ नवजात बरामद

मालदह : जिले के गाजोल स्टेट जनरल अस्पताल में गत शनिवार को बच्चा चोरी को लेकर तनाव का माहौल बन गया है। हालांकि, पुलिस और स्थानीय लोगों के प्रयासों से बच्चे को खोज निकाला गया। इस घटना में गाजोल थाने की पुलिस ने आरोपित महिला को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार महिला का नाम प्रिया पाल है। वह गाजोल अस्पताल के प्रसूति वार्ड में घूमती रहती थी। इस घटना को लेकर मरीज के परिजनों ने रविवार की सुबह अस्पताल में विरोध प्रदर्शन किया। ओल्ड मालदह की निवासी हासी साहा नाम की महिला ने गुरुवार को गाजोल स्टेट जनरल अस्पताल में एक बच्चे को जन्म दिया।

मानिकचक थाने का गोदाम आग में जलकर राख

मालदह : जिले के मानिकचक थाने का गोदाम आग में जलकर राख हो गया। शनिवार की रात यह घटना घटी। पुलिस ने यह पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है कि आग कैसे लगी। मिली जानकारी के अनुसार, शनिवार की रात स्थानीय लोगों ने अचानक मानिकचक थाने के गोदाम में आग लगी देखी। कुछ ही देर में एक के बाद एक विस्फोट होने लगे। यह खबर अग्निशमन विभाग तक गई। पहले एक दमकल गाड़ी आग बुझाने के लिए भेजी गई। लेकिन, आग की तीव्रता काफी थी। परिणामस्वरूप, पुलिस को स्थानीय लोगों से पानी के पंप मंगवाकर आग बुझानी पड़ी। आग पर काबू पाने के लिए एक उत्खनन मशीन को गोदाम की दीवार तोड़नी पड़ी। करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। पता चला है कि गोदाम के अंदर तीन गैस सिलेंडर समेत कई विस्फोटक मौजूद थे। आग लगने के बाद सिलेंडर तो मिल गए, लेकिन इसके अलावा कुछ नहीं मिला। कई महत्वपूर्ण दस्तावेज जला दिए गए हैं। पुलिस और अग्निशमन विभाग ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

विंध्याचल में वैदिक परंपराओं के साथ संपन्न हुआ आर्यन और अर्पित का उपनयन संस्कार

कोलकाता, समाज्ञा : आधुनिकता की दौड़ में जहां समाज धीरे-धीरे अपनी सनातन परंपराओं से विमुख होता जा रहा है, ऐसे समय में कोलकाता निवासी उद्योगपति नलिन विलोचन ने एक प्रेरणादायक पहल करते हुए अपने दोनों पुत्रों-आर्यन और अर्पित-का उपनयन संस्कार विधिवत वैदिक मंत्रोच्चार और पारंपरिक लोकगीतों के बीच संपन्न कराया। यह आयोजन 9 मई को माता विंध्यवासिनी की पावन नगरी विंध्याचल के अटल चौक स्थित होटल अभिनव में भव्यता के साथ आयोजित किया गया। यह तीन दिवसीय आयोजन पूर्णतः भारतीय परंपराओं के अनुरूप रहा, जिसमें कोलकाता और बिहार के बेगूसराय से आए 300 से अधिक अतिथियों ने हिस्सा लिया। आयोजन की प्रेरणा श्री विलोचन की वृद्ध माता प्रतिमा कुमारी की इच्छा से मिली, जिन्होंने अपने मूल गांव चंदपुरा (बेगूसराय) की सांस्कृतिक परंपरा को जीवंत रखने की भावना के साथ यह संस्कार संपन्न कराने का सुझाव दिया था। नलिन विलोचन एवं उनकी धर्मपत्नी नेहा कुमारी ने इस अवसर पर कहा कि यह आयोजन समाज के लिए यह संदेश है कि हमारी सनातन परंपराएं सिर्फ धार्मिक क्रियाएं नहीं, बल्कि सामाजिक और शैक्षिक मूल्यों से जुड़ी हुई हैं। उपनयन संस्कार, जिसे यज्ञोपवीत या जनेऊ संस्कार भी कहा जाता है, एक ऐसा संस्कार है जो बालक को औपचारिक शिक्षा और वेदाध्ययन की दिशा में अग्रसर करता है। यह उसके जीवन के दूसरे जन्म का प्रतीक होता है।

सीकर नागरिक परिषद का 100वां नुक्कड़ सामान्य चिकित्सा शिविर

कोलकाता, समाज्ञा : सेवा कार्यों में अग्रणीय सीकर नागरिक परिषद (कोलकाता) ने रविवार को खिदिरपुर के पास कार्ल मार्क्स स्ट्रीट स्थित बाबा भुकैलाश मंदिर के प्रांगण में बाबा भुकैलाश के साक्षी में परिषद का 100 वें निःशुल्क नुक्कड़ सामान्य चिकित्सा शिविर का आयोजन किया। शिविर का शुभारंभ सुबह 7:00 बजे से 10 चिकित्सकों की देखरेख में परिषद के सेवा गीत के साथ हुआ, जहां मरीजों का सामान्य स्वास्थ्य जांच (ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर, पल्स आदि) के साथ साथ नेत्र एवं दंत का भी परिक्षण कर उपचार किया गया। सैकड़ों गरीब मजदूर, निम्न तबके के स्थानीय नागरिक एवं राहगीर सेवा शिविर से लाभान्वित हुए। अध्यक्ष एमिरेट्स घनश्याम प्रसाद सोभासरिया* ने कहा परिषद का मुख्य उद्देश्य है असहायो की सहायता करना। इसी उद्देश्य से आज से 6 बरस पहले परिषद द्वारा इन नुक्कड़ शिविरों का आयोजन आरंभ किया गया। जो गरीब लोग महंगे अस्पतालों में जाकर अपना इलाज नहीं करवा पाते हैं उनके पास सीकर नागरिक परिषद के कार्यकर्ताओं एवं चिकित्सकों की टीम पहुंच कर उनका इलाज कर रही है। पूर्व अध्यक्ष लक्ष्मी कुमार बियानी ने बताया कि सीकर नागरिक परिषद (कोलकाता) एकमात्र ऐसी संस्था है जो इस तरह की सेवा लेकर जन-जन तक पहुंच रही है। 100 शिविरों की यह यात्रा परिषद के जन-सेवा-संकल्प का जीवंत प्रमाण है।

उपाध्यक्ष अनिल कुमार पोद्दार ने कहा यह शिविर परिषद की सेवा यात्रा का एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बना है। यह सामूहिक प्रयास और समर्पण का परिणाम है, जो हमें आगे भी इसी ऊर्जा से सेवा कार्य करने को प्रेरित करता रहेगा। अध्यक्ष अरविंद बियानी ने कहा परिषद के दक्ष कार्यकर्ताओं पर हमें गर्व है। परिषद की यह सेवा यात्रा निरंतर जारी रहेगी एवं भुकैलास नवयुवक सोसाइटी को स्थानीय सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। सचिव रविशंकर सीकारिया ने कहा जहां रविवार को लोग देर तक सोते हैं, वहां परिषद के कार्यकर्ता सुबह-सुबह कोलकाता महानगर के किसी नुक्कड़ पर पहुंचकर लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया करा रहे होते है। ऐसे शिविरों के माध्यम से समाज के अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना हमारा लक्ष्य है। संयोजक रतन कुमार सीकरिया, सह-संयोजक राजकुमार अग्रवाल तथा परिषद के सहसचिव एवं नुक्कड़ शिविरों के परामर्श दाता नवनीत सोडाणी ने बताया कि राखाल राय एवं स्थानीय सहयोगी संस्था के सहयोग से परिषद परिवार द्वारा प्रायोजित इस शिविर में 314 मरीजों का सामान्य स्वास्थ्य जांच, नेत्र परीक्षण एवं दंत चिकित्सा किया गया। 218 मरीज चश्मे योग्य पाए गए जिनमें से 169 मरीजों को तुरंत ही चश्मे दे दिया गया, शेष लोगों को भी अगले सप्ताहांत तक उपलब्ध करवा दिया जाएगा। 04 मरीज ऑपरेशन योग्य पाये गए हैं, जिनके ऑपरेशन की व्यवस्था भी शीघ्र ही की जा रही है। सभी जरूरतमंदों को मुफ्त सामान्य दवाइयां , नेत्र की दवाइयों के साथ-साथ टूथब्रश एवं टूथपेस्ट भी दिया गया। परिषद की ओर से सभी आगंतुक मरीजों को बिस्कुट, नमकीन, फ्रूटी, टॉफियां भी वितरित किए गए, जिससे आयोजन का वातावरण और भी सौहार्दपूर्ण हो गया। शिविर को सफल बनाने में ट्रस्टी धरम चन्द जैन, कमल प्रसाद चौधरी, प्रदीप चौधरी, आदित्य विक्रम बियानी, अंकित चौधरी, आशीष चौधरी, विशेष सराफ, आनंद अग्रवाल, गोपाल सीकरिया, रश्मि सराफ एवं मान्यता सोढानी का विशेष योगदान रहा।

श्री विशुद्धानंद हॉस्पिटल में सांवरिया परिवार के सहयोग से सी आर्म इमेज इंटेंसिफायर मानव सेवा को समर्पित

कोलकाता, समाज्ञा : श्री विशुद्धानंद हॉस्पिटल ने समाजसेवी महावीर प्रसाद एवं जय भगवान सांवरिया परिवार (एस पी एल फाउंडेशन) के सहयोग से सी आर्म इमेज इंटेंसिफायर मानव सेवा को समर्पित किया। हॉस्पिटल के अध्यक्ष बनवारी लाल सोती ने सांवरिया परिवार के सदस्यों द्वारा चिकित्सा सेवा में योगदान की सराहना करते हुए हॉस्पिटल के विभागों में आधुनिकीकरण में सहयोगी दानदाताओं, डॉक्टरों की टीम के प्रति आभार व्यक्त किया। बाल व्यास श्रीकान्त शर्मा ने अपने आशीर्वचन में सांवरिया परिवार की सेवा भावना की सराहना करते हुए कहा कि संसार में दुःखी, रोगी मानव की सेवा करना आत्मीय सुख है। पंचमुखी धाम, हिसार से पधारे पुजारी सोनू भाई ने कहा कि परोपकार, परमार्थ से सेवार्थ की ओर सांवरिया परिवार ने कदम बढ़ाया है। रवि सांवरिया, निकुंज, यशवर्धन, सृष्टि, सरिता एवं सांवरिया परिवार के सदस्यों तथा समाजसेवी आदित्य हलवासिया, गिरधारीलाल गोयनका, सांवरमल चौधरी, विनोद केडिया, बंशीधर अग्रवाल, पवन माधोगढिया एवं अतिथियों का स्वागत हॉस्पिटल परिवार की ओर से बनवारीलाल सोती (शर्मा), विश्वनाथ सेक्सरिया, महावीर प्रसाद अग्रवाल, गिरधारीलाल मस्करा, हेमचन्द अग्रवाल, दीपक बंका, सुरेश बेरीवाल, अनिल चौधरी, मनोज पराशर, पवन फतेहपुरिया, मोहन केडिया एवम् कार्यकर्ताओं ने किया। समारोह का संचालन करते हुए दीपक बंका ने स्मार्ट आईसीयू विभाग, सिटी स्कैन, डायलीसिस, आर्थोपेडिक, डायबिटिक, अत्याधुनिक डेंटल, ऑपरेशन थियेटर, ईएनटी, नेत्र चिकित्सा एवं सभी विभागों की निरन्तर प्रगति दी। सांवरिया परिवार के सदस्यों ने चिकित्सा, जरूरतमंद रोगियों को दवा में निरन्तर सहयोग का आश्वासन दिया। सभी अतिथियों ने हॉस्पिटल में सेवाओं की सराहना करते हुए कहा कि परोपकार, सेवा कार्यों में धन का सदुपयोग करने की प्रेरणा मिलती है। दयानन्द सोनी, निर्मल केडिया, नरेन्द्र बागड़ी, महावीर प्रसाद रावत, राधेश्याम सोनी, संदीप गर्ग, घीसाराम गोयल, राजकुमार व्यास, विजय बागड़ी एवम् कार्यकर्ता सक्रिय रहे। धन्यवाद ज्ञापन हेमचन्द अग्रवाल ने किया।

मेट्रो कर्मचारियों ने यात्री को लौटाया ट्रॉली बैग

कोलकाता, समाज्ञा : शुक्रवार को 12.40 बजे दक्षिणेश्वर मेट्रो स्टेशन पर तैनात ऑन-ड्यूटी आरपीएफ स्टाफ ने मेट्रो रेक की नियमित जांच करते समय रेक से एक लावारिस ट्रॉली बैग बरामद किया और उचित सुरक्षा जांच के बाद उसे स्टेशन मास्टर कार्यालय में जमा कर दिया। बैग खोलने पर उसमें कुछ कीमती सामान मिला। इसके बाद, स्टेशन मास्टर ने बार-बार घोषणा कर बैग के मालिक से अनुरोध किया कि वह बैग को स्टेशन मास्टर कार्यालय से ले लें तथा सभी स्टेशनों पर नियंत्रण संदेश भी भेजा गया। कुछ समय बाद, एक यात्री दक्षिणेश्वर मेट्रो स्टेशन के स्टेशन मास्टर कार्यालय में आया और बरामद ट्रॉली बैग तथा उसमें मौजूद सामान पर अपना स्वामित्व जताया। उचित सत्यापन और सभी आधिकारिक औपचारिकताओं को पूरा करने के बाद, ट्रॉली बैग के साथ-साथ अन्य सभी सामान उन्हें सौंप दिए गए। उन्होंने अपना खोया हुआ ट्रॉली बैग तथा अन्य सामान वापस पाने में मदद करने के लिए मेट्रो रेलवे अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

डब्ल्यूएपी 7 का 25वां साल, डिज़ाइन व टिकाऊ में सबसे आगे

कोलकाता, समाज्ञा : चित्तरंजन लोकोमोटिव वर्क्स (सीएलडब्ल्यू) द्वारा विकसित डब्ल्यूएपी 7 लोकोमोटिव 2000 से भारतीय रेलवे के लिए सेवा में पेश किया गया था। तब से, यह भारत में सबसे शक्तिशाली और संख्या वाले यात्री इंजनों में से एक बन गया है, जो 110-140 किमी प्रति घंटे की उच्च गति से 24 कोच यात्री ट्रेनों को खींचने में सक्षम है। डब्ल्यूएपी 7 लोकोमोटिव 25 केवी एसी इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव श्रेणी का है, जिसमें 6125 एचपी का विशाल पावर आउटपुट है, जिसे उन्नत गियर अनुपात के साथ उच्च गति के लिए डिजाइन किया गया है। डब्ल्यूएपी 7के कुछ उच्च गति संस्करण हैं, जो उन्नत प्रणोदन प्रणाली और होटल लोड कनवर्टर से सुसज्जित हैं, जो शताब्दी, राजधानी और दुरंतो एक्सप्रेस जैसी प्रीमियम ट्रेनों पर उपयोग के लिए 180 किमी/घंटा तक की गति उत्पन्न कर सकते हैं। आजकल, डब्ल्यूएपी7 इंजनों में हॉग लगाया जाता है, जिससे अलग से पावर कारों की आवश्यकता समाप्त हो जाती है और रखरखाव लागत कम हो जाती है। स्वदेशी रूप से डिजाइन किया गया डबल्यू 7 सबसे सफल इंजनों में से एक है, जो पिछले 25 वर्षों से भारतीय रेलवे को निरंतर सेवा दे रहा है।

सबसे चुनौतीपूर्ण समय में बीएसएफ एडीजी रवि गांधी ने पूर्वी कमान का किया कुशल नेतृत्व

पूर्वी कमान में 14 महीने के कार्यकाल में बीएसएफ को हर मोर्चे पर मिली मजबूती

भारत-बांग्लादेश सीमा पर घुसपैंठ से लेकर तस्करी व अवैंध गतिविधियों पर कसा शिकंजा

कोलकाता, समाज्ञा : बीएसएफ के 1986 बैच के वरिष्ठ अधिकारी रवि गांधी ने भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार सीमा सुरक्षा बल के महत्वपूर्ण पूर्वी कमान का अतिरिक्त महानिदेशक (एडीजी) के रूप में एक साल से अधिक समय तक सफलतापूर्वक नेतृत्व करते हुए पुख्ता सीमा प्रबंधन से लेकर हर मोर्चे पर बल को मजबूती दिलाई। अधिकारियों ने बताया कि उनके 14 माह के कार्यकाल में बांग्लादेश के साथ लगती चुनौतीपूर्ण पूर्वी सीमा पर घुसपैठ व तस्करी सहित अन्य सीमा पार अपराधों पर बहुत लगाम लगा। उनके द्वारा सीमा प्रबंधन में की गई विभिन्न नई पहल व प्रभावी निगरानी से तस्करी व घुसपैठ की कई बड़ी घटनाओं को विफल किया गया। गांधी ने पिछले साल छह मार्च, 2024 को पूर्वी कमान की बागडोर संभाली थी। उन्हें अब दिल्ली स्थित बीएसएफ के मुख्यालय में एडीजी (लाजिस्टिक्स) के पद पर हाल में नियुक्त किया गया है। पूर्वी कमान के नए एडीजी बने आइपीएस महेश अग्रवाल को बीते दो मई को उन्होंने कार्यभार सौंप दिया। उनके कार्यकाल की बड़ी सफलताओं में बांग्लादेश में पिछले साल अगस्त में तख्तापलट के बाद भारत-बांग्लादेश सीमा पर उपजे चुनौतीपूर्ण हालात को उन्होंने बहुत सूझबूझ व कुशलता के साथ नियंत्रित किया।

बीएसएफ मुख्यालय द्वारा एक्स पर एक पोस्ट में भी बताया गया कि एडीजी रवि गांधी ने बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन के बाद सबसे चुनौतीपूर्ण हालात व कठिन समय के दौरान एडीजी के रूप में 14 महीने तक पूर्वी कमान का कुशलतापूर्वक नेतृत्व किया। बीएसएफ की पूर्वी कमान, कोलकाता पर बंगाल से लेकर पूर्वोत्तर में असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम तक फैली 4,096 किलोमीटर लंबी भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा की जिम्मेदारी है। गांधी ने विशेष बातचीत में बताया कि बांग्लादेश में तख्तापलट के बाद भारत-बांग्लादेश सीमा पर विभिन्न स्थानों से 1,500 से दो-दो हजार लोगों के समूह में कई बार घुसपैठ की कोशिश की गई, जिसे नाकाम कर वापस खदेड़ दिया गया। अधिकारियों ने दावा किया कि उनके कार्यकाल में भारत-बांग्लादेश सीमा पर घुसपैठ से लेकर तस्करी व अन्य अपराधों को बहुत हद तक नियंत्रित किया गया। पड़ोसी देश में तख्तापलट के बाद दोनों देशों में तनाव के बावजूद सीमा पर शांति व अपराध मुक्त रखने के लिए बार्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) के साथ बीएसएफ का अच्छा तालमेल बनाए रखने में भी रवि गांधी ने अहम भूमिका निभाई। इससे दोनों देशों को मदद मिली।

सीमा सुरक्षा मजबूत करने के उद्देश्य से बंगाल सरकार के साथ अच्छा तालमेल बनाने की भी उन्होंने कोशिश की। इसी का परिणाम रहा कि बंगाल में भारत-बांग्लादेश सीमा पर बिना तारबंदी वाले क्षेत्रों में तारबंदी लगाने और बीएसएफ की नई चौकियां स्थापित करने आदि के लिए लंबे समय से लंबित जमीन अधिग्रहण संबंधी कई जटिलताएं दूर हुई। तारबंदी व नई सीमा चौकियां बनाने के लिए बंगाल सरकार ने पिछले एक साल के दौरान कई जगहों पर बीएसएफ को जमीन हस्तांतरित करने को आधिकारिक मंजूरी दी। यह भी उनके कार्यकाल की महत्वपूर्ण उपलब्धियां रहीं।

❑ अब कुछ ही जगहों पर तारबंदी का काम बाकी

गांधी ने बताया कि पूर्वी कमान के क्षेत्र में बाड़ रहित सीमा पर तारबंदी का काम अब बहुत हद तक पूरा हो चुका है। अब कुछ ही जगहों पर तारबंदी का काम बाकी है। पिछले साल हुए लोकसभा चुनाव और विधानसभा उपचुनावों के दौरान भी सीमावर्ती इलाकों में गड़बड़ी रोकने को लेकर गांधी ने सक्रिय कदम उठाए और जिला प्रशासनों के साथ भी बेहतर समन्वय स्थापित किया। इसी का परिणाम रहा कि चुनावी हिंसा के लिए कुख्यात बंगाल में पिछले चुनाव के दौरान कोई बड़ी घटनाएं नहीं हुई। इसके अलावा, पिछले महीने बांग्लादेश की सीमा से लगे बंगाल के मुस्लिम बहुल मुर्शिदाबाद जिले में वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान भड़की हिंसा के बाद स्थिति को नियंत्रित करने में भी बीएसएफ ने अहम भूमिका निभाई। एडीजी रवि गांधी ने हिंसा के बाद खुद मुर्शिदाबाद के दौरे पर पहुंचकर हिंसा प्रभावित शमशेरगंज, सुती व अन्य इलाकों का गहन दौरा किया। उन्होंने हिंसा प्रभावित व स्थानीय लोगों से मिलकर बातचीत की और उनमें सुरक्षा का भरोसा जगाया।

❑ सीमा सुरक्षा में तकनीक पर दिया जोर

उनके कार्यकाल में सीमा सुरक्षा में अत्याधुनिक तकनीक के अधिक से अधिक इस्तेमाल पर भी जोर दिया गया। इसके तहत बड़े पैमाने पर इलेक्ट्रोनिक सर्विलांस प्रणाली स्थापित की गईं। इसका काम जारी है। सीमा सुरक्षा मजबूत करने और जवानों का मनोबल बढ़ाने के लिए एडीजी गांधी ने लगातार अंतरराष्ट्रीय सीमा का भी दौरा किया। उन्होंने विभिन्न सुरक्षा और खुफिया एजेंसियों के साथ भी सहयोग व बेहतर समन्वय स्थापित किया, जिससे पूर्वी सीमा पर प्रभावी सीमा प्रबंधन में लाभ मिला। सीमा सतर्कता व जवानों के कल्याण पर भी उनका जोर रहा। बता दें कि तीन बार राष्ट्रपति पुलिस पदक से अलंकृत एडीजी रवि गांधी की पहचान बीएसएफ में एक कर्तव्यनिष्ठ व ईमानदारी अधिकारी के तौर पर होती है, जिन्होंने राष्ट्र के लिए 38 वर्षों से अधिक की बेदाग सेवा दी है। इसी साल सितंबर में उनका रिटायरमेंट भी है।

बिजली आपूर्ति बाधित से नाराज लोगों का फूटा गुस्सा, किया प्रदर्शन

हुगली, समाज्ञा : भीषण गर्मी के बीच लगातार बिजली आपूर्ति बाधित होने से नाराज लोगों का गुस्सा रविवार सुबह फूट पड़ा। बैद्यवाटी-तारकेश्वर सड़क मार्ग पर तीन घंटे तक जाम लगाकर लोगों ने बिजली विभाग के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। आरोप है कि रात 11 बजे बिजली आपूर्ति बाधित हुए और सुबह 9 बजे तक बहाल नहीं हुई। तो लोगों का गुस्सा चरम सिमा पर पहुंच गया। जानकारी के अनुसार, रात 11 बजे से सुबह तक बिजली नहीं रहने के कारण स्थानीय लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। इस दौरान न केवल पीने के पानी की किल्लत हो गई बल्कि गर्मी और मच्छरों की वजह से लोग रात भर सो नहीं सके। गुस्साए लोगों ने सुबह सड़क पर उतरकर बिजली विभाग के खिलाफ नारेबाजी की और रास्ता जाम कर दिया। इससे सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। सूचना मिलते ही सिंगुर थाना, ट्रैफिक विभाग और ग्रामीण पुलिस अधिकारी दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने प्रदर्शनकारियों को जल्द समाधान का आश्वासन दिया, जिसके बाद मामला शांत हुआ और यातायात बहाल हो सका। स्थानीय निवासियों ने आरोप लगाया कि बिजली विभाग की ला-परवाही के कारण अक्सर बिजली गुल हो जाती है। थोड़ी सी बारिश, तेज हवा या बिजली कड़कने पर बिजली कट जाती है और बहाल होने में कई घंटे या कभी-कभी आधे दिन से ज्यादा लग जाता है। रिसड़ा के प्रभाषनगर इलाके में भी ऐसी ही स्थिति रही। वहां एक फेज की बिजली रात 1 बजे से गुल हो गई, और 12 घंटे बाद दोपहर 1 बजे जाकर बहाल हुई। लोगों ने बताया कि बार-बार शिकायत करने के बाद भी कोई समाधान नहीं हुआ। स्थानीय निवासियों का कहना है, हम समय पर बिजली बिल भरते हैं लेकिन सेवा नहीं मिलती। बच्चों की पढ़ाई, बुजुर्गों की तबीयत और आम जीवन इससे बुरी तरह प्रभावित हो रहा है।

बुद्ध पूर्णिमा महोत्सव से पहले बौद्ध भक्तों ने रानी राशमणि रोड पर भगवान बुद्ध की पूजा

बुद्ध पूर्णिमा की पूर्व संध्या पर तारकेश्वर मार्ग में निशुल्क कावड़िया सेवा शिविर का आयोजन

हुगली, समाज्ञा : बुद्ध पूर्णिमा की पूर्व संध्या पर तारकेश्वर मार्ग स्थित विश्वनाथ सेवा समिति के विश्राम गृह में एक दिवसीय निशुल्क कावड़िया सेवा शिविर का आयोजन किया गया। यह सेवा शिविर विश्वनाथ सेवा समिति एवं संजीवनी सेवा ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में प्रत्येक माह की भांति इस माह भी आयोजित किया गया। इस शिविर में तारकेश्वर मंदिर की यात्रा पर निकले हजारों कावड़िया बंधुओं एवं तीर्थयात्रियों को निःशुल्क भोजन, विश्राम, स्नानागार तथा प्राथमिक चिकित्सा की सेवाएं प्रदान की गईं। शिविर में पूड़ी-सब्जी, खिचड़ी, चाय-बिस्कुट आदि की निःशुल्क व्यवस्था की गई, वहीं संजीवनी सेवा ट्रस्ट की ओर से सैकड़ों श्रद्धालुओं की प्राथमिक चिकित्सा भी की गई। सेवा कार्य का संचालन विश्वनाथ सेवा समिति के चेयरमैन गोवर्धन निगानिया, सचिव अजय निगानिया तथा संजीवनी सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष विश्वनाथ सेक्सरिया, ट्रस्टी विजय शंकर मोदी, संजय तोदी एवं सचिव मानव सराफ के मार्गदर्शन में किया गया। संपूर्ण आयोजन की प्रत्यक्ष निगरानी समाजसेवी जय प्रकाश गुप्ता द्वारा की गई। कावड़िया बंधु इस सेवा से प्रसन्नचित्त एवं उत्साहित नजर आए। साथ ही, विश्राम गृह परिसर स्थित बाबा भोलेनाथ एवं हनुमान मंदिर में भक्तों ने पूजा-अर्चना कर अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति हेतु अरदास की। इस आयोजन को सफल बनाने में पवन कुमार बैद, पवन कुमार अग्रवाल, गौर घोष, डॉ. आलोक कुमार दास, समरेश सिंह (राजा), शैलेन्द्र कुमार गुप्ता (गोपाल) सहित कई स्वयंसेवकों का सराहनीय योगदान रहा।

चालक की सूझबूझ से बची वर्दवान कॉर्ड लोकल ट्रेन, लिलुआ स्टेशन के पास पटरी से उतरी ट्रेन

हावड़ा, समाज्ञा : हावड़ा-वर्दवान कॉर्ड लाइन पर शनिवार शाम एक बड़ा रेल हादसा उस समय टल गया जब एक लोकल ट्रेन लिलुआ स्टेशन के पास पटरी से उतर गई। यह घटना शाम करीब 6:05 बजे की है, जब 5:55 बजे हावड़ा स्टेशन से रवाना हुई वर्दवान कॉर्ड लोकल ट्रेन के चालक ने तेज आवाज सुनकर तत्काल ट्रेन को रोक दिया। जांच के दौरान यह सामने आया कि ट्रेन का एक डिब्बा पटरी से उतर गया था। यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया और उन्हें वैकल्पिक ट्रेनों से गंतव्य तक पहुंचाया गया। रेलवे के इंजीनियर और बचाव दल तुरंत मौके पर पहुंच गए और प्रभावित डिब्बे को ट्रैक से हटाने का कार्य युद्धस्तर पर शुरू कर दिया गया। चालक के समय रहते सतर्कता दिखाने यह हादसा टल गया। यह घटना एक बार फिर दिखाती है कि चालकों की सतर्कता और प्रशिक्षण किस तरह से सैकड़ों जिंदगियों को बचा सकती है।

हावड़ा डिवीजन के 100 वर्ष पूर्ण, गीतांजलि संग्रहालय के जरिए टैगोर की विरासत को किया गया सम्मानित

हावड़ा, समाज्ञा : पूर्व रेलवे का हावड़ा डिवीजन अपनी स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण कर रहा है, जो एक सदी की सेवा, समर्पण और राष्ट्रीय एकीकरण का प्रतीक है। 1925 में स्थापित यह डिवीजन न केवल एक प्रमुख परिवहन केंद्र रहा है, बल्कि सांस्कृतिक धरोहरों का संरक्षक भी बना है। इसी क्रम में बोलपुर में स्थापित गीतांजलि संग्रहालय कविगुरु रवींद्रनाथ टैगोर की स्मृति को समर्पित एक अद्भुत सांस्कृतिक पहल है। रेल मंत्रालय द्वारा टैगोर की 150वीं जयंती के अवसर पर निर्मित यह संग्रहालय गीतांजलि से प्रेरित है-वही काव्य संग्रह जिसने उन्हें नोबेल पुरस्कार दिलाया। संग्रहालय की वास्तुकला शांतिनिकेतन स्थित उत्तरायण परिसर के 'उद्यान' भवन से प्रेरित है। इसमें टैगोर की अंतिम रेल यात्रा से जुड़ी असली रेलगाड़ी का संरक्षण किया गया है, जो भावनात्मक रूप से अत्यंत प्रभावशाली अनुभव प्रदान करती है। संग्रह में टैगोर के पत्र, पांडुलिपियां, तस्वीरें और जीवन प्रसंग सम्मिलित हैं, जो उनकी देशभक्ति, दर्शन और मानवतावादी दृष्टिकोण को उजागर करते हैं। संग्रहालय शोधार्थियों और छात्रों के लिए एक समृद्ध शैक्षणिक केंद्र भी है। यह पहल दिखाती है कि रेलवे केवल यातायात नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चेतना और सांस्कृतिक विरासत का संवाहक भी है।

विदेश की खबरें

ईरान और अमेरिका के बीच ओमान में तेहरान के परमाणु कार्यक्रम पर चौथे दौर की वार्ता संपन्न

दुबई : ईरान और अमेरिका के बीच रविवार को तेहरान के तेजी से बढ़ते परमाणु कार्यक्रम के संबंध में चौथे दौर की वार्ता संपन्न हुई। वार्ता इस सप्ताह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पश्चिम एशिया की यात्रा से ठीक पहले हुई। इस संबंध में एक अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि ओमान की राजधानी मस्कट में यह वार्ता करीब तीन घंटे तक चली। ओमान इस वार्ता में मध्यस्थता कर रहा है। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघई ने भी कहा कि वार्ता इतनी ही लंबी चली और अगले दौर की वार्ता पर निर्णय के लिए चर्चा जारी है। बाघई ने वार्ता को कठिन लेकिन सार्थक बताया। बंद कमरे में हुई वार्ता के बारे में अमेरिकी अधिकारी ने (नाम न बताने की शर्त पर) थोड़ा और विस्तार से बताया तथा कहा कि यह अप्रत्यक्ष और प्रत्यक्ष दोनों तरह की वार्ता है। अमेरिकी अधिकारी ने कहा, ''तकनीकी तत्वों के माध्यम से काम जारी रखने के लिए वार्ता को आगे बढ़ाने पर सहमति बनी। हम आज के परिणाम से उत्साहित हैं और हमारी अगली बैठक की प्रतीक्षा कर रहे हैं, जो निकट भविष्य में होगी।'' इस वार्ता का उद्देश्य ईरान के परमाणु कार्यक्रम को सीमित करना है, जिसके बदले में अमेरिका द्वारा इस्लामी गणराज्य पर लगाए गए कुछ कठोर आर्थिक प्रतिबंधों को हटाना तथा दोनों देशों के बीच आधी सदी से चली आ रही शत्रुता को समाप्त करना है। ट्रंप ने बार-बार धमकी दी है कि अगर कोई समझौता नहीं हुआ तो ईरान के कार्यक्रम को निशाना बनाकर अमेरिका हवाई हमले करेगा। ईरानी अधिकारी लगातार चेतावनी दे रहे हैं कि वे अपने यूरेनियम भंडार को हथियार स्तर तक समृद्ध करके परमाणु हथियार बनाने की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। इस बीच, इजराइल ने धमकी दी है कि यदि उसे खतरा महसूस हुआ तो वह ईरान के परमाणु प्रतिष्ठानों पर हमला कर देगा, जिससे पश्चिम एशिया में तनाव और बढ़ गया है। गाजा पट्टी में इजराइल-हमास युद्ध के कारण क्षेत्र में तनाव पहले से ही बढ़ा हुआ है।

पाकिस्तान 'संघर्ष विराम' को पूरी ईमानदारी से लागू करने के लिए प्रतिबद्ध : विदेश कार्यालय

इस्लामाबाद : पाकिस्तान ने रविवार को कहा कि वह भारत के साथ 'संघर्ष विराम' को पूरी ईमानदारी से लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है और उसके बल स्थिति को ''जिम्मेदारी और संयम'' के साथ संभाल रहे हैं। भारत और पाकिस्तान ने शनिवार को भूमि, वायु और समुद्र में सभी प्रकार की गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई को तत्काल प्रभाव से रोकने पर सहमति बनने की घोषणा की। हालांकि, कुछ ही घंटों बाद नयी दिल्ली ने इस्लामाबाद पर इसका उल्लंघन करने का आरोप लगाया। भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने शनिवार देर रात में एक प्रेस वार्ता के दौरान पाकिस्तान से इन उल्लंघनों को दूर करने के लिए ''उचित कदम'' उठाने और स्थिति से ''गंभीरता और जिम्मेदारी'' के साथ निपटने का आह्वान किया। विदेश कार्यालय के प्रवक्ता ने यहां मिसरी के बयान के संबंध में मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए कहा, ''पाकिस्तान और भारत के बीच संघर्ष विराम को ईमानदारी से लागू करने के लिए पाकिस्तान प्रतिबद्ध है।'' प्रवक्ता ने दावा किया कि पाकिस्तान की सेनाएं ''जिम्मेदारी और संयम के साथ स्थिति को संभाल रही हैं।'' उन्होंने कहा, ''हमारा मानना है कि संघर्ष विराम के सुचारू क्रियान्वयन में आने वाली किसी भी समस्या का समाधान उचित स्तरों पर संवाद के जरिए किया जाना चाहिए।

श्रीलंका में बस दुर्घटना में 21 लोगों की मौत

कोलंबो : श्रीलंका के प्रांत 'सेंट्रल प्रोविंस' स्थित कोटमाले क्षेत्र में रविवार को एक बस के खाई में गिर जाने से कम से कम 21 लोगों की मौत हो गई और 30 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, यह दुर्घटना उस समय हुई जब बस चालक ने पहाड़ी रास्ते पर बाएं मुड़ने की कोशिश की। पुलिस ने बताया कि उसी दौरान बस फिसलकर खाई में गिर गई। पुलिस ने बताया कि राज्य परिवहन निकाय के स्वामित्व वाली बस में 75 यात्री सवार थे। पुलिस ने बताया कि ये बस दक्षिणी तीर्थस्थल कटारगामा से उत्तर-पश्चिमी शहर कुरुनेगाला जा रही थी। श्रीलंका के परिवहन एवं राजमार्ग उपमंत्री प्रसन्ना गुनासेना ने बताया कि दुर्घटना में 21 लोगों की मौत हो गई। इस दुर्घटना में 30 से अधिक यात्री घायल हो गए हैं।

भारत ने 'सागरमाथा संवाद' के आयोजन के लिए नेपाल को 15 ईवी उपहार में दिये

काठमांडू : भारत ने रविवार को नेपाल को 'सागरमाथा संवाद' के आयोजन के लिए 15 इलेक्ट्रिक वाहन उपहार में दिए। नेपाल सरकार 16-18 मई तक काठमांडू में 'जलवायु परिवर्तन, पर्वत और मानवता का भविष्य' विषय पर सागरमाथा संवाद का आयोजन कर रही है। नेपाल में भारतीय राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने विदेश मंत्रालय में आयोजित एक समारोह के दौरान नेपाल की विदेश मंत्री आरजू राणा देउबा को 15 इलेक्ट्रिक वाहन भेंट किए। मंत्रालय द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इन वाहनों का उपयोग कार्यक्रम में भाग लेने वाले मेहमानों और अधिकारियों की आवाजाही को सुगम बनाने के लिए किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्वतीय क्षेत्रों पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को सामने लाना है। भारतीय दूतावास द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, राजदूत श्रीवास्तव ने सम्मेलन के लिए नेपाल को शुभकामनाएं दीं और नेपाल की प्रगति एवं विकास का समर्थन करने के लिए भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। विदेश मंत्री देउबा ने इस आयोजन में भारत के योगदान के लिए आभार व्यक्त किया।

बांग्लादेश : अवामी लीग का पंजीकरण रद्द करने के लिए अधिसूचना का इंतजार कर रहा है निर्वाचन आयोग

ढाका : बांग्लादेश के निर्वाचन आयोग (ईसी) ने रविवार को कहा कि वह अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग का पंजीकरण रद्द करने पर फैसला करने के लिए औपचारिक सरकारी अधिसूचना का इंतजार कर रहा है। मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने आतंकवाद रोधी कानून के तहत अवामी लीग पर प्रतिबंध लगा दिया है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) एएमएम नासिर उद्दीन ने संवाददाताओं से कहा, यदि कल (सोमवार) राजपत्र प्रकाशित हो जाता है, तो हम अवामी लीग के पंजीकरण के मुद्दे पर निर्णय लेने से पहले बैठक करेंगे। बांग्लादेश के कानून के अनुसार, यदि निर्वाचन आयोग में अवामी लीग का पंजीकरण रद्द कर दिया जाता है, तो वह आम चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य हो जाएगी। बांग्लादेश में आम चुनाव दिसंबर 2025 से जून 2026 के बीच किसी समय हो सकता है। अंतरिम सरकार की सलाहकार परिषद (मंत्रिमंडल) ने शनिवार रात को आतंकवाद रोधी कानून के तहत साइबरस्पेस समेत अवामी लीग की सभी गतिविधियों पर प्रतिबंध लगा दिया था। यूनुस के कार्यालय ने कहा, इस संबंध में आधिकारिक राजपत्र अधिसूचना अगले कार्य दिवस पर जारी की जाएगी। यूनुस के कार्यालय ने इसे सलाहकार परिषद या मंत्रिमंडल का बयान बताया। पिछले साल छात्रों के नेतृत्व में हुए हिंसक आंदोलन के बाद हसीना की 16 साल पुरानी अवामी लीग सरकार गिर गई थी, जिसके बाद पांच अगस्त को 77 वर्षीय पूर्व प्रधानमंत्री देश छोड़कर भारत चली गई थीं।

यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने अस्थायी संघर्षविराम की उम्मीद जताई

कीव : यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा है कि उन्हें रूस के साथ सोमवार से एक पूर्ण और अस्थायी संघर्षविराम की उम्मीद है। उन्होंने यह भी बताया कि वह तुर्किये जाएंगे और वहां रूसी राष्ट्रपति वोलोदिमीर पुतिन से खुद बातचीत करेंगे। जेलेंस्की का यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेन से कहा कि वह रूस की ताजा पेशकश को स्वीकार करे, जिसमें बृहस्पतिवार को तुर्किये में सीधी बातचीत की बात कही गई है। लेकिन यूक्रेन और उसके यूरोपीय सहयोगी चाहते हैं कि रूस पहले बिना शर्त 30 दिन का संघर्षविराम सोमवार से लागू करे, उसके बाद ही कोई बातचीत हो।

पाकिस्तान के रावलपिंडी में भी भारतीय सेना की ताकत महसूस की गई : राजनाथ

डिफेंस कॉरिडोर बनने के बाद अपना पुराना गौरव हासिल करने की दिशा में अग्रसर है कानपुर : राजनाथ

लखनऊ : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को विश्वास जताया कि कभी 'पूरब का मैनचेस्टर' कहा जाने वाले कानपुर डिफेंस कॉरिडोर के निर्माण के बाद अपना पुराना गौरव हासिल करने की दिशा में अग्रसर है। सिंह ने लखनऊ में उत्तर प्रदेश डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर में ब्रह्मोस एयरोस्पेस इंटीग्रेशन एंड टेस्टिंग फैसिलिटी के उद्घाटन समारोह को दिल्ली से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये संबोधित करते हुए कहा, 'एक समय था, जब कानपुर और आस-पास के इलाके विभिन्न उत्पादों के निर्माण के लिए जाने जाते थे। अर्थव्यवस्था की दृष्टि से यह क्षेत्र काफी समृद्ध था। इसे पूरब का मैनचेस्टर कहा जाता था। लेकिन आजादी के बाद कई कारणों से यह आर्थिक प्रगति की राह में पिछड़ गया।'

लखनऊ/नयी दिल्ली : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत भारतीय सशस्त्र बलों ने न केवल सीमा के पास पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों पर हमला किया, बल्कि उनकी ताकत पाकिस्तानी सेना के मुख्यालय की मौजूदगी वाले रावलपिंडी में भी महसूस की गई। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना ने पहलगाम आतंकी हमले के जरिए कई महिलाओं की मांग का सिंदूर मिटाने वाली भारत विरोधी ताकतों और आतंकवादियों को दंडित किया है। रक्षा मंत्री ने लखनऊ के 'उत्तर प्रदेश डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर' में 'ब्रह्मोस एयरोस्पेस इंटीग्रेशन एंड टेस्टिंग फैसिलिटी' का वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन करने के बाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। रक्षा मंत्री ने ब्रह्मोस मिसाल विनिर्माण इकाई को एक बड़ी उपलब्धि बताते हुए कहा कि यह सिर्फ एक फैक्ट्री का उद्घाटन नहीं है, बल्कि रक्षा क्षेत्र में भारत की आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ा कदम भी है। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, 300 करोड़ रुपये की लागत से बनी यह विनिर्माण इकाई 'उत्तर प्रदेश डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर' का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और यह आत्मनिर्भर रक्षा विनिर्माण के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह विनिर्माण इकाई अंतरिक्ष और रक्षा क्षेत्र के लिए उच्च गुणवत्ता वाली सामग्रियों का उत्पादन करेगी, जिनका उपयोग चंद्रयान मिशन और लड़ाकू विमानों में किया जाएगा। रक्षा मंत्री ने 'ऑपरेशन सिंदूर' का जिक्र करते हुए कहा कि यह सिर्फ एक सैन्य कार्रवाई नहीं, बल्कि भारत की राजनीतिक, सामाजिक और रणनीतिक इच्छाशक्ति का प्रतीक है। पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में सात मई को तड़के पाकिस्तान और इसके कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों को नष्ट करने के लिए 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया गया था। पाकिस्तानी हमलों के बाद की सभी जवाबी कार्रवाई 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत की गई।

पाकिस्तानियों से पूछ लेना चाहिए कि 'ब्रह्मोस' मिसाइल की ताकत क्या है : योगी

लखनऊ : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान ब्रह्मोस मिसाइल के पराक्रम की झलक देखने को मिली थी और अगर यह काफी नहीं है तो पाकिस्तानियों से इसके बारे में पूछना चाहिए। उन्होंने कहा कि आतंकवाद को कुचलने का समय आ गया है और इसके लिए पूरे देश को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एकजुट होना होगा। 'ब्रह्मोस एयरोस्पेस इंटीग्रेशन एंड टेस्टिंग फैसिलिटी' के उद्घाटन समारोह में योगी ने कहा, 'ब्रह्मोस मिसाइल क्या होती है? आप लोगों ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत इसके पराक्रम की एक झलक देखी है। अगर नहीं देखी होगी तो कम से कम पाकिस्तानियों से पूछ लेना चाहिए कि ब्रह्मोस मिसाइल की ताकत क्या है।' योगी ने कहा, 'प्रधानमंत्री ने घोषणा की है कि किसी भी आतंकवादी घटना को अब युद्ध माना जाएगा। आतंकवाद को जब तक हम पूरी तरह कुचलेंगे नहीं तब तक समस्या का समाधान होगा नहीं। इसे कुचलने का समय आ गया है और इसके लिए पूरे भारत को एक स्वर में मोदी के नेतृत्व में एकजुट होना होगा।' योगी ने कहा कि आतंकवाद एक 'कुत्ते की दुम' की तरह है जिसे कभी सीधा नहीं किया जा सकता।

न्यूज इन ब्रीफ

राजस्थान में कई जगह बारिश का पूर्वानुमान

जयपुर : राजस्थान के कुछ भागों में अगले दो से तीन दिन हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है और अगले सप्ताह भीषण गर्मी का नया दौर शुरू होने का अनुमान है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने यह जानकारी दी। आईएमडी के जयपुर केंद्र ने बताया कि राज्य के कुछ भागों में आगामी दो से तीन दिन कहीं-कहीं मेघगर्जन के साथ हल्की मध्यम बारिश होने की संभावना है। पश्चिमी राजस्थान के अधिकांश भागों में 13 मई से व पूर्वी राजस्थान में 14 मई से अधिकांश स्थानों पर आंधी-बारिश की गतिविधियों में कमी होने की संभावना है। इसके अनुसार आगामी दिनों में तापमान में दो से चार डिग्री सेल्सियस बढ़ोतरी होने की संभावना है। पश्चिमी राजस्थान के सीमावर्ती क्षेत्रों में 15 मई को अधिकतम तापमान 44-45 डिग्री सेल्सियस दर्ज होने और भीषण गर्मी का नया दौर शुरू होने की संभावना है।

बिहार में पुलिस कांस्टेबल ने आत्महत्या की

जहानाबाद : बिहार के जहानाबाद जिले में रविवार को एक पुलिस कांस्टेबल ने रिवॉल्वर से खुद को कथित तौर पर गोली मार ली, जिससे उनकी मौत हो गई। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक अरविंद प्रताप सिंह ने बताया कि विनोद चौधरी सुबह लगभग आठ बजे पुलिस लाइन में खून से लथपथ हालत में पाये गये। उन्होंने कहा, 'गया जिले के रहने वाले चौधरी जहानाबाद जिला न्यायालय में तैनात थे। वह सिविल लाइंस में रहते थे। गोली की आवाज सुनकर पहुंचे उनके सहकर्मियों ने उन्हें मृत पाया।' उन्होंने कहा, 'ऐसा बताया जा रहा है कि चौधरी अपनी पत्नी की हाल में हुई मृत्यु के बाद से तनाव में थे। मामले की जांच की जा रही है।'

बिहार: पटना हवाई अड्डे के निर्माणाधीन नए टर्मिनल में पाइप के अंदर महिला का शव मिला

पटना : पटना हवाई अड्डे के निर्माणाधीन नए टर्मिनल में वर्षा जल निकासी पाइप के अंदर से एक अज्ञात महिला का क्षत-विक्षत शव बरामद हुआ है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि महिला की उम्र 35 से 40 साल के बीच मानी जा रही है, लेकिन उसकी पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। एसडीपीओ-1 (सचिवालय) अनु कुमारी ने बताया कि शनिवार शाम सात बजकर 10 मिनट पर सूचना मिली कि एक शव पाइप के भीतर देखा गया है। उन्होंने कहा, हवाई अड्डा थाना के अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे और पाइप को काटकर महिला का शव बाहर निकाला गया। हवाई अड्डे थाना के एक अधिकारी ने बताया कि जल निकासी प्रणाली के निरीक्षण के दौरान शव को देखा गया। उन्होंने बताया, शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है और हर मामले की जांच की जा रही है। मृतक महिला की पहचान की कोशिश जारी है। उन्होंने कहा, निर्माण स्थल पर काम कर रहे कर्मचारियों से पूछताछ की जा रही है। साथ ही, ठेकेदारों के बयान भी दर्ज किए जा रहे हैं।

संभल में नौकरी दिलाने के नाम पर 30 लाख रुपये की ठगी करने वाला कनिष्ठ अभियंता गिरफ्तार

संभल : उत्तर प्रदेश के संभल जिले में पुलिस ने नौकरी दिलाने के नाम पर 30 लाख रुपये की ठगी करने और बड़ी संख्या में लोगों को फर्जी नियुक्ति पत्र देने के आरोप में विद्युत विभाग में कार्यरत कनिष्ठ अभियंता (जेई) को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। अपर पुलिस अधीक्षक अनुकृति शर्मा ने बताया कि बहजोई में विजय पाल सिंह नामक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। वह संभल में विद्युत विभाग में जेई के पद पर कार्यरत है। महावीर यादव नामक व्यक्ति ने उस पर नौकरी दिलाने के नाम पर 30 लाख रुपये की ठगी करने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया था। उन्होंने बताया कि विजय पाल इससे पहले भी कई लोगों को सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर ठग चुका है। शर्मा ने बताया कि विजय पाल फर्जी तरीके से घरों के बिजली कनेक्शन लगवाने, ट्यूबवेल के फर्जी कनेक्शन लगवाने और ऑनलाइन फर्जी तरीके से बिल जमा करवाने के नाम पर भी लोगों से ठगी करता था। उन्होंने बताया कि विजय पाल पर तीन मुकदमे भी दर्ज हैं।

झारखंड के संथाल परगना में भीषण गर्मी का प्रकोप, पाकुड़ में तापमान 40.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया

रांची : झारखंड के संथाल परगना क्षेत्र में भीषण गर्मी का प्रकोप देखा गया और पाकुड़ जिले में तापमान 40.5 डिग्री सेल्सियस रहा। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि पिछले 24 घंटे के दौरान रांची समेत राज्य के दक्षिणी और मध्य भागों में गरज के साथ बारिश और बूंदाबांदी हुई। रांची के मांडर में 12.8 मिलीमीटर बारिश हुई, जबकि बोकारो थर्मल मौसम केंद्र में 10.4 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। रांची मौसम विज्ञान केंद्र के उप निदेशक अभिषेक आनंद ने कहा, राज्य के उत्तर-पूर्वी भाग खासकर संथाल परगना के जिलों में रविवार को गर्म और उमस भरा मौसम रहने का अनुमान है। वहीं, दक्षिणी और मध्य हिस्सों में गरज के साथ बारिश होने और तेज हवाएं चलने की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा है कि राज्य के देवघर, जामताड़ा, पाकुड़, गोड्डा, साहिबगंज, दुमका, धनबाद और गिरिडीह में 16 मई तक गर्म हवाएं चल सकती हैं। शनिवार को पाकुड़ राज्य का सबसे गर्म जिला रहा जहां अधिकतम तापमान 40.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, जमशेदपुर और डालटनगंज में तापमान क्रमशः 40.3 और 40.1 डिग्री सेल्सियस रहा। भीषण गर्मी के बीच राज्य भर में करीब 74,500 ट्यूबवेल खराब हो गए हैं। वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने कहा कि खराब पड़े ट्यूबवेल की मरम्मत के लिए 259 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं। उन्होंने एक बयान में कहा, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग ने बताया कि एक अप्रैल तक लगभग 74,500 ट्यूबवेल खराब थे।

पंजाब: पांच सीमावर्ती जिलों, संगरूर में 12 मई को स्कूल बंद रहेंगे

चंडीगढ़ : पाकिस्तान की सीमा से सटे पंजाब के पांच जिलों और संगरूर में स्कूल सोमवार को बंद रहेंगे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राज्य के बाकी हिस्सों में शैक्षणिक संस्थान सोमवार से फिर खुलेंगे। पाकिस्तान की सीमा से सटे पठानकोट, अमृतसर, फिरोजपुर, गुरदासपुर और तरनतारन जिलों में अधिकारियों ने विद्यालयों को बंद रखने का आदेश जारी किया है। पंजाब, पाकिस्तान के साथ 553 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करता है, जो इन पांच जिलों और फाजिल्का तक फैली हुई है। शिक्षा मंत्री हरजोत बैंस ने कहा कि अगर किसी विश्वविद्यालय ने पहले ही अपने परीक्षा कार्यक्रम में संशोधन कर लिया है, तो वे परीक्षाएं संशोधित कार्यक्रम के अनुसार ही होंगी। सीमावर्ती जिलों के उपायुक्तों को स्थानीय परिस्थितियों के आधार पर स्कूल खोलने या बंद करने के बारे में निर्णय लेने के लिए अधिकृत किया गया है। बैंस ने शैक्षणिक संस्थानों को सरकार के सुरक्षा प्रोटोकॉल और दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन करने का भी निर्देश दिया। इस बीच फिरोजपुर, गुरदासपुर, पठानकोट और मोगा में अधिकारियों ने परामर्श जारी किया, जिसमें लोगों से रविवार शाम को स्वेच्छा से घर की लाइटें बंद करने और जब तक आवश्यक न हो, बाहर निकलने से बचने का आग्रह किया गया।

जल विवाद को लेकर अगर कुछ अप्रिय हुआ तो भाजपा, बीबीएमबी जिम्मेदार होंगे: मुख्यमंत्री मान

चंडीगढ़ : पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने रविवार को चेतावनी दी कि अगर नांगल बांध पर अधिकारियों को भेजा जाना जारी रहा तो हिंसा या कुछ अप्रिय घटना होने पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड (बीबीएमबी) जिम्मेदार होंगे। उन्होंने इस मुद्दे को लेकर किसान संघों की चुप्पी पर भी सवाल उठाया। मान को जब पता चला कि बोर्ड के अधिकारी हरियाणा के लिए पानी छोड़ने को लेकर फिर से बांध पर पहुंचे हैं तो वह रूपनगर जिले में नांगल बांध की ओर चल पड़े। पंजाब सरकार में मंत्री हरजोत सिंह बैंस के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी (आप) कार्यकर्ताओं और कुछ स्थानीय ग्रामीणों ने पड़ोसी राज्य हरियाणा के लिए पानी छोड़ने आए अधिकारियों के इस प्रयास के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। बोर्ड के चेयरमैन मनोज त्रिपाठी को 'आप' कार्यकर्ताओं द्वारा नांगल बांध के गेस्ट हाउस में कथित तौर पर बंद करने के चार दिन बाद यह घटनाक्रम हुआ। पंजाब और हरियाणा में पानी के बंटवारे को लेकर टकराव जारी है। पंजाब में 'आप' के नेतृत्व वाली सरकार ने भाखड़ा बांध से पानी साझा करने से इनकार करते हुए कहा कि हरियाणा पहले ही अपने हिस्से का पानी इस्तेमाल कर चुका है। मान ने राज्य की नदियों के जल संरक्षण पर किसान संघों की 'चुप्पी' पर भी निशाना साधा। मान ने नांगल बांध पर संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक तरफ पंजाब अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर दुश्मनों का डटकर मुकाबला कर रहा है और दूसरी तरफ केंद्र की भाजपा सरकार 'गंदे खेल' खेल रही है और राज्य को उसके पानी से वंचित करने के लिए नौटंकी कर रही है। उन्होंने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है और संकट के समय में इससे बचना चाहिए। मान ने कहा कि पंजाब सरकार सीमा और राज्य के पानी की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। मान ने पानी छोड़ने के प्रयासों की निंदा करते हुए भाजपा और बोर्ड को चेतावनी दी कि वे नांगल बांध पर बार-बार अधिकारियों को भेजकर कानून-व्यवस्था को बिगाड़ने की कोशिश न करें।

गोरखपुर और बेंगलुरु के बीच चलायी जाएगी ग्रीष्मकालीन विशेष ट्रेन : पूर्वोत्तर रेलवे

गोरखपुर : पूर्वोत्तर रेलवे ने गर्मियों में यात्रियों की सुविधा के लिये गोरखपुर और बेंगलुरु के बीच एक विशेष ट्रेन संचालित करने का ऐलान किया है। पूर्वोत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह ने बताया कि गर्मियों के दौरान रेल यातायात में वृद्धि के मद्देनजर पूर्वोत्तर रेलवे ने रविवार को गोरखपुर और बेंगलुरु के सर एम. विश्वेश्वैया टर्मिनल के बीच एक ग्रीष्मकालीन विशेष ट्रेन चलाने की घोषणा की है। गर्मी की छुट्टियों के दौरान बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए यह ट्रेन दोनों तरफ से तीन चक्कर लगाएगी। उन्होंने बताया कि ट्रेन संख्या-06529 बेंगलुरु से 12, 19 और 26 मई को शाम सात बजे रवाना होगी और चौथे दिन सुबह छह बजकर 40 मिनट पर गोरखपुर पहुंचेगी। ट्रेन संख्या- 06530 16, 23 और 30 मई को गोरखपुर से रवाना होगी। सिंह ने बताया कि ट्रेन में प्रथम श्रेणी का एक वातानुकूलित कोच, द्वितीय श्रेणी के दो वातानुकूलित कोच, तृतीय श्रेणी के चार वातानुकूलित कोच, सात स्लीपर क्लास कोच और चार सामान्य सेकंड क्लास कोच होंगे। यह ट्रेन कदुरू, दावणगेरे, घाटप्रभा, पुणे, रानी कमलापति, वीरांगना लक्ष्मीबाई (झांसी), प्रयागराज और वाराणसी जंक्शन से होकर गुजरेगी। अधिकारियों ने कहा कि इस अस्थायी सेवा से अधिक यात्रियों वाले सीजन के दौरान पूर्वांचल और बेंगलुरु के बीच सफर करने वाले यात्रियों को बहुत सुविधा मिलने की उम्मीद है।

राजस्थान के जैसलमेर व बाड़मेर में रविवार रात भी रहेगा ब्लैकआउट

जयपुर : पाकिस्तान की सीमा से सटे राजस्थान के कुछ जिलों में हालात जहां सामान्य हो रहे हैं वहीं जैसलमेर व बाड़मेर में प्रशासन ने रविवार की रात भी एहतियातन 'ब्लैकआउट' रखने की घोषणा की है। जैसलमेर जिला प्रशासन की ओर से जारी सूचना में कहा गया कि, 'एहतियात के तौर पर आज रविवार 11 मई को शाम 7:30 बजे से सुबह छह बजे तक ब्लैकआउट घोषित किया जाता है। सभी अपने घरों और आसपास की लाइटों को बंद रखें।' वहीं, बाड़मेर के जिला प्रशासन ने कहा, 'बाड़मेर जिले में वर्तमान परिस्थितियों के मद्देनजर आज रविवार 11 मई को रात्रि आठ बजे से सोमवार सुबह छह बजे तक ब्लैकआउट घोषित किया जाता है।' उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान की ओर से बृहस्पतिवार व शुक्रवार रात को जैसलमेर और बाड़मेर में ड्रोन हमले किए गए थे। भारतीय सशस्त्र बलों ने इन हमलों को हवा में ही विफल कर दिया और किसी भी तरह के जानमाल के नुकसान की खबर नहीं है। जोधपुर में प्रशासन की ओर से कहा गया है कि जोधपुर में कोई पूर्व निर्धारित 'ब्लैकआउट' नहीं होगा। हालांकि किसी भी आपातकालीन परिस्थिति में बिना किसी देरी के ब्लैकआउट लागू किया जा सकता है।

न्यूज अपडेट

अकेले खड़े होकर तस्वीरें खिंचवाने की बजाय सुरक्षाबलों के साथ खड़े होने का समय : अखिलेश

लखनऊ : पाकिस्तान के साथ सैन्य टकराव और नियंत्रण रेखा पर मौजूदा हालात के बीच समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रविवार को राजनेताओं से रक्षा संबंधी पृष्ठभूमि का इस्तेमाल फोटो खिंचवाने के अवसर के रूप में करने से बचने की अपील की। सपा प्रमुख ने रविवार को अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट में कहा कि वर्तमान के अति संवेदनशील माहौल में 'प्रतिरक्षा-सुरक्षा' और भी अधिक गंभीर विषय बन गया है। उन्होंने कहा कि राजनीतिज्ञों से आग्रह है कि कृपया इसे फोटो बैकग्राउंड अथवा सेल्फी प्वाइंट न बनाएं। ये आत्म-प्रदर्शन के लिए अकेले खड़े होकर तस्वीरें खिंचवाने की बजाय सैन्य बलों के साथ खड़े होने का समय है। हालांकि यादव ने सीधे तौर पर किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन उनकी इस टिप्पणी को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधने के रूप में देखा जा रहा है, जिन्होंने लखनऊ में एक कार्यक्रम में ब्रह्मोस मिसाइल के सामने फोटो खिंचवाई थी।

बिहार पुलिस में आठ 'ट्रांसजेंडर' समेत 21,391 कांस्टेबल की भर्ती

पटना: केंद्रीय कांस्टेबल चयन बोर्ड (सीएसबीसी) ने शुक्रवार को घोषणा की कि बिहार पुलिस में आठ 'ट्रांसजेंडरों' समेत 21,391 कांस्टेबलों की भर्ती की गई है। इन कांस्टेबल में से 19,958 को बिहार पुलिस और 1,433 को बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस बल में तैनात किया जाएगा। बोर्ड के बयान में कहा गया है, कुल 21,391 नव नियुक्त कांस्टेबल में 11,178 महिलाएं, 10,205 पुरुष और आठ ट्रांसजेंडर हैं। बयान के अनुसार, इनमें अनारक्षित श्रेणी से 8,556, अत्यंत पिछड़ा वर्ग से 3,842, अनुसूचित जाति से 3,400, पिछड़ा वर्ग से 2,570, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग से 2,140, अनुसूचित जनजाति से 228 और पिछड़े वर्ग की 655 महिलाओं का चयन किया गया। भर्ती प्रक्रिया दिसंबर 2024 में शुरू हुई थी और 10 मार्च 2025 को पूरी हुई।

राजस्थान : शहीद जवान सुरेंद्र कुमार का झुंझुनूं में सैन्य सम्मान के साथ अंतिम संस्कार

जयपुर : पाकिस्तानी हमले में शहीद हुए झुंझुनूं जिले के जवान सुरेंद्र कुमार का रविवार को उनके पैतृक गांव में सैन्य सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। बड़ी संख्या में लोगों ने नम आंखों से शहीद को अंतिम विदाई दी। पाकिस्तान की ओर से हुए हमले में भारतीय वायुसेना के असिस्टेंट मेडिकल सार्जेंट सुरेंद्र कुमार शनिवार को उधमपुर हवाई अड्डे पर शहीद हो गए थे। शहीद जवान का पार्थिव शरीर दिल्ली से सड़क मार्ग से उनके पैतृक गांव मंडावा पहुंचा। इसके बाद तिरंगा यात्रा शुरू हुई और जवान का पार्थिव शरीर मेहरादासी गांव में उनके घर पहुंचा। गांव में उनका सैन्य सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। सुरेंद्र कुमार के आठ साल के बेटे दक्ष ने अपने पिता को मुखाग्नि दी। शहीद जवान की अंतिम यात्रा में हजारों की संख्या में लोग मौजूद थे। जिन्होंने 'भारत माता की जय' और 'सुरेंद्र कुमार अमर रहें' के नारे लगाए। इस मौके पर सरकार की ओर से उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा, मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़, अविनाश गहलोत व झाबर सिंह खर्रा, सांसद मदन राठौड़ सहित बड़ी संख्या में जन प्रतिनिधि व अधिकारी मौजूद थे।

प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ आपत्तिजनक पोस्ट करने के मामले में प्राथमिकी दर्ज

सोनभद्र : उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले में पुलिस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट करने के मामले में प्राथमिकी दर्ज कर तीन आरोपियों को रविवार को हिरासत में लिया है। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) कालू सिंह ने बताया, शनिवार को अनपरा बाजार निवासी बालगोपाल चौरसिया ने शिकायत दर्ज कराई कि शब्बीर अंसारी, जुबैर अंसारी और इजहार ने अपने फेसबुक अकाउंट पर आपत्तिजनक सामग्री पोस्ट की है।

पाकिस्तान की गोलीबारी में मारे गये युवक और उसकी भतीजी को दफनाया गया

मुजफ्फरनगर : जम्मू-कश्मीर के राजौरी में एक औद्योगिक क्षेत्र के पास पाकिस्तान की गोलीबारी में मारे गये एक युवक और उसकी भतीजी के शवों को उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले के ककरौली थाना क्षेत्र स्थित उनके पैतृक गांव खाई खेड़ी में लाया गया और रविवार को बड़ी संख्या में लोगों की मौजूदगी में उन्हें दफना दिया गया। इस दौरान उमड़ी भीड़ ने नम आंखों से उन्हें अंतिम विदाई दी। पारिवारिक सूत्रों ने बताया कि जम्मू-कश्मीर के राजौरी में पाकिस्तानी गोलीबारी में मारे गए मुजफ्फरनगर जिले के साहिल (35) और उसकी दो वर्षीय भतीजी आयशा के शव आज उनके पैतृक गांव खाई खेड़ी में लाए गए और हजारों स्थानीय लोगों की मौजूदगी में उन्हें सुपुर्द-ए-खाक कर दिया गया। इस मौके पर ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के जिला अध्यक्ष मौलाना इमरान कासमी, पूर्व विधायक मौलाना जमील, दो जिला पंचायत सदस्य रवि और मोहम्मद मूसा समेत अन्य लोग शामिल थे। इस संदर्भ में पूछे जाने पर पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) देवव्रत बाजपेयी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, 'हमें अभी आधिकारिक सूचना नहीं मिली है, केवल स्थानीय लोगों से जानकारी मिली है। राजौरी में पाकिस्तानी गोलाबारी में मारे गए दो लोगों के शव खाई खेड़ी गांव में लाए गए हैं और कब्रिस्तान में दफना दिए गए हैं।' गांव के प्रधान शहजाद के अनुसार, राजौरी में पाकिस्तानी गोलीबारी में मारे गए दो लोगों के शव उनके परिवार के सदस्य लेकर आए और आज उन्हें दफना दिया गया। उन्होंने बताया कि उनके जनाजे में हजारों ग्रामीणों ने हिस्सा लिया।

भारत एवं पाकिस्तान के बीच सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति बनने के बाद पंजाब में शांति कायम

चंडीगढ़ : भारत और पाकिस्तान के बीच जमीन, वायु और समुद्र में सभी तरह की गोलेबारी और सैन्य कार्रवाई रोकने को लेकर बनी सहमति के बाद पंजाब में, खासकर राज्य के सीमावर्ती इलाकों में रविवार सुबह शांति रही। प्राधिकारियों ने लोगों से अपनी सामान्य गतिविधियां बहाल करने और शांति बनाए रखने को कहा है। सुबह करीब साढ़े आठ बजे, अमृतसर में जिला प्रशासन ने लोगों से अपनी सामान्य दिनचर्या फिर से शुरू करने को कहा। जालंधर जिला प्रशासन ने भी कहा कि चिंता की कोई बात नहीं है और लोग अपने काम सामान्य रूप से फिर से शुरू कर सकते हैं। जालंधर के उपायुक्त (डीसी) हिमांशु अग्रवाल ने कहा, 'जालंधर में सब ठीक है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, चिंता की कोई बात नहीं है और काम सामान्य रूप से फिर से शुरू हो सकता है। सुरक्षा बल लगातार नजर रखे हुए हैं।' जिला प्राधिकारियों ने लोगों से पटाखे नहीं चलाने और ड्रोन न उड़ाने का अनुरोध किया है। अग्रवाल ने कहा, 'अगर इलाके में किसी भी तरह के खतरे की कोई सूचना मिलती है तो हम आपको समय पर सूचित करेंगे और तत्काल कदम उठाएंगे।' संगरूर जिला प्राधिकारियों ने लोगों से किसी भी अफवाह पर ध्यान न देने और शांत रहने का आग्रह किया। इस बीच, पाकिस्तान के साथ 553 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करने वाले पंजाब में लोगों को सामान्य गतिविधियां करते देखा गया। खासकर अमृतसर, पठानकोट और फिरोजपुर जैसे सीमावर्ती जिलों में सुबह की सैर कर रहे लोगों ने देश के सशस्त्र बलों को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, 'यह हमारी सेनाओं की वजह से है कि आप हमें आज बिना किसी डर के यहां देख रहे हैं। पिछले कुछ दिनों में हमने देखा कि पाकिस्तान ने पंजाब और कुछ अन्य राज्यों के कई हिस्सों को निशाना बनाकर कैसे ड्रोन हमले किए।' अमृतसर निवासी अमरजीत सिंह ने कहा, 'लेकिन हमारी बहादुर सेना ने ढाल बनकर काम किया और उनके दुस्साहस को विफल कर दिया। उन्होंने आतंकवाद के अपराधियों को कड़ा जवाब दिया और 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत आतंकवादी शिविरों को नष्ट कर दिया। अब जब एक सहमति बन गई है तो हम उम्मीद करते हैं कि शांति बनी रहेगी लेकिन अगर पाकिस्तान फिर से कोई दुस्साहस करता है तो उसे कड़ा जवाब दिया जाएगा।' अमृतसर के एक अन्य निवासी पवन कुमार ने कहा कि तनाव के दिनों के बाद हालात सामान्य हो गए हैं। उन्होंने कहा, 'पिछले कुछ दिनों में तनावपूर्ण स्थिति के कारण अमृतसर में पर्यटकों की संख्या में गिरावट देखी गई। अब, उम्मीद है कि शांति बनी रहेगी।' पठानकोट की रहने वाली सिमरन ने कहा, 'हालांकि पिछले कुछ दिनों से लोग चिंतित थे लेकिन हमें भरोसा था कि किसी भी पाकिस्तानी दुस्साहस से हमारी रक्षा के लिए हमारे सशस्त्र बल मौजूद हैं।'

नीतीश कुमार ने जम्मू कश्मीर में बीएसएफ उपनिरीक्षक की शहादत पर शोक व्यक्त किया

पटना/सारण : बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के उपनिरीक्षक मोहम्मद इम्तियाज की शहादत पर शोक व्यक्त किया, जो शनिवार को जम्मू-कश्मीर के आरएस पुरा सेक्टर में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर भारी पाकिस्तानी गोलीबारी में शहीद हो गए। सोमवार को उनका पार्थिव शरीर सारण जिले के नारायणपुर गांव स्थित उनके घर लाए जाने की उम्मीद है, जहां पूरे राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। रविवार को मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) द्वारा जारी एक बयान में कहा गया, 'मुख्यमंत्री ने मोहम्मद इम्तियाज की शहादत पर गहरा शोक व्यक्त किया, जो शनिवार को जम्मू-कश्मीर के आर एस पुरा सेक्टर में अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर तैनात बीएसएफ इकाई में भारी पाकिस्तानी गोलीबारी में शहीद हो गए थे।' कुमार ने कहा कि इम्तियाज के बलिदान को हमेशा गर्व और कृतज्ञता के साथ याद किया जाएगा। उन्होंने कहा, 'मैं शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। उनकी आत्मा को शांति मिले। उनका अंतिम संस्कार पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया जाएगा।' बयान में कहा गया है कि राज्य सरकार की नीति के अनुसार, शोक संतप्त परिवार के सदस्यों को अनुग्रह राशि दी जाएगी। सारण के जिलाधिकारी अमन समीर ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, 'सोमवार को इम्तियाज के पैतृक गांव में पूरे राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा।' इम्तियाज की मौत की खबर से उनके गांव में शोक की लहर दौड़ गई। रविवार को गांव के लोग उनके घर पर शोक संतप्त परिजनों को सांत्वना देने के लिए एकत्र हुए। इम्तियाज के एक रिश्तेदार आफताब ने संवाददाताओं से कहा, 'इम्तियाज के सर्वोच्च बलिदान पर सभी को गर्व है। वह सेना में शामिल होने को लेकर बहुत उत्साहित था। मैंने उसे कड़ी मेहनत करते देखा था।'

अभी घर वापस न जाएं सीमावर्ती गांवों के निवासी, सुरक्षित स्थानों पर रहें: जम्मू-कश्मीर पुलिस

श्रीनगर/जम्मू : सीमापार से हो रही गोलाबारी के कारण अपने घर छोड़कर जाने वाले सीमावर्ती गांवों के निवासियों से रविवार को जम्मू-कश्मीर में अधिकारियों ने कहा कि वे फिलहाल अपने घर वापस न लौटें, क्योंकि अभी इन क्षेत्रों की गहन जांच की जानी है और उस गोला-बारूद को हटाना है, जो वहां पड़ा हो सकता है। नियंत्रण रेखा (एलओसी) और अंतरराष्ट्रीय सीमा (आईबी) के निकट स्थित गांवों के दो लाख से अधिक निवासियों को सात मई को पाकिस्तान की ओर से गोलीबारी शुरू होने के बाद सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया था। कश्मीर घाटी में पुलिस की ओर से जारी एक परामर्श में कहा गया, ''सीमावर्ती गांवों में वापस न लौटें। पाकिस्तानी गोलाबारी के बाद वहां गोला-बारूद के बिखरे होने से जान जोखिम में पड़ सकती है।'' परामर्श में कहा गया है कि बम निरोधक दस्तों को प्रभावित क्षेत्रों में भेजा जाएगा ताकि गांवों की गहनता से जांच की जा सके और उन सभी गोला-बारूद को हटाया जा सके, जिनसे जान का नुकसान हो सकता है। इसमें कहा गया है, ''2023 में नियंत्रण रेखा के पास बचे हुए गोला-बारूद में विस्फोट होने से 41 लोगों की जान चली गई थी।'' जम्मू क्षेत्र में, सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली से लैस पुलिस वाहन सबसे अधिक प्रभावित पुंछ जिले में चक्कर लगाते देखे गए और लोगों से घरों, परिसरों या खुले मैदानों में पड़ी किसी भी संदिग्ध वस्तु को न छूने का आग्रह किया। पुलिस ने कहा, अपने घरों को लौट रहे लोगों को सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध वस्तु के बारे में तुरंत पुलिस या निकटतम सुरक्षा शिविर को सूचित करने की सलाह दी जाती है। संदिग्ध वस्तु जान के लिए खतरनाक हो सकती है। भारत ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में 26 लोगों की मौत होने के बाद बुधवार को 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान और इसके कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकवादियों के नौ ठिकानों पर हमला किया था। तब से लेकर अब तक भारत में 25 लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें सबसे अधिक 18 लोगों की मौत पुंछ में हुई है और 50 से अधिक लोग घायल हुए हैं।

न्यूज इन ब्रीफ

यदि भारत में 10 अब्दुल कलाम हों, तो हम अनुसंधान एवं विकास में सफल हो सकते हैं: वैज्ञानिक रामाराव

बेंगलुरु : रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के पूर्व वैज्ञानिक प्रह्लाद रामाराव ने रविवार को कहा कि अगर भारत में 10 अब्दुल कलाम हों तो अनुसंधान और विकास के तरीके में सचमुच बदलाव लाया जा सकता है। बेंगलुरु निवासी रामाराव भारत के 'मिसाइल मैन' और पूर्व राष्ट्रपति ए पी जे अब्दुल कलाम द्वारा गठित मिसाइल निर्माण टीम का हिस्सा थे। उन्होंने और उनकी टीम ने सतह से हवा में मार करने वाली आकाश नामक स्वदेशी मिसाइल प्रणाली पर 1983 से लगभग 15 वर्षों तक काम किया था। अब उनके लिए गौरव का क्षण है क्योंकि इसने विशेष रूप से आठ और नौ मई को पाकिस्तानी मिसाइलों तथा ड्रोन हमलों का डटकर सामना किया।

एनआईए ने बिहार से प्रमुख खालिस्तानी आतंकवादी को गिरफ्तार किया

नयी दिल्ली : राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने विदेश में रह रहे बब्बर खालसा के आतंकवादी हरविंदर सिंह संधू उर्फ रिंदा से जुड़े एक प्रमुख खालिस्तानी आतंकवादी को रविवार को बिहार से गिरफ्तार किया। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि वह (संधू) 2016 में पंजाब की नाभा जेल से भागने वाले कुख्यात अपराधियों में से एक है। बयान में कहा गया कि यह सफलता तब मिली जब एनआईए ने स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर खालिस्तानी आतंकवादी साजिश के एक मामले में पंजाब के लुधियाना निवासी कश्मीर सिंह गलवाड्डी को बिहार के मोतिहारी से पकड़ लिया। इसमें कहा गया है कि कश्मीर सिंह नाभा जेल से भागने के बाद से रिंदा सहित घोषित खालिस्तानी आतंकवादियों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ा हुआ था।

दिल्ली हवाई अड्डे पर रविवार को करीब 100 उड़ानें रद्द

नयी दिल्ली : दिल्ली हवाई अड्डे से प्रस्थान और आगमन वाली करीब 100 उड़ानें रविवार को रद्द कर दी गईं। एक सूत्र ने यह जानकारी दी। भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष के मद्देनजर सुरक्षा उपाय बढ़ा दिए गए हैं तथा देश के उत्तरी और पश्चिमी हिस्सों में कम से कम 32 हवाई अड्डों को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। भारत और पाकिस्तान के बीच शनिवार को जमीन, हवा और समुद्र में सभी तरह की सैन्य कार्रवाइयों को तत्काल प्रभाव से रोकने पर सहमत हो गये थे। सूत्रों के अनुसार, 52 घरेलू प्रस्थान और 44 आगमन तथा एक अंतरराष्ट्रीय प्रस्थान उड़ान रद्द कर दी गई। सुबह पांच बजे से शाम साढ़े चार बजे के बीच की इन उड़ानों को रद्द किया गया। दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (डायल) ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''दिल्ली हवाई अड्डा सामान्य रूप से संचालित हो रहा है। हालांकि, हवाई क्षेत्र की आवाजाही में परिवर्तन और सुरक्षा उपायों में वृद्धि के कारण, कुछ उड़ानों के कार्यक्रम और सुरक्षा जांच केंद्रों पर लगने वाला समय प्रभावित हो सकता है।''

दिल्ली में चार अवैध बांग्लादेशी गिरफ्तार, निर्वासन प्रक्रिया शुरू

नयी दिल्ली : दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के वसंत विहार इलाके में अवैध रूप से रह रहे चार बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बिना वैध दस्तावेजों के भारत में रह रहे आरिफ (19), असदुल (30), आसिया बेगम (47) और जुहूर अली (80) को गिरफ्तार किया गया। चारों को निर्वासन की कार्यवाही के लिए हिरासत केंद्र भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार, इलाके में अवैध प्रवासियों को चिह्नित करने के लिए एक टीम को गश्त बढ़ाने को कहा गया था। गश्त के दौरान, टीम को तीन पुरुषों और एक महिला के बारे में जानकारी मिली। रुकने का इशारा करने पर, उन्होंने भागने की कोशिश की, लेकिन पीछा करके उन्हें पकड़ लिया गया।

सिक्किम में नयी रेलवे लाइन बिछेगी, केंद्र ने अंतिम सर्वेक्षण के लिए मंजूरी दी

गुवाहाटी : सिक्किम में मेली से डेंटम तक जोरथांग और लेगशिप के रास्ते नयी रेलवे लाइन बिछाने के लिए अंतिम सर्वेक्षण को रेल मंत्रालय ने मंजूरी दे दी है। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। इस सर्वेक्षण को पूर्वोत्तर सीमा रेलवे द्वारा 2.25 करोड़ रुपये की लागत से पूरा किया जाएगा। यह निर्णय सिक्किम के दक्षिणी और पश्चिमी क्षेत्रों में रेल संपर्क का विस्तार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। प्रस्तावित मार्ग का उद्देश्य एक महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की कमी को पूरा करना है जो भारत-नेपाल सीमा के पास चिवाभंजयांग में स्थित डेंटम जैसे दूरदराज के शहरों को रेलवे नेटवर्क से जोड़ता है। शुरुआती सर्वेक्षण के तहत नए रेल मार्ग की लंबाई 75 किलोमीटर होगी और यह निर्माणाधीन सिवोक-रंगपो रेलवे परियोजना का विस्तार कर बिछाई जाएगी। सिवोक-रंगपो रेलवे परियोजना के 2027 तक चालू होने की उम्मीद है।

प्रधानमंत्री मोदी ने ग्रामीण दिल्ली में कैंसर जागरूकता पहल की सराहना की

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हाल में 'पालम 360 खाप' के पूर्व प्रमुख चौधरी रामकरण सोलंकी को उनकी चौथी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की तथा उनकी स्मृति में शुरू किए गए ''कैंसर मुक्त दिल्ली ग्रामीण'' अभियान की सराहना की। उनके बेटे और खाप के वर्तमान प्रमुख चौधरी सुरेन्द्र सोलंकी द्वारा अमेरिक्स कैंसर अस्पताल के सहयोग से चलाए जा रहे इस अभियान का उद्देश्य कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाना और दिल्ली के ग्रामीण क्षेत्रों में मुफ्त जांच उपलब्ध कराना है। मोदी द्वारा नौ मई को लिखे गए पत्र में कहा गया है, ''मैं आदरणीय चौधरी रामकरण सोलंकी जी की चौथी पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। इस मौके पर मुझे चौधरी सुरेन्द्र सोलंकी जी द्वारा उनकी स्मृति में द्वारका, दिल्ली में आयोजित कैंसर मुक्त दिल्ली ग्रामीण कार्यक्रम के बारे में जानकर खुशी हुई। चौधरी रामकरण सोलंकी जी द्वारा समाज के लिए किए गए कार्य तथा उनके आदर्शों एवं मूल्यों को आगे बढ़ाने का यह प्रयास सराहनीय है।'' प्रधानमंत्री ने किसानों, मजदूरों और हाशिए पर पड़े समुदायों के कल्याण के लिए सोलंकी की अटूट प्रतिबद्धता की सराहना की और आयुष्मान भारत तथा आयुष्मान आरोग्य मंदिर जैसी राष्ट्रीय स्वास्थ्य पहल के साथ अभियान के महत्व पर प्रकाश डाला। मोदी ने पत्र में लिखा है, ''ग्रामीण मुद्दों और सामाजिक सेवा से संबंधित उनके कार्य हमेशा याद रखे जाएंगे।'' इस अभियान को गृह मंत्री अमित शाह, भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जे पी नड्डा और दक्षिण दिल्ली के भाजपा सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी समेत कई प्रमुख राजनीतिक हस्तियों का समर्थन प्राप्त हुआ है।

भारत आतंकवाद को लेकर कोई समझौता नहीं करेगा, इसके पास पाकिस्तान को मिटाने की क्षमता है: शिंदे

मुंबई : महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने रविवार को कहा कि भारत की आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति रही है और वह पाकिस्तान को विश्व मानचित्र से मिटाने की क्षमता रखता है। शिंदे ने भारत और पाकिस्तान के बीच चार दिन तक सीमा के आर-पार ड्रोन और मिसाइल हमलों के बाद तत्काल प्रभाव से जमीन, हवा और समुद्र पर सभी गोलीबारी और सैन्य कार्रवाइयों को रोकने के लिए सहमति बनने के एक दिन बाद यह टिप्पणी की। शिंदे ने पत्रकारों से कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पाकिस्तान को सख्त संदेश दिया है कि आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। भारत आतंकवाद को लेकर किसी भी तरह का समझौता नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि भारत के पास बाहरी खतरों से निपटने की ताकत है। शिंदे ने कहा, भारत के पास पाकिस्तान को विश्व मानचित्र से मिटाने की क्षमता है। उसे भारत के सख्त रुख से सबक लेना चाहिए।

जिन लोगों ने संविधान को खारिज किया, उनके वंशज आज उसका बचाव कर रहे हैं : थरूर

नयी दिल्ली : कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने शनिवार को कहा कि यह बेहद खुशी की बात है कि जिन लोगों ने संविधान को खारिज किया था, उनके वंशज आज इसका उत्सव मना रहे हैं और इसका बचाव कर रहे हैं। थरूर ने शनिवार को अपनी पुस्तक 'अवर लिविंग कॉन्स्टीट्यूशन' के विमोचन के अवसर पर कहा कि समाज और संविधान दोनों विकसित हो रहे हैं तथा इस प्रक्रिया में हम धीरे-धीरे भारत के सामाजिक ताने-बाने में 'संवैधानिक मूल्यों और संवैधानिक नैतिकता का समावेश' देख रहे हैं। उन्होंने कहा, ''आज हिंदुत्व आंदोलन से जुड़े लोग संविधान के सबसे कट्टर समर्थकों और उसके रक्षकों में शामिल हैं। प्रधानमंत्री कहते हैं कि यह एकमात्र पवित्र पुस्तक है। और आप ऐसी स्थिति देख रहे हैं जिसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने भी संविधान के प्रति समर्थन और निष्ठा की शपथ ली है और इसकी सुरक्षा की बात की है।'' उन्होंने कहा कि संघ के पुराने नेताओं ने संविधान की 'जड़ से लेकर शाखा' तक को यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि यह गलत भाषा में लिखा गया है और इसमें पश्चिमी विचार समाहित हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने संविधान को लेकर संघ नेताओं के बदले हुए रुख के बारे में कहा, '' ...आज उनके बौद्धिक वैचारिक वंशज ही संविधान की शपथ ले रहे हैं और उसका बचाव कर रहे हैं। उनके विचार भी समय के साथ बदले हैं, समाज भी विकसित हो रहा है। फैसले बदल गए हैं, 106 संशोधनों के साथ हमारी व्याख्याएं बदल गई हैं और यही वास्तव में संविधान की ताकत है।''

पाकिस्तान द्वारा सीमा पार से की गई गोलीबारी में घायल हुआ एक और जवान शहीद

नयी दिल्ली : जम्मू क्षेत्र में एक दिन पहले पाकिस्तान द्वारा सीमा पार से की गई गोलीबारी में घायल हुआ एक और जवान शहीद हो गया। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने रविवार को यह जानकारी दी। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, ''कॉन्स्टेबल दीपक चिमंगाखम 10 मई को जम्मू जिले के आर एस पुरा इलाके में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सीमा पार से हुई गोलीबारी के दौरान गंभीर रूप से घायल हो गए थे और 11 मई को शहादत प्राप्त की।'' पोस्ट में कहा गया कि बीएसएफ महानिदेशक और सभी अधिकारी उनके परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं। शनिवार को पाकिस्तान की ओर से की गई गोलाबारी में बीएसएफ की 7वीं बटालियन के आठ जवान घायल हो गए थे, जिनमें उपनिरीक्षक मोहम्मद इम्तियाज बाद में शहीद हो गए थे। इम्तियाज के लिए रविवार को जम्मू के पलौरा स्थित बीएसएफ के फ्रंटियर मुख्यालय में पूरे सैन्य सम्मान के साथ पुष्पांजलि अर्पित की गई। उनका अंतिम संस्कार सोमवार को बिहार के सारण जिले में उनके पैतृक गांव नारायणपुर में किया जाएगा। चिमंगाखम के सम्मान में इसी प्रकार से सोमवार को बीएसएफ के फ्रंटियर मुख्यालय में पुष्पांजलि अर्पित की जाएगी।

बिना सुनवाई के कैदी को हिरासत में रखना मुकदमा पूर्व सजा के समान, जमानत नियम है: अदालत

मुंबई : जमानत के सिद्धांत को नियम और इनकार को अपवाद बताते हुए बंबई उच्च न्यायालय ने कहा कि बिना सुनवाई के किसी कैदी को लंबे समय तक हिरासत में रखना 'मुकदमे से पहले सजा' के समान है। न्यायमूर्ति मिलिंद जाधव की पीठ ने नौ मई को राज्य की जेलों में क्षमता से अधिक कैदियों के होने का भी संज्ञान लिया और कहा कि अदालतों को संतुलन बनाने की जरूरत है। पीठ ने 2018 में अपने भाई की हत्या करने के आरोप में गिरफ्तार विकास पाटिल को जमानत देते हुए ये टिप्पणियां कीं। न्यायमूर्ति जाधव ने कहा कि आजकल मुकदमों को पूरा होने में काफी समय लग रहा है और कुछ क्षेत्रों में जेलों में क्षमता से अधिक कैदी हैं। पीठ ने कहा कि वह नियमित रूप से ऐसे मामलों की सुनवाई करती है, जहां विचाराधीन कैदी लंबे समय से हिरासत में हैं तथा वह जेलों की स्थिति से भी अच्छी तरह वाकिफ है। न्यायमूर्ति जाधव ने आर्थर रोड जेल के अधीक्षक की दिसंबर 2024 की रिपोर्ट का हवाला दिया, जिसमें कहा गया था कि जेल में स्वीकृत क्षमता से छह गुना अधिक कैदी हैं। न्यायालय ने कहा कि प्रत्येक बैरक में केवल 50 कैदियों को रखने की अनुमति होती है, लेकिन आज की तारीख में वहां 220- 250 कैदी हैं। न्यायमूर्ति जाधव ने कहा, ''इस तरह की असंगति हमें इस प्रश्न का उत्तर देने के लिए प्रेरित करती है: न्यायालय दो ध्रुवों के बीच संतुलन कैसे बना सकता है?'' अदालत ने कहा कि ये मामले विचाराधीन कैदियों की स्वतंत्रता से संबंधित हैं, जो लंबे समय से जेल में बंद हैं, जिससे उनके त्वरित न्याय पाने और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के संवैधानिक अधिकार पर असर पड़ता है। अदालत ने कहा कि मूल नियम यह है कि जमानत नियम है और इनकार अपवाद है।

संविधान सर्वोच्च है, सेवानिवृत्ति के बाद नहीं लूंगा कोई पद: मनोनीत प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई

नयी दिल्ली : मनोनीत प्रधान न्यायाधीश भूषण रामकृष्ण गवई ने रविवार को कहा कि वह सेवानिवृत्ति के बाद किसी भी तरह का पद नहीं लेंगे। उन्होंने संविधान को सर्वोच्च बताकर इस बहस पर विराम लगा दिया कि संसद या न्यायपालिका में से कौन श्रेष्ठ है। न्यायमूर्ति गवई 14 मई को देश के प्रधान न्यायाधीश का पद ग्रहण करेंगे और वह इस पद पर पहुंचने वाले पहले बौद्ध होंगे। उन्होंने यहां अपने आवास पर पत्रकारों के साथ अनौपचारिक बातचीत में कहा कि शीर्ष अदालत के न्यायाधीश पहलगाम आतंकवादी हमले के बारे में सुनकर स्तब्ध थे। उन्होंने प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना के अनुपस्थित रहने के कारण उनके द्वारा बुलाई गई पूर्ण न्यायालय बैठक का भी जिक्र किया। न्यायमूर्ति गवई ने लंबित मामलों से लेकर अदालतों में रिक्तियों, न्यायाधीशों द्वारा राजनीतिक नेताओं सहित आम लोगों से मुलाकात और न्यायपालिका के खिलाफ बयानों जैसे मुद्दों पर बात की। उन्होंने कहा, ''जब देश संकट में हो तो उच्चतम न्यायालय अलग नहीं रह सकता। हम भी देश का हिस्सा हैं।'' राजनीतिक नेताओं और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के इस बयान के बारे में पूछे गए सवालों के जवाब में कि संसद सर्वोच्च है, उन्होंने कहा, ''संविधान सर्वोच्च है। केशवानंद भारती मामले में 13 न्यायाधीशों की पीठ ने भी यही कहा है।'' न्यायाधीशों द्वारा सेवानिवृत्ति के बाद राज्यपाल जैसे राजनीतिक पद स्वीकार करने से संबंधित प्रश्न पर न्यायमूर्ति गवई ने कहा, ''मेरी कोई राजनीतिक महत्वाकांक्षा नहीं है... मैं सेवानिवृत्ति के बाद कोई पद नहीं लूंगा।''

प्रतिमा ढहने के नौ महीने बाद मालवन में शिवाजी महाराज की 91 फुट ऊंची प्रतिमा का अनावरण

मालवन : महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग जिले के राजकोट किले में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा ढहने के करीब नौ महीने बाद रविवार को उसी स्थान पर शिवाजी की 91 फुट ऊंची नयी प्रतिमा का अनावरण किया गया। पिछली 35 फुट ऊंची प्रतिमा स्थापना के आठ महीने से भी कम समय में पिछले साल अगस्त में ढह गई थी, जिसके कारण सरकार के खिलाफ व्यापक आक्रोश फैल गया था। उस प्रतिमा का अनावरण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चार दिसंबर 2023 को नौसेना दिवस समारोह के दौरान किया था। इस प्रतिमा के ढहने के कारण मूर्तिकार-ठेकेदार जयदीप आप्टे को गिरफ्तार कर लिया गया था। मालवन के किले में नयी प्रतिमा के अनावरण के अवसर पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि इस बात का पूरा ध्यान रखा गया है कि नयी प्रतिमा किसी भी वातावरण में कम से कम 100 साल तक टिकी रहे। प्रतिमा के रखरखाव का जिम्मा इसे बनाने वालों को दिया गया है। उन्होंने कहा, ''यह प्रतिमा 91 फुट ऊंची है और इसका आधार 10 फुट ऊंचा है।'' प्रतिमा बनाने का ठेका प्रसिद्ध मूर्तिकार राम सुतार और अनिल सुतार की फर्म राम सुतार आर्ट क्रिएशंस प्राइवेट लिमिटेड को दिया गया, जिसने गुजरात में 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' का निर्माण किया था। फडणवीस ने कहा कि यह प्रतिमा भीषण तूफानों को झेलने में सक्षम है। उन्होंने कहा कि यह शायद देश में छत्रपति शिवाजी की सबसे बड़ी प्रतिमा है।

उच्च न्यायालय ने राजकुमार राव अभिनीत फिल्म 'भूल चूक माफ' के ओटीटी पर रिलीज पर रोक लगायी

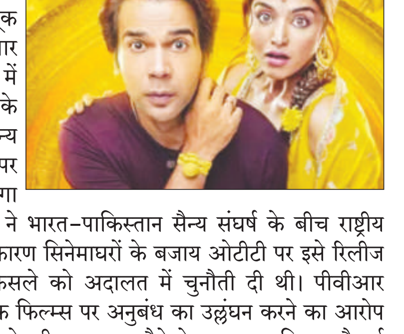

मुंबई : बंबई उच्च न्यायालय ने राजकुमार राव अभिनीत फिल्म 'भूल चूक माफ' को पीवीआर आईनॉक्स सिनेमाघरों में रिलीज के बाद आठ हफ्ते के लिए ओटीटी या किसी अन्य मंच पर प्रदर्शित करने पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी है। 'मल्टीप्लेक्स चेन' ने भारत-पाकिस्तान सैन्य संघर्ष के बीच राष्ट्रीय सुरक्षा चिंता बढ़ जाने के कारण सिनेमाघरों के बजाय ओटीटी पर इसे रिलीज करने के निर्माताओं के फैसले को अदालत में चुनौती दी थी। पीवीआर आईनॉक्स ने निर्माता मैडॉक फिल्म्स पर अनुबंध का उल्लंघन करने का आरोप लगाया। छह मई को दोनों के बीच हुए समझौते के तहत यह फिल्म नौ मई को देशभर में सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी । इसी के साथ इस समझौते में यह भी कहा गया था कि उसे उसके बाद आठ हफ्ते तक ओटीटी या किसी अन्य मंच पर रिलीज नहीं किया जाएगा। पीवीआर आईनॉक्स के वकील दिनयार मदोन ने दलील दी कि लेकिन निर्माताओं ने रिलीज से ठीक एक दिन पहले समझौता समाप्त कर दिया और 16 मई को ओटीटी रिलीज करने की घोषणा कर दी। मैडॉक के वकील वेंकटेश धोंड ने कहा कि आठ सप्ताह का 'स्थगन' उपबंध केवल तभी लागू होगा जब फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

भगवान बुद्ध के आदर्शों को अपनाकर सामंजस्यपूर्ण भारत के निर्माण में योगदान दें: मुर्मू

नयी दिल्ली : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुद्ध पूर्णिमा की पूर्व संध्या पर रविवार को लोगों को शुभकामनाएं दीं और सभी से भगवान बुद्ध के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने तथा शांतिपूर्ण, सामंजस्यपूर्ण और विकसित भारत के निर्माण में योगदान देने को कहा। राष्ट्रपति ने एक संदेश में कहा कि करुणा के अवतार भगवान बुद्ध द्वारा दिया गया अहिंसा, प्रेम और दया का अमर संदेश मानव जाति के कल्याण का मूल मंत्र है। मुर्मू ने कहा, ''उनके आदर्श समानता, सद्भाव और सामाजिक न्याय के शाश्वत मूल्यों में हमारी आस्था को मजबूत करते हैं। उनकी शिक्षाएं हमें नैतिकता पर आधारित जीवन जीने के लिए प्रेरित करती हैं।'' बुद्ध पूर्णिमा पर गौतम बुद्ध की जयंती मनाई जाती है, जिनका जन्म नेपाल के लुंबिनी में हुआ था और उन्होंने भारत के कुशीनगर में मोक्ष प्राप्त किया था। राष्ट्रपति ने कहा, ''आइये हम भगवान बुद्ध के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाएं और एक शांतिपूर्ण, सामंजस्यपूर्ण और विकसित भारत के निर्माण में योगदान दें।'' राष्ट्रपति कार्यालय की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, मुर्मू ने बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर दुनिया भर में भगवान बुद्ध के सभी अनुयायियों और देशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं।

जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल और उपमुख्यमंत्री ने जम्मू में शहीद बीएसएफ अधिकारी को श्रद्धांजलि दी

जम्मू : जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी रविवार को यहां सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के उपनिरीक्षक मोहम्मद इम्तियाज को श्रद्धांजलि देने के लिये आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। इम्तियाज ने पाकिस्तान की ओर से सीमा पार से की गई गोलीबारी में सर्वोच्च बलिदान दिया। मंत्री सतीश शर्मा, बीएसएफ के महानिरीक्षक (जम्मू फ्रंटियर) शशांक आनंद, जम्मू के संभागीय आयुक्त रमेश कुमार, जम्मू के पुलिस महानिरीक्षक भीम सेन टूटी के अलावा बीएसएफ, पुलिस और प्रशासनिक के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी इम्तियाज के पार्थिव शरीर पर पुष्पांजलि अर्पित करने के लिये पहुंचे। शनिवार को आर एस पुरा सेक्टर में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बीएसएफ की एक चौकी के पास पाकिस्तान की ओर से दागे गये मोर्टार के गोले के फटने से बिहार निवासी उपनिरीक्षक इम्तियाज शहीद हो गए और उनके सात साथी घायल हो गए। उपराज्यपाल ने कहा, ''मैं बीएसएफ के हमारे बहादुर जवान के सर्वोच्च बलिदान को सलाम करता हूं। उनकी वीरता और बलिदान को कभी नहीं भुलाया जाएगा। पूरा देश दुख की इस घड़ी में शहीद के परिवार के साथ मजबूती से खड़ा है।'' सिन्हा ने अधिकारी के शोकाकुल बेटे से भी मुलाकात की और परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। पुष्पांजलि के बाद, तिरंगे में लिपटे ताबूत में अधिकारी का पार्थिव शरीर अंतिम संस्कार के लिए उनके गृह नगर भेजा गया।

भीषण गर्मी से बचने के लिए मिट्टी की दीवारें, चेक डैम और नीम के पत्तों का इस्तेमाल कर रहे ग्रामीण

नयी दिल्ली : भारत में भीषण गर्मी के आगामी मौसम से निपटने की तैयारियों के बीच गर्मी की मार झेलने वाले राज्यों के ग्रामीण समुदाय बढ़ते तापमान से खुद को बचाने के लिए पारंपरिक और कम लागत वाले समाधानों की ओर रुख कर रहे हैं। ग्रामीण लोग 'चेक डैम' बनाने से लेकर देसी पेड़ लगाने और दिनचर्या में बदलाव करने समेत गर्मी से निपटने के लिए जमीनी स्तर पर उपाय कर रहे हैं। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, उत्तर प्रदेश, बिहार, गुजरात और राजस्थान समेत उत्तरी और पश्चिमी भारत के राज्यों में लू वाले दिनों की संख्या में 7-8 दिन तक की वृद्धि होने का अनुमान है। देश के सबसे गर्म जिलों में शामिल मध्यप्रदेश के बड़वानी जिले में पिछले साल तापमान 50 डिग्री सेल्सियस से ऊपर चला गया था। मध्यप्रदेश के मंडला जिले के बीजाडांडी ब्लॉक की मालती यादव को वह समय याद है जब उनके छोटे से गांव में पानी एक दुर्लभ चीज हो गई थी। उन्होंने कहा, हमारे गांव में गंभीर जल संकट था। जो लोग पहले जाग जाते थे उन्हें पानी मिल जाता था, बाकी लोगों को नहीं मिलता था। बड़वानी के राजपुर ब्लॉक के भागसुर गांव की निवासी सीमा नरगावे ने बताया कि रात 9-10 बजे तक तो दीवारों में भी आग सी लगती रहती है। हालांकि, मालती और सीमा जैसे कई ग्रामीण आगामी गर्मी से बचने के लिए पारंपरिक ज्ञान पर आधारित और कम लागत वाले समाधानों का इस्तेमाल कर रहे हैं। आज, मालती और उसके स्वयं सहायता समूह की अन्य महिलाएं चेक डैम बनाने और गांव के छह तालाबों को पुनर्जीवित करने की दिशा में काम कर रही हैं। उन्होंने कहा, अब हम भूजल और अपने पंप को रिचार्ज करने के लिए वर्षा जल का भंडारण करते हैं।

जनगणना में जातिगत गणना के लिए पुराने कानून में बदलाव की जरूरत नहीं: अधिकारी

नयी दिल्ली : जनगणना करने वालों को जनता से जाति का विवरण मांगने की अनुमति देने के लिए सत्तर साल से अधिक पुराने जनगणना अधिनियम में बदलाव की आवश्यकता नहीं होगी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 1948 के इस कानून में अंतिम बार 1994 में संशोधन किया गया था। उन्होंने कहा कि यह कानून केंद्र सरकार को जनता से विवरण मांगने का अधिकार देता है, जैसा कि फॉर्म में उल्लेख किया जा सकता है। वर्ष 1881 से 1931 के बीच देश में ब्रिटिश शासन के दौरान की गई जनगणना के दौरान सभी जातियों की गणना की गई थी। लेकिन 1951 में स्वतंत्र भारत की पहली जनगणना के समय तत्कालीन सरकार ने अनुसूचित जातियों और जनजातियों को छोड़कर अन्य जातियों की गणना न करने का निर्णय लिया। एक दशक बाद 1961 में, केंद्र सरकार ने राज्यों से कहा कि यदि वे चाहें तो अपने स्वयं के सर्वेक्षण करें और ओबीसी की राज्य-विशिष्ट सूचियां तैयार करें। अब छह दशक से अधिक समय बाद तथा विभिन्न पक्षों और विभिन्न दलों की मांगों के बाद सरकार ने पिछले महीने अगली राष्ट्रव्यापी जनगणना में जाति गणना को शामिल करने का निर्णय लिया। कानून की धारा 8 का हवाला देते हुए अधिकारियों ने बताया कि जनगणना अधिकारी ''ऐसे सभी प्रश्न पूछ सकते हैं'' जिन्हें ''पूछने के लिए उन्हें निर्देश दिये गये हों''। प्रत्येक व्यक्ति जिससे कोई प्रश्न पूछा जाता है, वह अपने बेहतर ज्ञान या विश्वास के अनुसार उस प्रश्न का उत्तर देने के लिए कानूनी रूप से बाध्य होगा। लेकिन कोई भी व्यक्ति अपने परिवार की किसी महिला सदस्य का नाम बताने के लिए बाध्य नहीं होगा और साथ ही कोई भी महिला अपने पति या मृत पति या किसी अन्य व्यक्ति का नाम बताने के लिए बाध्य नहीं होगी, जिसका नाम बताने से उसे प्रथाओं के तहत मना किया गया है। अधिकारियों ने यह भी रेखांकित किया कि जनगणना अधिकारियों के साथ जनता द्वारा साझा किए गए विवरण का इस्तेमाल किसी के खिलाफ नहीं किया जा सकता है और यह गोपनीय है। जनगणना का कार्य अप्रैल 2020 में शुरू होना था, लेकिन कोविड महामारी के कारण इसमें देरी हो गई।

दीपिका, सालुंखे ने कांस्य पदक जीता, तीरंदाजी विश्व कप में भारत को सात पदक

शंघाई : भारत की सबसे सफल तीरंदाज दीपिका कुमारी सेमीफाइनल में मिली हार के बाद शानदार वापसी करते हुए रविवार को यहां तीरंदाजी विश्व कप चरण दो की रिकर्व स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर अपना सम्मान बचाने में सफल रही जबकि पार्थ सालुंखे ने पहली बार पोडियम पर जगह बनायी। भारत का अभियान इस तरह से सात पदकों के साथ खत्म हुआ। कम्पाउंड तीरंदाजों ने इससे पहले शनिवार को दो स्वर्ण के साथ पांच पदक जीतकर दबदबा कायम किया था। इसमें तीन पदक में मधुरा धामनगंकर का योगदान रहा। उन्होंने व्यक्तिगत स्वर्ण के साथ महिला और मिश्रित टीम में पदक जीत कर तीन साल बाद राष्ट्रीय टीम में वापसी का जश्न मनाया। दीपिका को अंतिम चार मैच में दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी लिम सिहियोन ने महिला रिकर्व व्यक्तिगत मुकाबले में 7-1 के अंतर से हराया। इस 21 साल की मौजूदा ओलंपिक चैंपियन ने पिछले साल येचियोन विश्व कप में भी भारतीय तीरंदाज को अंतिम चार में शिकस्त दी थी। भारत की 30 साल की तीरंदाज ने हालांकि सेमीफाइनल की निराशा को पीछे छोड़ते हुए कांस्य पदक के मैच में कोरिया की एक अन्य खिलाड़ी कांग चेन योंग के खिलाफ 7-3 की जीत के साथ पोडियम पर अपनी जगह पक्की की। दीपिका ने सेमीफाइनल में हार का सामना करने के बाद कांस्य पदक के मैच में अधिक धैर्य और रणनीतिक स्पष्टता दिखाई। पहला सेट 27-27 से बराबरी पर समाप्त हुआ, लेकिन दीपिका ने दूसरे सेट में 28 अंक बनाकर 3-1 की बढ़त बना ली। पूर्व विश्व चैंपियन कांग ने हालांकि वापसी करते हुए दीपिका के 27 के मुकाबले 30 अंक के साथ स्कोर को 3-3 से बराबर कर दिया। चार बार ओलंपिक खेल चुकी दीपिका ने अनुभव का शानदार इस्तेमाल करते हुए तीनों निशाना 10 अंक पर साध कर 5-3 की बढ़त कायम की। उन्होंने इसके बाद कांग के 28 के मुकाबले 29 अंक जुटाते हुए अपनी जीत पक्की कर ली। पुरुषों की व्यक्तिगत स्पर्धा में क्वालीफाइंग में 60वें स्थान पर रहने वाले पार्थ सालुंखे ने कांस्य पदक जीतकर देश का सातवां पदक पक्का किया।

नीरज चोपड़ा की अगुआई में चार भारतीय 16 मई को दोहा डाइमंड लीग में हिस्सा लेंगे

दोहा : स्टार भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा 16 मई को प्रतिष्ठित डाइमंड लीग प्रतियोगिता के दोहा चरण में तीन अन्य हमवतन खिलाड़ियों के साथ हिस्सा लेंगे। यह किसी डाइमंड लीग प्रतियोगिता में भारत के सबसे अधिक प्रतिभागी हैं। यहां 2023 (88.67 मीटर) में खिताब जीतने और 2024 (88.36 मीटर) में दूसरे स्थान पर रहे नीरज पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में किशोर जेना के साथ हिस्सा लेंगे। जेना ने 2024 में भी इस प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था और 76.31 मीटर के थ्रो के साथ नौवें स्थान पर रहे थे। पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में कई स्टार खिलाड़ी हिस्सा लेंगे जिसमें दो बार के विश्व चैंपियन और पेरिस ओलंपिक के कांस्य विजेता ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स, 2024 के विजेता चेक गणराज्य के जेकब वाडलेच, जर्मनी के जूलियन वेबर और मैक्स डेहनिंग, कीनियर के जूलियस येगो और जापान के रोडरिक जेनकी डीन जैसे खिलाड़ी शामिल हैं।

मंधाना की शतकीय पारी से श्रीलंका को 97 रन से रौंदकर भारत बना त्रिकोणीय श्रृंखला का चैंपियन

कोलंबो : स्मृति मंधाना की आक्रामक शतकीय पारी के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारत ने महिला त्रिकोणीय एकदिवसीय श्रृंखला के फाइनल में रविवार को यहां श्रीलंका को 97 रन से हराकर खिताब अपने नाम किया। उमस भरे मौसम में ऐंठन से जूझते हुए बाएं हाथ की इस कलात्मक बल्लेबाज ने 101 गेंदों पर 116 रन की शानदार पारी खेली। भारतीय उपकप्तान ने फाइनल में अपनी पारी के दौरान 15 चौके और दो छक्के लगाये। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सात विकेट पर 342 रन का बड़ा स्कोर खड़ा करने के बाद स्नेह राणा के चार और अमनजोत कौर के तीन विकेट से श्रीलंका की पारी को 48.2 ओवर में 245 रनपर समेट दिया। श्रीलंका के लिए कप्तान चमारी अटापट्टू ने सबसे ज्यादा 66 गेंद 51 रन का योगदान दिया। नीलाक्षी डिसिल्वा ने 48 रन की पारी खेली। मंधाना ने 21 रन पर मिले जीवनदान का फायदा उठाते हुए अट्टापट्टू के खिलाफ लगातार चार चौके जड़कर वनडे करियर का 11वां शतक पूरा किया। सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल (30) के साथ 89 गेंद में 70 रन की साझेदारी टूटने के बाद मंधाना ने तेजी से रन बनाना शुरू किया। उन्होंने हरलीन देओल (56 गेंद में चार चौके की मदद से 47 रन) के साथ दूसरे विकेट के लिए 106 गेंद में 120 रन की साझेदारी की। इस साझेदारी को देवमी विहंगा ने मंधाना को आउट कर तोड़ा। मंधाना ने आउट होने से पहले बड़े स्कोर की नींव रख दी थी। कप्तान हरमनप्रीत कौर और जेमिमा रोड्रिग्स ने इसके बाद तेजी से रन जुटाये लेकिन दोनों अर्धशतक पूरा करने से चूक गयीं। हरमनप्रीत ने 30 गेंद में चार चौके और एक छक्का की मदद से 41 रन की पारी खेली जबकि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 123 रन बनाने वाली जेमिमा ने 29 गेंद की ताबड़तोड़ पारी में चार चौके की मदद से 44 रन बनाये। दीप्ति शर्मा (14 गेंद में नाबाद 20) और अमनजोत कौर (12 गेंद में 18) ने आक्रमक रवैया जारी रखा जिससे भारत ने आखिरी 10 ओवर में 90 रन बटोर कर स्कोर को 340 रन के पार ले जाने में सफल रहा। श्रीलंका के लिए सुगंधिका कुमारी सबसे सफल गेंदबाज रही। उन्होंने 59 रन देकर दो विकेट लिये। विहंगा (69 रन पर दो विकेट) और मालकी मदारा (74 रन पर दो विकेट) को भी दो-दो सफलता मिली। श्रीलंका ने बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए पहले ओवर में ही अमनजोत की गेंद पर हसिनी परेरा (शून्य) का विकेट गंवा दिया। अटापट्टू और विष्मी गुणारत्ने (41 गेंद में 36 रन) दूसरे विकेट के लिए तेजी से रन जुटाये। हरमनप्रीत ने इसके बाद गेंद दीप्ति को थमाई जिन्होंने रनगति पर ब्रेक लगा दिया। इसका फायदा अमनजोत नेपरेराको आउट कर उठाया। परेरा और अटापट्टू ने दूसरे विकेट की 80 गेंद में 68 रन की साझेदारी को तोड़ा। पदार्पण कर रही भारतीय गेंदबाज क्रांति गौड़ पहला विकेट लेने से चूक गयी क्योंकि विकेटकीपर रिचा घोष अटापट्टू को स्टंप करने में चूक गयी।

आईपीएल के 16 या 17 मई को फिर से शुरू होने की संभावना, कोलकाता से बाहर हो सकता है फाइनल

नयी दिल्ली : भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष के कारण स्थगित इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 16 या 17 मई को फिर से शुरू हो सकती है और इसके फाइनल का आयोजन कोलकाता से बाहर किए जाने की संभावना है। शनिवार को संघर्ष विराम की घोषणा ने लीग को फिर से शुरू करने की उम्मीद जगा दी है जिसे नौ मई को एक सप्ताह के लिए निलंबित कर दिया गया था। आईपीएल संचालन परिषद के सदस्यों और भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अधिकारियों ने लीग को फिर से शुरू करने की योजना पर रविवार को चर्चा की। बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा कि बोर्ड अब भी उपयुक्त कार्यक्रम बनाने पर काम कर रहा है। शुक्ला ने कहा, 'अभी तक आईपीएल पर कोई निर्णय नहीं हुआ है। बीसीसीआई अधिकारी समाधान पर काम कर रहे हैं। बीसीसीआई सचिव, आईपीएल अध्यक्ष फ्रेंचाइजी और सभी के साथ बातचीत कर रहे हैं इसलिए बहुत जल्द हमें निर्णय के बारे में पता चल जाएगा। टूर्नामेंट को जल्द से जल्द फिर से शुरू करने के प्रयास किए जा रहे हैं।' आईपीएल के एक सूत्र ने बताया कि लीग लखनऊ सुपर जाइंट्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच लखनऊ में होने वाले मैच के साथ फिर से शुरू होगी - यह मैच पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार नौ मई को खेला जाना था। एक सूत्र ने 'पीटीआई' को बताया, 'सभी टीमों को अपने खिलाड़ियों को वापस बुलाने के लिए कहा गया है।

भारत की निरुपमा देवी एशियाई भारोत्तोलन चैंपियनशिप में चौथे स्थान पर रहीं

जियांगशान (चीन) : भारतीय भारोत्तोलक निरुपमा देवी को रविवार को यहां एशियाई चैंपियनशिप में महिलाओं की 64 किग्रा वर्ग में क्लीन एंड जर्क में दो असफल प्रयासों के कारण चौथे स्थान पर रहकर कांस्य पदक से हाथ धोना पड़ा। एशियाई युवा भारोत्तोलन चैंपियनशिप की पदक विजेता 24 वर्षीय निरुपमा देवी क्लीन एंड जर्क में 115 किग्रा ही उठा पाईं जबकि 120 किग्रा और 125 किग्रा उठाने का उनका प्रयास विफल रहा। इससे स्नैच में 91 किग्रा से उनका गैर-ओलंपिक वर्ग में कुल वजन 206 किग्रा हो गया। एशियाई खेल 2018 की पदक विजेता दक्षिण कोरिया की मुन मिन-ही ने कुल 214 किग्रा (94 किग्रा +120 किग्रा) वजन उठाकर कांस्य पदक हासिल किया। चीन की ली शुआंग ने 239 किग्रा (105 किग्रा +134 किग्रा) वजन उठाकर स्वर्ण पदक जबकि फिलीपींस की भारोत्तोलक एलरीन एन एंडो ने 232 किग्रा (102 किग्रा +130 किग्रा) वजन उठाकर रजत पदक जीता। भारत ने एशियाई चैंपियनशिप के लिए दो सदस्यीय टीम भेजी है। दिलबाग सिंह मंगलवार को पुरुषों की 96 किग्रा स्पर्धा में भाग लेंगे।

टेस्ट में तिहरा शतक जड़ने वाले बॉब काउपर का निधन

मेलबर्न: ऑस्ट्रेलिया की सरजमीं पर टेस्ट क्रिकेट में पहला तिहरा शतक जड़ने वाले बॉब काउपर का 84 वर्ष की आयु में अज्ञात बीमारी के कारण निधन हो गया। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने रविवार को यह जानकारी दी। वह 84 साल के थे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने कहा कि काउपर के परिवार में उनकी पत्नी डेल तथा बेटियां ओलिविया और सेरा हैं। काउपर ने 1964 से 1968 के बीच ऑस्ट्रेलिया के लिए 27 टेस्ट मैच खेले थे। उन्होंने पांच शतक और 46.84 की औसत से 2,061 रन बनाए। उन्होंने कामचलाऊ ऑफ स्पिन से 36 विकेट भी लिए हैं।

संघर्ष विराम की घोषणा के बाद पोंटिंग विमान से उतरे, विदेशी खिलाड़ियों को प्रेरित किया

नयी दिल्ली : पंजाब किंग्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग स्वदेश के लिए उड़ान भरने ही वाले थे कि भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम लागू हो गया और वह अंतिम समय में विमान से उतर गए। ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज के पास ऑस्ट्रेलिया वापस जाने का विकल्प था लेकिन उन्होंने उतरने का फैसला किया। पोंटिंग दिल्ली में ही रुके और उन्होंने यह भी सुनिश्चित किया कि पंजाब किंग्स के विदेशी खिलाड़ी शनिवार रात राष्ट्रीय राजधानी से उड़ान नहीं भरें जो दो परमाणु-सशस्त्र देशों के बीच युद्ध की संभावना को देखते हुए चिंतित थे। खिलाड़ी भारत लौटने को लेकर आश्वस्त थे क्योंकि आईपीएल के एक हफ्ते बाद शुरू होने की संभावना थी। पंजाब किंग्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सतीश मेनन ने विश्व कप विजेता कप्तान द्वारा विदेशी खिलाड़ियों के पूरे ग्रुप से की गई प्रेरणादायी बातचीत का जिक्र करते हुए पीटीआई से कहा, 'यह पोंटिंग का व्यक्तित्व दर्शाता है। केवल वही ऐसा कर सकते थे। उन्होंने स्वेच्छा से रुकने का ही फैसला नहीं किया बल्कि उन विदेशी खिलाड़ियों को प्रेरित किया जो अपने गंतव्य के लिए रवाना हो चुके थे, लेकिन अब जल्द से जल्द टीम में शामिल होंगे।' आईपीएल का आठ मई को मैच रद्द होने के बाद धर्मशाला से दिल्ली तक की ट्रेन यात्रा करने वाले खिलाड़ियों के ग्रुप में मार्कस स्टोइनिस, आरोन हार्डी, जोश इंगलिस और जेवियर बार्टलेट (सभी ऑस्ट्रेलिया से) शामिल थे।

भारत की पुरुष और मिश्रित चार गुणा 400 मीटर टीमें विश्व चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई करने से चूकीं

ग्वांगजू : भारत का विश्व एथलेटिक्स रिले में अभियान निराशाजनक रूप से समाप्त हो गया क्योंकि देश की पुरुष चार गुणा 400 मीटर और मिश्रित चार गुणा 400 मीटर टीम इस साल के अंत में तोक्यो में होने वाली विश्व चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई करने से चूक गईं। संतोष कुमार तमिलारासन, रूपल चौधरी, थेन्नारसु कयालविझी विशाल और सुभा वेंकटेशन की मिश्रित चार गुणा 400 मीटर टीम ने तीन मिनट 14.81 सेकेंड का समय निकालकर दूसरी हीट नंबर में चौथा स्थान हासिल किया। दो हीट में से प्रत्येक में शीर्ष तीन टीम ने 13 से 21 सितंबर को होने वाली विश्व चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई किया। जय कुमार, धर्मवीर चौधरी, थेक्किनालिल साजी मनु और रिंस जोसेफ की पुरुषों की चार गुणा 400 मीटर चौकड़ी ने खराब प्रदर्शन किया और 3:04.49 के समय के साथ सातवें स्थान पर रही।

जाह्नवी, ओम अखिल भारतीय शतरंज मास्टर्स के दूसरे दौर में चमके

मुंबई : जाह्नवी सोनेजी और ओम गडा ने रविवार को यहां अखिल भारतीय मास्टर्स फिडे रेटिंग शतरंज चैंपियनशिप के दूसरे दौर में प्रभावशाली प्रदर्शन किया। काले मोहरों से खेलते हुए जाह्नवी ने हेमंत इशान पर शानदार जीत हासिल की जबकि ओम ने अवनीश शेट्टी को हराया। शीर्ष 10 बोर्ड में अन्य उल्लेखनीय परिणामों में अजय अग्रवाल ने अनिरुद्ध अय्यर को हराया और मिलिंद आभा ने ए कुमार को बराबरी पर रोका।

अमेरिका, चीन के बीच शुल्क वार्ता का दूसरा दिन शुरू, फिलहाल सफलता नहीं

जिनेवा : अमेरिका और चीन ने रविवार को शुल्क वार्ता फिर से शुरू की, लेकिन ऐसा लग रहा है कि बातचीत की वर्तमान स्थिति को लेकर दोनों पक्षों के अलग-अलग विचार हैं। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा कि 'बड़ी प्रगति' हो रही है। दोनों पक्ष जिनेवा में चर्चा के दूसरे और अंतिम दिन बातचीत कर रहे हैं। बीजिंग ने अभी तक सीधे तौर पर कोई टिप्पणी नहीं की है, लेकिन इसकी आधिकारिक समाचार एजेंसी ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि चीन 'किसी भी ऐसे प्रस्ताव को दृढ़ता से खारिज करेगा, जो मूल सिद्धांतों से समझौता करने का दबाव बनाता हो या वैश्विक समानता के व्यापक उद्देश्य को कमजोर करता हो।' फिर भी, ट्रंप ने रविवार को सोशल मीडिया पर लिखा कि 'बड़ी प्रगति' हो रही है। उन्होंने कोई और विवरण नहीं दिया। व्हाइट हाउस के अधिकारियों ने भी बहुत कम जानकारी दी। वार्ता को गुप्त रखा गया है और शनिवार को वापस जाते समय दोनों पक्षों ने पत्रकारों से कोई बातचीत नहीं की। इस बातचीत का मकसद दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच व्यापार को नुकसान पहुंचाने वाले विवाद को कम करना है। अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट और अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमीसन ग्रीर चीन के वाइस प्रीमियर ही लाइफेंग के नेतृत्व में एक चीनी प्रतिनिधिमंडल के साथ बातचीत कर रहे हैं। इस बातचीत से कोई बहुत बड़ा नतीजा सामने आने की उम्मीद कम है, लेकिन ऐसा माना जा रहा है कि दोनों देश भारी भरकम शुल्क में कटौती कर सकते हैं। अगर ऐसा होता है तो इससे दुनिया भर के वित्तीय बाजारों और अमेरिका-चीन व्यापार पर निर्भर कंपनियों को राहत मिलेगी। आयात पर उच्च शुल्क लगाने के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फैसले के बाद चीन ने भी जवाबी कदम उठाए और दोनों देशों के बीच व्यापार युद्ध जैसी स्थिति बन गई।

स्टार एयर इस सप्ताह कोल्हापुर से बेंगलुरु, हैदराबाद, नागपुर के लिए सीधी उड़ानें शुरू करेगी

मुंबई : क्षेत्रीय विमानन कंपनी स्टार एयर ने रविवार को कहा कि वह 15 मई से कोल्हापुर से बेंगलुरु, हैदराबाद और नागपुर के लिए सीधी उड़ान सेवा शुरू करेगी। स्टार एयर फिलहाल कोल्हापुर से तीन गंतव्यों - अहमदाबाद, मुंबई और तिरुपति के लिए 16 साप्ताहिक उड़ानें (सीधी और वाया) संचालित करती है। इस विस्तार से एयरलाइन की कोल्हापुर से सात गंतव्यों तक उड़ानें बढ़ जाएंगी, जिससे साप्ताहिक आवृत्ति 28 हो जाएगी। स्टार एयर ने कहा कि 15 मई से वह अपने मौजूदा मुंबई-कोल्हापुर-मुंबई और कोल्हापुर-अहमदाबाद-कोल्हापुर मार्गों पर 50 सीट वाले एम्ब्रेयर ईआरजे-145 विमान को 'बिजनेस' श्रेणी के 76 सीट वाले ईआरजे-175 विमान से बदल देगी। एक बयान के अनुसार, कोल्हापुर से नई उड़ान सेवाओं की शुरुआत कोल्हापुर मुख्यालय वाली विविधीकृत संजय घोडावत समूह की एयरलाइन की ग्रीष्मकालीन अनुसूची नेटवर्क विस्तार योजना का हिस्सा है।एयरलाइन ने कहा कि तीन जून से वह कोल्हापुर से सात गंतव्यों - अहमदाबाद, मुंबई, तिरुपति, बेंगलुरु, हैदराबाद, नागपुर और किशनगढ़ के लिए 32 साप्ताहिक उड़ानें संचालित करेगी।

एफपीआई ने मई में अबतक शेयरों में 14,167 करोड़ रुपये डाले

नयी दिल्ली : स्थानीय शेयर बाजार के प्रति विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) का भरोसा कायम है और इस महीने अबतक उन्होंने 14,167 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे हैं। अनुकूल वैश्विक रुख तथा मजबूत घरेलू बुनियाद के बीच एफपीआई स्थानीय शेयर बाजार में निवेश कर रहे हैं। खास बात यह है कि भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य तनाव के बावजूद एफपीआई भारतीय बाजार में निवेश कर रहे हैं। डिपॉजिटरी के आंकड़ों से पता चलता है कि अप्रैल में एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजार में 4,223 करोड़ रुपये डाले थे। यह तीन माह बाद उनका पहला निवेश था। इससे पहले, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने मार्च में शेयरों से 3,973 करोड़ रुपये, फरवरी में 34,574 करोड़ रुपये और जनवरी में 78,027 करोड़ रुपये निकाले थे। जियोजीत इन्वेस्टमेंट के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा कि आगे बढ़ते हुए वृहद वैश्विक कारकों (डॉलर में गिरावट, अमेरिका और चीनी अर्थव्यवस्था में सुस्ती) और घरेलू मोर्चे पर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की ऊंची वृद्धि दर, घटती मुद्रास्फीति और ब्याज दरों में कमी की वजह से एफपीआई का भारतीय बााजर के प्रति आकर्षण बना रहेगा। हालांकि, उन्होंने कहा कि बॉन्ड या ऋण प्रवाह बहुत कम रहने की संभावना है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने इस महीने (नौ मई तक) अबतक शेयरों में शुद्ध रूप से 14,167 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इस तरह चालू साल में अब एफपीआई की निकासी घटकर 98,184 करोड़ रुपये रह गई है। भारतीय शेयर बाजार में एफपीआई की गतिविधियों में अप्रैल में सुधार हुआ है। माना जा रहा है कि मई में भी यह रुख जारी रहेगा। मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट के एसोसिएट निदेशक-प्रबंधक शोध हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा कि अनुकूल वैश्विक रुख और मजबूत घरेलू बुनियाद से निवेशकों का भरोसा बढ़ा है। उन्होंने कहा कि भारत-अमेरिका के बीच संभावित व्यापार करार, अमेरिकी डॉलर में कमजोरी, भारतीय रुपये में मजबूती से वैश्विक निवेशकों के समक्ष भारतीय परिसंपत्तियों का आकर्षण बढ़ा है। इसके अलावा भारत की कुछ बड़ी कंपनियों के अच्छे तिमाही नतीजों से भी एफपीआई की धारणा में सुधार हुआ है। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स के वीके विजयकुमार ने कहा, 'हाल के दिनों में एफपीआई निवेश की खासियत यह रही है कि उन्होंने लगातार खरीदारी की है। उन्होंने आठ मई को समाप्त 16 कारोबारी सत्रों में 48,533 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे हैं। हालांकि, नौ मई को भारत-पाकिस्तान विवाद बढ़ने के बाद उन्होंने 3,798 करोड़ रुपये के शेयर बेचे थे।

पुरानी समस्याओं को पीछे छोड़कर, पीएनबी वृद्धि का नया रास्ता तैयार कर रहाः एमडी चंद्रा

नयी दिल्ली : पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के प्रबंध निदेशक अशोक चंद्रा ने कहा कि पुरानी समस्याओं को पीछे छोड़ते हुए बैंक ने चालू वित्त वर्ष (2025-26) और उसके बाद के वर्षों में प्रतिस्पर्धा में आगे निकलने के लिए परिचालन लाभ पर विशेष ध्यान देते हुए वृद्धि के नए रास्ते पर कदम रखा है। फंसे कर्ज (एनपीए) में कमी, कम लागत वाली जमा राशि जुटाना, शुल्क आय वृद्धि के लिए अवसरों में वृद्धि और खराब कर्ज से वसूली बैंक के अन्य प्राथमिकता वाले क्षेत्र हैं, जो शुद्ध लाभ सहित विभिन्न मापदंडों में अच्छा सुधार दिखा रहे हैं। पिछले वित्त वर्ष (2024-25) के लिए, पीएनबी 102 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 12 सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) के बीच लाभ वृद्धि के मामले में शीर्ष बैंक के रूप में उभरा है। इस दौरान बैंक का शुद्ध लाभ दोगुना होकर 16,630 करोड़ रुपये हो गया, जो 2023-24 में 8,245 करोड़ रुपये था। बैंक का कुल कारोबार पिछले वित्त वर्ष में 14 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 26.83 लाख करोड़ रुपये रहा है, जो बैंकिंग प्रणाली में सबसे अधिक है। उन्होंने बताया कि बैंक में कई पुरानी समस्याएं थीं, जिनमें सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में सबसे अधिक सकल और शुद्ध गैर-निष्पादित आस्तियां (एनपीए) शामिल हैं। चंद्रा ने कहा कि इनमें उल्लेखनीय कमी लाई गई है, तथा सकल एनपीए चार प्रतिशत से नीचे आ गया है और शुद्ध एनपीए 0.5 प्रतिशत पर आ गया है। उन्होंने पीटीआई-भाषा से बातचीत में बताया कि बैंक ने चालू वित्त वर्ष के दौरान इन्हें और आगे बढ़ाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा कि आरएएम (खुदरा, कृषि और एमएसएमई) क्षेत्र तथा चालू खाता और बचत खाता (कासा) पर ध्यान केंद्रित करने से बैंक के परिचालन लाभ में सुधार देखने को मिलेगा। इसी साल जनवरी में पीएनबी में एमडी का कार्यभार संभालने वाले चंद्रा ने कहा, हम चाहते हैं कि हमारा बैंक, जो घरेलू कारोबार के मामले में दूसरा सबसे बड़ा बैंक है, परिचालन लाभ और शुद्ध लाभ के मामले में भी वह स्थान हासिल करे।

भारत, यूरोपीय संघ सोमवार से एफटीए वार्ता का अगला दौर शुरू करेंगे

नयी दिल्ली : भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के मुख्य वार्ताकार सोमवार से यहां प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर अगले दौर की वार्ता शुरू करेंगे। एक अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए कहा कि इस कवायद का मकसद समझौते के पहले चरण को जल्द से जल्द पूरा करना है। दोनों पक्ष अनिश्चित वैश्विक व्यापार वातावरण, विशेष रूप से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की शुल्क कार्रवाई के कारण समझौते को दो चरणों में पूरा करने पर सहमत हुए हैं। अधिकारी ने कहा, ''ईयू का दल 11वें दौर की वार्ता के लिए यहां आएगा। वार्ता 16 मई तक जारी रहेगी।'' जिन मुद्दों पर आम राय है, उन्हें समझौते के पहले भाग में शामिल किया जाएगा। दोनों पक्ष इस साल के अंत तक दूसरे भाग को पूरा करने का लक्ष्य बना रहे हैं।

2025-26 में भारतीय अर्थव्यवस्था के 6.5 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद: सीआईआई

नयी दिल्ली : भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के अध्यक्ष संजीव पुरी ने कहा है कि चालू वित्त वर्ष (2025-26) में भारत का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 6.5 प्रतिशत की दर से बढ़ सकता है और देश की अर्थव्यवस्था भू-राजनीतिक मुद्दों के अल्पकालिक प्रभाव से उबरने के लिए पर्याप्त मजबूत है। उन्होंने पीटीआई-भाषा के साथ विशेष बातचीत में कहा कि देश को बढ़ती व्यापार बाधाओं को देखते हुए राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए प्रमुख व्यापारिक साझेदारों के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते करने चाहिए। ऊर्जा, परिवहन, धातु, रसायन और आतिथ्य जैसे विभिन्न क्षेत्रों में निजी निवेश में वृद्धि के बारे में बात करते हुए पुरी ने कहा कि मौजूदा भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के कारण निवेश में 'कुछ सतर्कता' आ सकती है। भारत के लिए आर्थिक वृद्धि अनुमान पर उन्होंने कहा, हम 6.5 प्रतिशत की दर की उम्मीद कर रहे हैं। हमारा मानना है कि यह संख्या मौलिक रूप से हासिल की जा सकती है, क्योंकि तथ्य यह है कि हम एक उचित रूप से अच्छी नींव, मजबूत आर्थिक आधार के साथ शुरुआत कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हाल के दिनों में ब्याज दर में कमी आई है। मुद्रास्फीति नरम होती जा रही है। एक अप्रैल से व्यक्तिगत आयकर में छूट मिल रही है। पिछले वर्ष की दूसरी छमाही में सार्वजनिक और निजी क्षेत्र में निवेश बढ़ा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा कई प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं पर प्रस्तावित उच्च शुल्क और वैश्विक स्तर पर बढ़ते संरक्षणवाद की प्रवृत्ति पर, पुरी ने स्वीकार किया कि इस समय व्यापार में अधिक से अधिक बाधाएं आ रही हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि भारत को द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) करने चाहिए जो पारस्परिक रूप से लाभकारी और राष्ट्रीय हित में हों। पुरी ने कहा, इसलिए, भारत जिन देशों को आगे बढ़ा रहा है, और उनमें से बड़े देश अमेरिका और यूरोपीय संघ हैं, वे महत्वपूर्ण हैं। हमें राष्ट्रीय हित के दृष्टिकोण से जो कुछ भी करना है, वह करना चाहिए, और मुझे लगता है कि सबसे महत्वपूर्ण ये द्विपक्षीय व्यापार समझौते हैं।

भारत ने एफटीए के तहत ब्रिटेन की वाइन पर शुल्क कटौती नहीं की, बीयर पर सीमित रियायत

नयी दिल्ली : भारत ने एफटीए के तहत ब्रिटेन की वाइन पर कोई शुल्क रियायत नहीं दी है, जबकि बीयर पर सीमित आयात शुल्क लाभ दिया जा रहा है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। दोनों देशों ने छह मई को मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के तहत बातचीत पूरी होने की घोषणा की थी। इसके अलावा भारत जिन संवेदनशील कृषि उत्पादों पर कोई आयात शुल्क कटौती नहीं करेगा, उनमें डेयरी उत्पाद, सेब, पनीर, जई, पशु और वनस्पति तेल शामिल हैं। अधिकारी ने कहा, 'व्यापार समझौते में कई अन्य कृषि उत्पादों के साथ ही वाइन भी बहिष्कृत सूची में है। हम ब्रिटिश बीयर पर भी केवल सीमित शुल्क रियायत दे रहे हैं।' इस एफटीए से भारत में ब्रिटेन की स्कॉच व्हिस्की और कार सस्ती हो जाएंगी। दूसरी ओर ब्रिटेन भारत से आने वाले परिधान और चमड़े के सामान जैसे उत्पादों पर आयात शुल्क कम कर देगा। समझौते के अनुसार, भारत ब्रिटेन की व्हिस्की पर शुल्क को 150 प्रतिशत से घटाकर 75 प्रतिशत और समझौते के 10वें वर्ष तक 40 प्रतिशत कर देगा। ब्रिटेन को वाइन पर शुल्क रियायत न देना महत्वपूर्ण है, क्योंकि यूरोपीय संघ इस क्षेत्र में एक प्रमुख खिलाड़ी है। अगर ब्रिटेन को आयात शुल्क में रियायत दी जाती, तो यूरोपीय संघ की ओर से अपनी वाइन पर इसी तरह की शुल्क कटौती के लिए दबाव बढ़ जाता।

वर्ष 10, पूर्णांक 4233 अंक 043, RNI No WBHIN/2016/66788, सर्वांग प्रकाशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **सरोज राय** द्वारा 17, बालमुकुन्द मक्कर रोड, 2सरा तल्ला, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित। एल. एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. 4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता-700 015 से मुद्रित।
सम्पादक- **अनिल कुमार राय** (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी), विज्ञापन एवं प्रसार-9874555256/7044444522, ई-मेल news@samagya.in